राष्ट्रीय संस्करण

वर्ष 8 अंक 105

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, रविवार, 22 सितंबर, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह अगले वायुसेना प्रमुख नियुक्त

>> 3

रविवार विशेष

हर व्यक्ति तक विकास की पहुंच

● पेज-7

संपादकीय

संभव हैं एक साथ चुनाव: एक साथ चुनाव का विषय एक ऐसा विचार है, जो दलगत राजनीतिक हितों से ऊपर उठने की मांग करता है। **संजय गुप्त** का आलेख।

एक नामी आरोपी की शोक सभा: सभा में एनकाउंटर में किसी तरह का कोटा न तय करने को लोकतंत्र और समानता के खिलाफ करार दिया गया। **कमल किशोर सक्सेना** का व्यंग्य।

● पेज-8

विमर्श

वैश्विक धरोहर पर लापरवाही का 'पोथा': ऐतिहासिक धरोहरों की देखरेख या रखरखाव का कार्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के जिम्मे है। हाल ही में आगरा के ताजमहल के गुंबद से पानी टपकने के वीडियो और फोटो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हुआ। धरोहरों के प्रति लापरवाही बरते जाने पर अनेक प्रकार के प्रश्न उठ रहे हैं। **अनंत विजय** का आलेख।

● पेज-9

सप्ताह का साक्षात्कार

नान स्टाप नहीं, भाजपा ने बनाया फुल स्टाप हरियाणा : हुड्डा

हरियाणा में 2005 से 2014 तक मुख्यमंत्री रहे विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा राज्य में फिर कांग्रेस की सरकार बनने को लेकर आशान्वित हैं। अपनी उम्मीद और दावे की वजह वह भाजपा सरकार की 10 साल की 'विफलताओं' को बताते हैं। उनका आरोप है कि कांग्रेस ने जिस हरियाणा को हंसता-खेलता, आगे बढ़ता खुशहाल प्रदेश बनाया था, भाजपा ने अपने कार्यकाल में उसे नशे में उड़ता हरियाणा बना दिया है। भाजपा का चुनावी नारा 'नान स्टाप हरियाणा' अब 'फुल स्टाप हरियाणा' बनकर रह गया है। चुनावी परिदृश्य पर दैनिक जागरण के हरियाणा राज्य ब्यूरो प्रमुख अनुराग अग्रवाल ने हुड्डा से विस्तृत बातचीत की।

● पेज-13

राजनाथ के हेलीकाप्टर का ईंधन हो गया खत्म

गढ़वा: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर गढ़वा पहुंचे निजी कंपनी के हेलीकाप्टर का ईंधन खत्म हो गया। ये दोनों मंत्री संकल्प यात्रा की शुरुआत करने के लिए पलामू के श्री बंशीधर नगर पहुंचे थे। ईंधन खत्म होने से हेलीकाप्टर रांची नहीं जा सका। दोनों मंत्री सड़क मार्ग से वाराणसी के लिए रवाना हुए।

(पेज-5)

किश्तवाड़ में घिरे दो से तीन आतंकी, मुठभेड़ जारी

किश्तवाड़: जम्मू संभाग के किश्तवाड़ जिले के जंगली क्षेत्र में रविवार शाम तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया। जवानों ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी हमला किया और मुठभेड़ शुरू हो गई। जंगल में देर रात तक दोनों तरफ से फायरिंग चलती रही। बताया जा रहा है कि दो से तीन आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में हैं।

(पेज-6)

मोदी से डरता है पाक, तभी सीमा पर शांति : शाह

सख्त संदेश ▶ नियंत्रण रेखा से सटे राजौरी-पुंछ से गृह मंत्री ने पड़ोसी देश को दुस्साहस न करने की दी चेतावनी

जागरण संवाददाता, राजौरी

- कहा, पाकिस्तान ने एक भी गोली चलाई तो उसका जवाब गोले से मिलेगा
- प्रदेश में हिंसा और 40 हजार लोगों की हत्या के दोषी हैं अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार
- अब युवा दहशतगर्दी के लिए नहीं, देश की रक्षा के लिए बंदूक उठाएंगे
- जब तक आतंकवाद खत्म नहीं होता पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में शनिवार को भाजपा की चुनावी जनसभा के दौरान लोगों का अभिवादन करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। एएनआइ >>

जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा से सटे राजौरी-पुंछ जिलों में शनिवार को गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खौफ से जम्मू-कश्मीर की सीमाओं पर शांति है। पाकिस्तान को पता है कि अगर वह भारतीय सेना पर एक भी गोली चलाएगा तो उसका जवाब तोप के गोले से मिलेगा। इसीलिए पाकिस्तान सीमा पर किसी भी तरह का दुस्साहस करने की हिम्मत नहीं करता। गृह मंत्री ने कहा कि प्रदेश में अनुच्छेद-370 के साथ आतंकवाद को भी दफन कर दिया गया है। इनकी वापसी के सपने देखना बंद करें। इसके बाद उन्होंने फिर से दोहराया कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार से जम्मू-कश्मीर में आतंकी भेजता रहेगा तब तक उससे कोई बातचीत नहीं होगी।

शाह ने शनिवार को राजौरी-पुंछ में चार और जम्मू के अखनूर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने अपनी सभाओं में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार को जिम्मेदार ठहराया। बता दें कि शाह शुक्रवार देर शाम जम्मू पहुंचे थे।

शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार ने 1990 से लेकर अब तक दहशतगर्दी फैलाई। इन्हीं की सरकारों के समय राजौरी-पुंछ जिलों में आतंक और पाकिस्तानी गोलीबारी का खौफ रहता था। पहले यहां गोलीबारी इसलिए होती थी, क्योंकि पहले यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे, अब पाकिस्तान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से डरता है।

अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी परिवार पर निशान साधते हुए गृह मंत्री ने कहा कि इन्हीं लोगों ने युवाओं के हाथों में बंदूकें देकर उनका भविष्य बर्बाद किया। ये तीनों परिवार ही 40 हजार लोगों की हत्या के लिए दोषी हैं। इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं को दहशतगर्दी की बंदूक थमाई, वही युवा अब देश की सुरक्षा के लिए बंदूक उठाएंगे। हम पुलिस, सेना और अन्य बलों में भर्ती के जरिये पहाड़ी, गुज्जर और बक्करवाल के हाथों में बंदूकें देंगे, ताकि वे पूरी ताकत से आतंकवाद से लड़ कर अपनी मातृभूमि को बचा सकें। सरकार जल्द सीमावर्ती युवाओं के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाएगी।

गुज्जर-बक्करवाल और पहाड़ियों को आरक्षण के बिल का नेशनल कान्फ्रेंस ने किया था विरोध

सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार आने के बाद पिछड़ी, गुज्जर-बक्करवाल और पहाड़ियों को आरक्षण मिला। जब मैंने सांसद में बिल पेश किया, तो फारूक अब्दुल्ला की पार्टी नेकां ने विरोध किया। हमने वादा किया था कि गुज्जर बक्करवाल के आरक्षण को कम नहीं करेंगे और पहाड़ियों को भी आरक्षण देंगे। हमने अपना वो वादा निभाया। कांग्रेस और नेकां ने कहा कि हम आरक्षण समाप्त करेंगे, जबकि हम कह रहे हैं कि प्रमोशन में भी गुज्जर-बक्करवालों और पहाड़ियों को आरक्षण देंगे।

रेल देखने के लिए जम्मू नहीं जाना पड़ेगा

शाह ने कहा कि राजौरी-पुंछ के लोग अपने बच्चों को रेल दिखाने के लिए जम्मू लेकर जाते हैं, लेकिन अब वह दिन दूर नहीं जब राजौरी और पुंछ में भी रेल आएगी। इसके लिए योजना तैयार हो चुकी है। जल्द ही इसका काम शुरू हो जाएगा।

राजौरी और पुंछ में जुटेगी पर्यटकों की भीड़

शाह ने कहा कि राजौरी और पुंछ बेहद खूबसूरत है जो एक बार इस क्षेत्र में आएगा वह बार बार आना चाहेगा। मगर अब्दुल्ला परिवार ने क्षेत्र के पर्यटन स्थलों का विकास नहीं करवाया। अब हम दोनों जिलों में पर्यटन शहर स्थापित करेंगे, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश के पर्यटक यहां आएंगे। स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा।

चीतों के 70% से अधिक शावक बचाकर भारत ने चौंकाया

नई दिल्ली: भारत ने सिर्फ दो साल में चीतों के संरक्षण में ऐसी सफलताहासिल की है, जिससे न सिर्फ चीते देने वाले नामीबिया व दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अचंभित हैं बल्कि दुनियाभर के वन्य विशेषज्ञ भी भौचक्के हैं। यह सफलता देश में जन्मे 70% से अधिक चीता शावकों को बचाने की है। आमतौर पर 10% शावक ही जीवित बचते हैं। (पेज-3)

सिखों को लेकर अपनी टिप्पणी पर राहुल कायम

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी हाल में अमेरिका में सिखों पर दिए अपने बयानों को लेकर शनिवार को कायम दिखे। कहा- वहां मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा था। भाजपा मेरे बयानों पर झूठ फैला रही है। साथ ही सिखों से भी सवाल किया कि क्या उन्होंने जो कुछ कहा, उसमें कुछ गलत है? (पेज-5)

डेंगलुरु में 30 टुकड़ों में मिला महिला का शव

बेंगलुरु: बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में एक सिंगल बेडरूम फ्लैट के फ्रिज में 29 वर्षीय महिला महालक्ष्मी का शव 30 टुकड़ों में मिला। महालक्ष्मी इस फ्लैट में अकेली रह रही थी। संदेह है कि एक सप्ताह पहले महिला की हत्या हुई है। उसके पति शहर से दूर एक आश्रम में काम करते हैं। घटना की जानकारी होने पर वहां पहुंचे। (पेज-6)

आतिशी ने पांच मंत्रियों संग ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

- आतिशी दिल्ली की आठवीं और सबसे कम उम्र की मुख्यमंत्री
- पहली बार के विधायक अहलावत मंत्रिमंडल में नया चेहरा

नई दिल्ली में शनिवार को आयोजित समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से आशीर्वाद लेतीं आतिशी। इस दौरान उपराज्यपाल वीके सक्सेना भी उपस्थित रहे। एएनआइ >>

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शनिवार को दिल्ली की आठवीं मुख्यमंत्री के तौर पर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। भाजपा की सुषमा स्वराज और कांग्रेस की शीला दीक्षित के बाद आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री हैं। स्वतंत्र भारत में वह मुख्यमंत्री पद संभालने वाली 17वीं महिला बनी हैं। उनके साथ गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत ने मंत्री पद की शपथ ली। सुल्तानपुर माजरा से पहली बार के विधायक अहलावत मंत्रिमंडल में नया चेहरा हैं।

मुख्यमंत्री पद पर आतिशी की पारी संक्षिप्त होगी, क्योंकि अगले वर्ष फरवरी में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। राजनिवास में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य नेता व विधायक शामिल हुए। केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद आतिशी को पार्टी के विधायक दल का नेता चुना गया था। शपथ ग्रहण से पहले आतिशी और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने केजरीवाल से उनके सिविल लाइंस स्थित आवास पर मुलाकात की।

संक्षिप्त कार्यकाल में निपटाने होंगे मुद्दे : आतिशी को अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सड़क, जलापूर्ति, सीवर और दवाओं सहित मूलभूत सेवाओं और बुनियादी ढांचे से संबंधित मुद्दों को हल करना होगा। उन्हें प्रस्तावित मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये का मानदेय देने के अरविंद केजरीवाल के वादे को लागू करना होगा।

मंत्रियों से अधिक मुख्यमंत्री के पास रहेंगे विभाग

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के कुछ देर बाद ही आतिशी ने मंत्रियों के विभाग भी घोषित कर दिए। मंत्रियों से अधिक विभागों की जिम्मेदारी वह स्वयं निभाएंगी। केजरीवाल सरकार में मंत्री रहते हुए भी उनके पास वित्त, शिक्षा, लोक निर्माण, जल, ऊर्जा सहित 13 विभाग थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी ये सभी विभाग उनके पास रहेंगे। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए अपने पास कोई विभाग नहीं रखा था, जबकि आतिशी दिल्ली की राजनीति में सबसे अधिक विभाग संभालने वाली मुख्यमंत्री रहेंगी। (पेज-2 भी देखें)

कोलकाता में 42 दिनों बाद काम पर लौटे जूनियर डाक्टर

कोलकाता: कोलकाता के आरजी कर कांड के विरोध में 41 दिनों की हड़ताल व उसके बाद विशाल रैली निकालने के पश्चात जूनियर डाक्टर शनिवार से काम पर लौट आए हैं, वह अभी आघातकालीन विभाग में ही ड्यूटी कर रहे हैं। ओपीडी की जिम्मेदारी अभी भी सीनियर डाक्टर संभाल रहे हैं। जूनियर डाक्टरों ने साफ तौर पर कहा है कि राज्य सरकार जब तक उनकी सभी मांगों को पूरा नहीं करेगी, तब तक वह ओपीडी के मरीजों को नहीं देखेंगे। (पेज-5)

एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग पर हाई कोर्ट ने जताई चिंता

प्रयागराज: इलाहाबाद हाई कोर्ट ने व्यक्तिगत आर्थिक लाभ के लालच में समाज के कमजोर लोगों की सुरक्षा के लिए बनाए गए एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग पर चिंता जताई है और राज्य सरकार को निगरानी तंत्र विकसित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जब तक ऐसा नहीं होता है तब तक प्राथमिकी दर्ज करने से पहले घटना व आरोप का सत्यापन किया जाए ताकि वास्तविक पीड़ित को ही सुरक्षा व मुआवजा मिल सके। (पेज-7)

अमेरिका पहुंचे मोदी, बाइडन से द्विपक्षीय वार्ता

वाशिंगटन, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच शनिवार को द्विपक्षीय बातचीत हुई। मोदी की तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा के पहले दिन दोनों नेता बाइडन के गृह नगर विलमिंगटन (डेलावेयर) में मिले। बाइडन ने अपने घर पर पीएम मोदी की अगवानी की। दोनों नेता गले मिले और बाइडन हाथ पकड़कर मोदी को अपने घर ले गए। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय और बैश्विक मुद्दों पर चर्चा की।

पीएम मोदी विलमिंगटन में क्वाड शिखर सम्मेलन से इतर आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अलबनिजी और जापान के पीएम फुमियो किशिदा के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। क्वाड शिखर सम्मेलन में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने और यूक्रेन तथा गाजा में संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के तरीकों का पता लगाने के लिए नई पहल शुरू होने की उम्मीद है। क्वाड में अमेरिका के अलावा भारत, आस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। अपनी यात्रा के दौरान मोदी न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' को भी संबोधित करेंगे।

- फिलाडेल्फिया हवाई अड्डे पर अनिवासी भारतीयों ने किया स्वागत
- पीएम ने कहा, भारतीयों ने अमेरिका में अपनी अलग पहचान बनाई है

<< डेलावेयर में शनिवार को अपने घर पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पीएम नरेन्द्र मोदी की गर्मजोशी के साथ अगवानी की। बाइडन हाथ पकड़कर मोदी को अंदर ले गए। प्रेट्र

इससे पहले फिलाडेल्फिया हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में अनिवासी भारतीयों ने मोदी का स्वागत किया। पारंपरिक परिधान पहने लोगों ने पीएम के पहुंचने पर मोदी-मोदी के नारे लगाए। इस दौरान कई लोगों ने भारतीय तिरंगा थाम रखा था।

प्रधानमंत्री ने कुछ लोगों को आटोग्राफ दिए और कुछ अन्य से हाथ मिलाया। पीएम ने एक्स पर लिखा, भारतीय समुदाय ने अमेरिका में अपनी अलग पहचान बनाई है और विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डाला है। उनसे बातचीत करना हमेशा खुशी देता है। रविवार को मोदी भारतीय समय के अनुसार रात करीब 9.30 न्यूयार्क में भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे।

अमेरिकी कंपनियों के सीईओ के साथ भी बैठक करेंगे मोदी पेज>>11

हिमाचल के बाद अब मुंबई में मस्जिद को लेकर बवाल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

- मस्जिद के अवैध हिस्से को ढहाने पहुंची बीएमसी की टीम
- धारावी में सैकड़ों लोगों ने टीम को घेरा, वाहनों में की तोड़फोड़

मुंबई में शनिवार को धारावी झुग्गी बस्ती में मस्जिद (दाएं) के अवैध भाग को ढहाने पहुंची बीएमसी की टीम का विरोध किया गया। मिड-डे >>

हिमाचल प्रदेश के बाद अब मुंबई में मस्जिद को लेकर बवाल शुरू हो गया है। एक मस्जिद में हुए अवैध निर्माण को गिराने के लिए शनिवार सुबह पहुंची बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की टीम को सैकड़ों लोगों ने घेर लिया। लोगों ने बीएमसी के वाहनों में भी तोड़फोड़ की। इससे एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी में तनाव फैल गया। बाद में मस्जिद के ट्रस्टियों ने बीएमसी के अधिकारियों से बातचीत की और अतिक्रमण कर बनाए गए हिस्से को हटाने के लिए चार से पांच दिन का समय मांगा। अधिकारियों ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया और लौट गए। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए क्षेत्र में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

पुलिस ने बताया कि बीएमसी अधिकारियों की एक टीम सुबह करीब नौ बजे महबूब-ए-सुभानी मस्जिद के कथित अवैध हिस्से को ध्वस्त करने के लिए पहुंची थी। जल्द ही बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी एकत्र हो गए और नगर निगम अधिकारियों को उस गली में प्रवेश करने से रोक दिया, जहां मस्जिद स्थित है। बाद में सैकड़ों लोग धारावी पुलिस थाने के बाहर एकत्र हुए और नगर निगम के कदम के विरोध में सड़क पर बैठ गए।

एक बीएमसी अधिकारी ने कहा कि मस्जिद के अतिक्रमित हिस्से को हटाने के लिए नोटिस जारी किया गया है। इस नोटिस के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। धारावी पुलिस थाने के बाहर एकत्र हुए लोगों ने नोटिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया तथा अधिकारियों को अवैध निर्माण गिराने से रोक दिया। बाद में नगर निगम अधिकारियों और धारावी पुलिस के साथ संयुक्त बैठक में मस्जिद के ट्रस्टियों ने अवैध हिस्से को हटाने के लिए चार से पांच दिन का समय मांगा।

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कहा है कि मस्जिद में बनाया गया अवैध निर्माण अदालत के निर्देशानुसार चार-पांच दिनों में हटा लिया जाएगा।

सेहत से खिलवाड़

मिलावट से लोगों की सेहत पर पड़ रहा बुरा असर, घी में मिलावट का सबसे ज्यादा धंधा त्योहारों के दौरान, टमाटर-प्याज की तरह कभी नहीं सुना गया कि घी बाजार से गायब, जितनी मांग उतना उपलब्ध यानी मिलावट पक्की

शुद्ध घी के दावों में दम नहीं, समय-समय पर जांच जरूरी

अरविंद शर्मा ● जागरण

नई दिल्ली : तिरुपति बालाजी के प्रसाद (लड्डू) में चर्बी मिले घी का इस्तेमाल आस्था का मामला है, लेकिन डेरी कंपनियों के साथ गांव-गांव में फैले मिलावट के इस धंधे से करोड़ों लोगों की सेहत प्रभावित हो रही है। पशुपालन मंत्रालय के मुताबिक देश में दूध का कुल उत्पादन प्रतिदिन लगभग 2,400 लाख लीटर से अधिक है। इसमें घी के लिए 10 प्रतिशत दूध ही उपलब्ध होता है। एक किलो घी के लिए कम से कम 17-18 लीटर दूध की जरूरत होती है। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि इतनी मात्रा में घी आता कहां से है? घी में मिलावट का सबसे ज्यादा धंधा त्योहारों में ही होता है। इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई तरह के खाद्य पदार्थों की अक्सर कमी पड़ जाती है, जिससे उसके दाम बढ़ जाते हैं, किंतु टमाटर-प्याज की तरह कभी नहीं सुना गया कि घी बाजार से गायब है। जब जितनी जरूरत है, उतना घी उपलब्ध रहता है। स्पष्ट है, ऐसा मिलावट की वजह से होता है।

उपभोक्ता मंत्रालय की सचिव निधि खरे का कहना है कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) को देखना चाहिए कि शुद्ध घी बताकर जो बेचा जा रहा है, उसमें कितनी मिलावट है। राज्यों के पास अपनी फूड टेस्ट लैब हैं, उन्हें सक्रिय करके और समय-समय पर जांच करके असंगठित क्षेत्रों में भी मिलावटखोरी पर अंकुश लगाया जा सकता है। जांच में दोषी पाने पर सिर्फ जुर्माना लगाकर छोड़ना ठीक नहीं, क्योंकि कोई गारंटी नहीं कि वह दोबारा ऐसा जुर्म नहीं करेगा।

पटना के एक बड़े डेरी कारोबारी का कहना है कि शुद्ध घी के दावे पर एकदम से भरोसा नहीं किया जा सकता। घी में बनस्पति घी एवं पाम आयल मिलाना तो आम बात है। धंधेबाजों को आलू एवं शकरकंद के अतिरिक्त पशुओं की चर्बी व हड्डियों से निकले फैट की मिलाने से भी परहेज नहीं है। एनिमल फैट (इसमें सभी तरह के जानवरों की चर्बी व मछली का तेल) मिलाने का धंधा तेजी से पनपने लगा है। घी को गाढ़ा करने के लिए मैदा, आलू और शकरकंद के चूर्ण को मिलाया जाता है। सबसे ज्यादा मिलावट की शिकायत बनस्पति घी और पाम आयल की होती है। लखनऊ का उदाहरण ताजा है, जिसमें इसी हफ्ते खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने आलमबाग की एक फैक्ट्री से 10 विक्वंटल से ज्यादा नकली घी बरामद किया था। उसे वेजिटेबल आयल, पिघला हुआ बटर, हाइड्रोजेनेटेड तेल एवं आलू मिलाकर बनाया जा रहा था। फैक्ट्री से दर्जनभर ब्रांडेड कंपनियों के एक्सपायरी घी भी बरामद किए गए थे। नई पैकेजिंग कर अपनी कंपनी का लेबल लगाकर उसे बेचा जा रहा था।

आमजन भी कर सकता असली-नकली की पहचान

बिहार एनिमल साइंसेस यूनिवर्सिटी में डेरी विशेषज्ञ डा. संजीव के मुताबिक नकली घी की पहचान आम आदमी भी कर सकता है। थोड़े से घी में एक बूंद सल्फ्यूरिक एसिड डालने पर यदि घी का रंग गुलाबी हो जाए तो समझो वनस्पति घी की मिलावट होती है। लाल हो जाए तो वेजिटेबल आयल की मिलावट होती है। आयोडीन डालने पर घी का रंग नीला हो जाए तो इसका मतलब है कि घी में स्टार्च की मिलावट है।

घी के नाम पर सेहत से खिलवाड़। प्रतीकात्मक

घी की तरह कभी नहीं सुना गया कि घी भी बाजार से गायब है। जब जितनी जरूरत है, उतना घी उपलब्ध रहता है। स्पष्ट है, ऐसा मिलावट की वजह से होता है।

****

अब गुजरात में सूरत के पास ट्रेन को पलटाने की साजिश

जागरण संवाददाता, अहमदाबाद

- लाइनमैन की सतर्कता से टली अनहोनी, मरम्मत के बाद ट्रैक चालू

ट्रेन को पलटाने के प्रयास में सूरत शहर के निकट रेलवे ट्रैक की फिश प्लेट व चाबी खोलकर ट्रैक पर रख दी गई। एएनआइ

दो फिश प्लेटें खोलीं, 70 से अधिक बोल्ट और पैडलाक ढीले किए पेज>>7

भारत की आर्थिक खुशहाली से खुन्नस रखने वाले राष्ट्रविरोधी तत्वों की हरकतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। देश में दर्जनों स्थानों पर रेल पटरियों पर अवरोध डाल ट्रेनों को बेपटरी करने की घटनाओं की कड़ी में एक और घटना जुड़ गई है। इस बार गुजरात के सूरत शहर के करीब कौसंबा और किम स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक की फिश प्लेट व चाबी खोलकर ट्रेन पलटने की साजिश की गई लेकिन लाइनमैन की सतर्कता से अनहोनी टल गई। किम स्टेशन के डिप्टी स्टेशन सुपरिटेंडेंट को जानकारी मिली कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने अप ट्रैक से फिश प्लेट और कुछ चाबी खोलकर अप ट्रैक पर रख दी हैं। एक किलोमीटर लंबे ट्रैक के पैडलाक भी हटा दिए गए थे।

5 वर्षों में दिल्ली के अस्पतालों में पहुंचे फ्लोरोसिस के 1404 मरीज, उत्तर-पश्चिम, उत्तर, दक्षिण-पश्चिम और पश्चिमी जिले में दांतों के फ्लोरोसिस के मामले अधिक

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 22 सितंबर, 2024

आज का मौसम

आकाश में आंशिक बादल छाए रहेंगे। वर्षा होने की संभावना नहीं है। न्यूनतम तापमान 25 डिग्री पहुंच सकता है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
22 सितंबर	36.0	25.0
23 सितंबर	36.0	25.0
नोएडा		
22 सितंबर	35.0	27.0
23 सितंबर	36.0	27.0
गुरुग्राम		
22 सितंबर	35.0	26.0
23 सितंबर	35.0	27.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

अब 15 दिसंबर को दो पालियो में होगी सीटीईटी परीक्षा

नई दिल्ली: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) दिसंबर, 2024 के लिए परीक्षा कार्यक्रम में संशोधन किया है। ये परीक्षा अब एक दिसंबर के बजाय 15 दिसंबर को दो पालियों में सुबह साढे नौ से दोपहर 12 बजे और दोपहर ढाई से शाम पांच बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर 2024 है। (जासं)

आज 'जनता की अदालत' में दिल्लीवाले लगाएंगे मुहर

नई दिल्ली: दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल अब जनता की अदालत में जाएंगे। रविवार को जंतर-मंतर पर पहली 'जनता की अदालत' लगेगी, जहां पूरी दिल्ली से बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। इसकी जानकारी देते हुए आप के वरिष्ठ नेता एवं विधायक दिलीप पांडेय ने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि 'जनता की अदालत' में दिल्ली के लोग कहेंगे कि मेरा केजरीवाल ईमानदार है। भाजपा ने झूठे आरोप लगाकर अपनी एजेंसियों से अरविंद केजरीवाल को इसलिए गिरफ्तार कराया, क्योंकि वह दिल्लीवालों को मिल रही बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं की बस यात्रा समेत अन्य सुविधाएं रोकना चाहती है। (राबु)

नबी करीम में चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग

नई दिल्ली: मध्य जिले के नबी करीम थाना क्षेत्र के मुल्तानी ढांडा में चार मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। इस इमारत में नीचे फर्नीचर की दुकान थी, जबकि ऊपर फर्नीचर बनाने का कार्य किया जाता था। आग की सूचना मिलते ही नबी करीम थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और बगल वाली इमारत में सौ रहे 44 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद दमकल विभाग की दस गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब छह घंटे में आग पर काबू पाया। (जासं)

शपथ लेते ही आतिशी बोलीं, नहीं रुकेंगे दिल्ली वालों के काम

कहा- लोगों के साथ मिल दवाइयां, पानी बिल और सीवर समेत अन्य समस्याएं ठीक करेंगे

भारत में आतिशी मुख्यमंत्री पद संभालने वाली 17वीं महिला

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता आतिशी को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शनिवार को दिल्ली की आठवीं मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह राजनिवास में हुआ। शपथ लेने के बाद आतिशी अपने तेवर में दिखीं। सीएम आवास पर प्रेसवार्ता कर उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि अब दिल्ली वालों के काम नहीं रुकने देंगी। केजरीवाल अब बाहर हैं, तो दिल्लीवालों का न कोई काम रुकेगा और न भाजपा का कोई षड्यंत्र सफल होगा। हम केजरीवाल के मार्गदर्शन में दिल्लीवालों के साथ मिलकर अस्पतालों में दवाइयां, सड़कें, पानी के बिल और सीवर समेत अन्य समस्याएं ठीक करेंगे।

कांग्रेस की शीला दीक्षित और भाजपा की सुषमा स्वराज के बाद आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री हैं। 43 वर्षीय आतिशी दिल्ली में अभी तक की सबसे कम उम्र की महिला सीएम हैं। इससे पहले 46 साल की उम्र में सुषमा स्वराज ने दिल्ली में सीएम पद संभाला था। वहीं, पुरुष मुख्यमंत्रियों की बात करें तो दिल्ली में केजरीवाल सबसे उम्र (46 साल) में सीएम बने थे। स्वतंत्र भारत में आतिशी मुख्यमंत्री पद संभालने वाली 17वीं महिला हैं। हालांकि उनके मंत्रिमंडल में शपथ लेने वालों में चार मजबूत और अनुभवी साथी हैं। इनमें गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत के नाम शामिल हैं। सुल्तानपुर माजरा से पहली बार के विधायक अहलावत दिल्ली मंत्रिमंडल में नया चेहरा हैं। एलजी ने पूरी कैबिनेट को शुभकामनाएं दी हैं।

सीएम पद पर आतिशी की पारी संक्षिप्त होगी, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में अगले साल फरवरी में चुनाव होने की संभावना है। राजनिवास में शपथ ग्रहण समारोह में आतिशी के पूर्ववर्ती और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पार्टी के अन्य नेता एवं विधायक शामिल हुए। इस सप्ताह के प्रारंभ में आतिशी को पार्टी के विधायक दल का नेता चुना गया था। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल, विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा समेत आप, संसद, दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा भी समारोह में शामिल हुए।

शपथ ग्रहण से पहले केजरीवाल से आवास में मिले सभी नेता: शपथ ग्रहण से पहले नेताओं ने केजरीवाल से उनके सिविल लाइंस स्थित आवास पर मुलाकात की। आतिशी के नेतृत्व वाले नये मंत्रिमंडल के पास लंबित परियोजनाओं, योजनाओं और अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की जाने वाली नई योजनाओं को शुरू करने का दबाव रहेगा।

राजनिवास में उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री आतिशी साथ में मंत्री सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन, मुकेश अहलावत। सौजन्य-एक्स

केजरीवाल मुख्यमंत्री नहीं बने, तो भाजपा बंद कर देगी सभी सुविधाएं : आतिशी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली: मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद आतिशी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा पिछले दो साल से काम रोक रही है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का दिल्ली का मुख्यमंत्री न होना, हम सभी के लिए भावुक क्षण है। अब हम सभी दिल्लीवालों को मिलकर केजरीवाल को फरवरी में होने वाले चुनाव के बाद दोबारा दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाना है। हम केजरीवाल के मार्गदर्शन में अस्पतालों में दवाइयां, सड़कें, पानी के बिल व सीवर समेत अन्य समस्याएं ठीक करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्लीवाले दोबारा केजरीवाल को मुख्यमंत्री नहीं बनाते हैं तो भाजपा षड़यंत्रों से फ्री बिजली बंद कर देगी, सरकारी स्कूल बदहाल हो जाएंगे, मोहल्ला क्लीनिक बंद हो जाएंगे। दिल्ली के लोगों को फ्री बिजली, सरकारी स्कूल-अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं को फ्री बस यात्रा मिलती रहे।

सरकार का चेहरा बदला है, चरित्र नहीं : भाजपा

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: भाजपा नेताओं ने नई मुख्यमंत्री आतिशी को शुभकामना देने के साथ ही राजनीतिक हमले भी शुरू कर दिए हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, मंत्री के रूप में वह असफल रही हैं। आतिशी के मुख्यमंत्री बनने से सिर्फ चेहरा बदला है, सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा। नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भाजपा के प्रयास से अभी दिल्ली सिर्फ 'केजरीवाल मुक्त' हुई है। हमारा सपना दिल्ली को 'आप मुक्त' करने का है। फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार होगी। मानसून में जलभराव से परेशान रहे दिल्लीवासी सर्दी में जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर होंगे। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि उम्मीद है नई मुख्यमंत्री दिल्ली की चरमराई व्यवस्था पर ध्यान देंगी।

मंत्रियों से अधिक मुख्यमंत्री के पास रहेंगे विभाग

संतोष कुमार सिंह ● जागरण

नई दिल्ली: मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के कुछ देर बाद ही आतिशी ने अपने मंत्रियों के विभाग भी घोषित कर दिए। मंत्रियों से अधिक विभागों की जिम्मेदारी वह स्वयं निभाएंगी। अरविंद केजरीवाल सरकार में मंत्री रहते हुए भी उनके पास वित्त, शिक्षा, लोक निर्माण, जल, ऊर्जा सहित 13 विभाग थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी ये सभी विभाग उनके पास रहेंगे। दिल्ली की राजनीति में वह सबसे अधिक विभाग संभालने वाली मुख्यमंत्री रहेंगी।

अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए कोई विभाग नहीं रखा था। इस कारण आतिशी को लेकर भी कयास लग रहे थे। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि आतिशी बिना विभाग की मंत्री नहीं रहेंगी। प्रमुख विभाग अपने पास रखकर उन्होंने संदेश दिया है कि उनकी प्राथमिकता दिल्ली को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने और निश्शुल्क बिजली-पानी की सुविधा जारी रखने में किसी तरह का व्यवधान नहीं आने देंगी। मंत्री सौरभ भारद्वाज के दो विभाग बढ़ गए हैं। उन्हें सहकारिता और समाज कल्याण विभाग की भी जिम्मेदारी दी गई है। दोनों विभाग पहले राजकुमार आनंद के पास थे। सोमवना श्री मुकेश अहलावत को दोनों विभाग मिलेंगे। अन्य मंत्रियों के विभाग पहले की तरह हैं। आतिशी से पहले पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पास सात विभाग थे।

पहले की तरह वित्त, शिक्षा सहित 13 विभाग संभालेंगी आतिशी

मुख्यमंत्री आतिशी। एएनआइ

दिल्ली सरकार के मंत्री और उनके विभाग

मुख्यमंत्री आतिशी: लोक निर्माणा विभाग, ऊर्जा, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण व तकनीकी शिक्षा, जनसंपर्क विभाग, राजस्व, वित्त, सेवा, सतर्कता, जल और विधि, न्याय एवं विधायी मामले सहित वो सभी विभाग, जिसे किसी मंत्री को नहीं दिया गया।

सौरभ भारद्वाज: शहरी विकास, सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण, स्वास्थ्य, उद्योग, कला-संस्कृति व भाषा, पर्यटन, समाज कल्याण व सहकारिता विभाग।

गोपाल राय: विकास, सामान्य प्रशासन विभाग, पर्यावरण-वन व वन्य जीव।

कैलाश गहलोत: परिवहन, प्रशासनिक सुधार, सूचना व तकनीक, गृह, महिला व बाल विकास।

इमरान हुसैन: खाद्य-आपूर्ति, चुनाव।

मुकेश अहलावत: गुरुद्वारा चुनाव, अनुसूचित जाति व जनजाति, भूमि व भवन, श्रम, रोजगार।

बीएमडब्ल्यू कार ने आटो में मारी टक्कर, बुजुर्ग की मौत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- **चार घायल, नई दिल्ली स्टेशन से संगम विहार जा रहा था परिवार**
- **मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपित कार चालक को किया गिरफ्तार**

लुटियंस जोन स्थित तिलक मार्ग इलाके में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने ट्रैफिक लाइट जंप करते हुए एक आटो रिक्शा को टक्कर मार दी। ये टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आटो तीन बार पलटी मारते हुए सड़क के दूसरी तरफ जा गिरा, जिसमें सवार 63 वर्षीय वर्षीय सच्चिदानंद की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने हिट एंड रन का मामला दर्ज करते हुए आरोपित कार चालक को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, पिछले 12 सितंबर की सुबह करीब 5:30 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सिकंदरा-मथुरा रोड चौराहे के पास सड़क हादसे की काल मिली। पुलिस मौके पर पहुंची, तो पता चला कि पांच घायलों को एक कार चालक की मदद से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल पहुंची पुलिस टीम ने घायल का बयान लिया, तो पीड़ित नीरज कुमार ने बताया कि वह सपरिवार संगम विहार इलाके में रहता हैं। हादसे के वक्त वह अपने बुजुर्ग पिता सच्चिदानंद, पत्नी कुमारी सलमा और दो बेटों यश राज व हंस राज के साथ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से आटो लेकर घर के लिए जा रहे थे। जब आटो मथुरा रोड चौराहे

64 पोत और पनडुब्बियां फिलहाल भारतीय बंदरगाहों पर निर्माणाधीन हैं और 24 अतिरिक्त मंचों के निर्माण का आदेश दिया गया है। इनसे भारतीय नौसेना की क्षमता और बढ़ेगी।

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी की पांच राज्यों में बैठक 26 से

अधिनियम में प्रस्तावित बदलावों पर हितधारकों से होगा विचार विमर्श

समिति के अध्यक्ष ने सदस्यों से किया निराधार बयानबाजी से बचने का अनुरोध

नई दिल्ली, आइएएनएस : वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) 26 सितंबर से एक अक्टूबर के बीच पांच राज्यों में अनौपचारिक चर्चा करेगी, जिसमें वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित बदलावों पर विभिन्न हितधारकों से विचार विमर्श होगा। यह अधिनियम पूरे देश में पंजीकृत वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को नियंत्रित करता है।

पहली बैठक 26 सितंबर को मुंबई में होगी। इसमें महाराष्ट्र सरकार, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह प्रारंभिक बैठक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता, दक्षता और सशक्तीकरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके बाद के परामर्शों का मार्ग प्रशस्त करेगी। अगले दिन यानी 27 सितंबर को अहमदाबाद में गुजरात, 28 अक्टूबर को हैदराबाद में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़, 30 सितंबर को चेन्नई में तमिलनाडु और एक अक्टूबर को बेंगलुरु में कर्नाटक की बैठक होगी

पहली बैठक मुंबई में। प्रतीकात्मक

और इसमें सरकार, संबंधित राज्यों के वक्फ बोर्ड और अन्य हितधारक शामिल होंगे।

उधर, एआइएमआइएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी द्वारा इस विधेयक की आलोचना करने पर जेपीसी अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने समिति के सभी सदस्यों से विधेयक को अच्छी तरह से समझने और निराधार बयानबाजी करने के बजाय एक व्यापक रिपोर्ट पेश करने का अनुरोध किया।

उल्लेखनीय है कि वक्फ संशोधन विधेयक 2024 की समीक्षा के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को अब तक पूरे भारत से ईमेल के जरिये लगभग 84 लाख सुझाव प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा जेपीसी को लिखित सुझावों से भरे लगभग 70 बक्से भी मिले हैं। जेपीसी ने पहले बिल के संबंध में जनता और विभिन्न संगठनों से प्रतिक्रिया मांगी थी। अधिक इनपुट जुटाने के उद्देश्य से सुझाव देने की समय सीमा 16 सितंबर की मध्यरात्रि तक बढ़ा दी गई थी।

जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बताया कि समिति का उद्देश्य सभी संबंधित हितधारकों से बातचीत कर विधेयक पर उनके विचार एकत्र करना है। जेपीसी की ओर से ईमेल और लिखित सुझावों पर विचार करने के साथ ही कुछ विशेषज्ञों और हितधारकों की राय और सुझाव पर भी गौर किया जाएगा। समिति बिल पर विचार विमर्श करने के बाद संसद के शीतकालीन सत्र से पहले अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। जेपीसी की पूर्व की बैठकों में इसमें शामिल विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध किया था। उनका कहना था कि बिल के मौजूदा प्रारूप से स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता व समानता के कानूनों का उल्लंघन होगा।

पहली की बैठकों में जेपीसी के सदस्यों ने कई मुद्दों पर सवाल उठाए थे। हालांकि कई मुस्लिम संगठन वक्फ अधिनियम में संशोधन किए जाने के प्रस्ताव के ही खिलाफ हैं। उन्होंने इसका विरोध करने के लिए अभियान भी चला रखा है। ऐसे में समिति की आगामी बैठकें काफी महत्वपूर्ण हो सकती हैं।

सात हाई कोर्ट को मिले नए मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख समेत सात हाई कोर्ट में शनिवार को नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्तियां की गईं। सुप्रीम कोर्ट कलेजियम ने मंगलवार को 11 जुलाई की अपनी कुछ अनुशंशाओं में संशोधन किया, जिसके बाद ये नियुक्तियां की गईं। हिमाचल प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव को झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित किया गया है।

दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस मनमोहन को इसी हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है, जबकि दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजीव शकधर को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में प्रोन्नत किया गया है। इसी प्राकार दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस सुरेश कुमार कैत को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाई कोर्ट के जस्टिस ताशी रबस्तान को इसी हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है। बांबे हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस नितिन मधुकर जामदार को केरल हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। बांबे हाई कोर्ट के ही जस्टिस केआर श्रीराम को मद्रास हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है। कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस इंद्र प्रसन्ना मुखर्जी को मेघालय हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह अगले वायुसेना प्रमुख नियुक्त

- 30 सितंबर को वायुसेना प्रमुख के तौर पर संभालेंगे कार्यभार
- अमर प्रीत को है 5,000 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव

नई दिल्ली, प्रेट्र: एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह को वायुसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। उनके पास पांच हजार घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है। वह 30 सितंबर को एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी का स्थान लेंगे। अमर प्रीत अभी वायुसेना के उप प्रमुख के पद पर कार्यरत हैं।

रक्षा मंत्रालय ने बताया, 'सरकार ने वर्तमान में वायुसेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह को अगले वायुसेना प्रमुख के रूप में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 30 सितंबर को वीपहर बाद से प्रभावी होगी।' वायुसेना प्रमुख विवेक राम चौधरी 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 27 अक्टूबर, 1964 को जन्मे एयर मार्शल अमर प्रीत को दिसंबर, 1984 में वायुसेना में लड़ाकू विमान पायलट के तौर पर शामिल किया गया था। उन्होंने लगभग 40 वर्षों की अपनी लंबी और प्रतिष्ठित सेवा के दौरान विभिन्न कमान और स्टाफ में काम किया है।

वायुसेना प्रमुख के रूप में एयर मार्शल अमर प्रीत की प्राथमिकताओं में नए लड़ाकू विमानों की खरीद और चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चुनौतियों समेत बल का आधुनिकीकरण शामिल हो सकता है। वायुसेना के लड़ाकू स्ववाड्रनों की संख्या अधिकृत तौर पर 42 से घटकर करीब 30 रहें गई है। एयर मार्शल परम विशिष्ट सेवा पदक और अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित हो चुके हैं।

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह। फाइल/प्रेट्र

सहपाठियों के हाथ में तीनों सेनाओं की कमान : एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह की वायुसेना प्रमुख के तौर पर नियुक्ति के साथ ही एक अनोखा संयोग देखने को मिलेगा। तीनों सेनाओं थलसेना, नौसेना और वायुसेना का नेतृत्व सहपाठी करेंगे। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में सहपाठी रहे और वहां से 1983 में पास हुए। जबकि जनरल उपेंद्र और नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी मध्य प्रदेश के रीवा स्थित सैनिक स्कूल में सहपाठी रहे। एडमिरल त्रिपाठी ने 30 अप्रैल को नौसेना प्रमुख का पदभार संभाला तो जनरल द्विवेदी ने 31 जुलाई को सेना प्रमुख बने।

बीमा करवेज का विस्तार समय की जरूरत : पीके मिश्रा

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत सहित विश्व में आपदा के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने विभिन्न क्षेत्रों में बीमा का कवरेज बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की कार्यशाला में पीके मिश्रा ने कहा कि जिन लोगों को बीमा की जरूरत है, उनके लिए बीमा न सिर्फ उपलब्ध हो बल्कि यह उनकी पहुंच में हो। यह बड़ी चुनौती है। उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि सरकार बीमा की कवरेज बढ़ाने के लिए किस तरह की भूमिका निभा सकती है। उन्होंने मजबूत एक्चुरियल विशेषज्ञता और स्पष्ट कानूनी फ्रेमवर्क की जरूरत पर भी जोर दिया। मिश्रा ने कहा कि हमें आबादी के उस हिस्से तक पहुंचने के लिए तरीके तलाशने होंगे, जो बीमा कवर खरीदने में मुश्किल का सामना करता है। उन्होंने सरकार के दो बीमा कार्यक्रमों, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और आयुष्मान भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक समानता, वित्तीय समावेशन और परिवार के स्तर पर जोखिम प्रबंधन के सरकार के एजेंडे को आगे बढ़ाने में ये दो पहलें अहम हैं। यह दिखाता है कि बीमा और विकास के लक्ष्य आपस में किस हद तक जड़े हुए हैं। पीके मिश्रा ने कहा कि दुनिया में आपदा जोखिम के लिए अलग-अलग तरह के बीमा उत्पादों का विकास हो रहा है और समय के साथ इसमें और तेजी आने की संभावना है।

अबूझमाड़ में युद्धाभ्यास रेंज बनाने में 52 गांवों का होगा विस्थापन

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, रायपुर : बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्र अबूझमाड़ में सेना के युद्धाभ्यास रेंज बनाने की तैयारी तेज है। 54 हजार से अधिक हेक्टेयर भूमि में युद्धाभ्यास रेंज के लिए 52 गांवों का विस्थापन होगा। इन गांवों की जनसंख्या लगभग 9,601 है। नारायणपुर जिला प्रशासन के एक आंतरिक सर्वे रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

नारायणपुर की कोहकामेटा तहसील में 13 ग्राम पंचायतों के भीतर 52 गांवों में जहां पर यह कैंप प्रस्तावित है, वह अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र बताया जा रहा है। यह प्रस्ताव पूर्ववर्ती डा. रमन सिंह की सरकार में 2009 में ही बन गया था। बाद में 2017 में यहां जमीन के सर्वे से संबंधित पत्र कलेक्टर को भेजा गया था। अभी केंद्रीय गृह मंत्री का प्रदेश में लगातार दौरा हो रहा है। वह प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए रणनीति बना रहे हैं। इस बीच सेना के प्रशिक्षण सेंटर के लिए एक बार फिर पत्राचार होने से इसकी संभावनाओं को बल मिला है।

'हिंसा छोड़ वार्ता के लिए आगे आए मणिपुर का कुकी व मैतेई समुदाय'

- रिजिजू बोले, मोदी सरकार में विकास का गवाह बन रहा है पूर्वोत्तर

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने हिंसा से प्रभावित मणिपुर के कुकी और मैतेई समुदाय के लोगों से शनिवार को हिंसा त्यागने और राज्य में स्थायी शांति के लिए समझौते की मेज पर आने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वार्ता से किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकता है।

एनजीओ 'माई होम इंडिया' की ओर से आयोजित उत्तर पूर्व छात्र उत्सव को संबोधित करते हुए संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के तहत पूर्वोत्तर अप्रत्याशित विकास का गवाह बन रहा है। यह क्षेत्र के लोगों के लिए स्वर्णिम अवसर है। बहुसंख्यक मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) की हैसियत प्रदान किए जाने की मांग के विरोध में जनजाति एकता मार्च के बाद पिछले वर्ष तीन मई से मणिपुर में हिंसा भड़क उठी। लगातार हिंसा में कुकी और मैतेई समुदाय के साथ सुरक्षाकर्मियों समेत 220 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

चुड़चंदपुर में राकेट और गोलाबारूद बरामद हुए

इन गांवों में शनिवार को बताया कि राज्य के चुड़चंदपुर जिले में तलाशी के दौरान इंप्रोवाइज्ड राकेट हेड, गोलाबारूद और शेल बरामद हुए हैं। विरोधी समुदाय के गांवों को निशाना बनाने के लिए उग्रवादी ड्रोन और इंप्रोवाइज्ड राकेट का प्रयोग करते हैं।

बंद से जनजीवन प्रभावित : उग्रवादी संगठन नेशनल रिवोल्यूशनरी फ्रंट आफ मणिपुर के शुक्रवार आधी रात के बाद 18 घंटे के बंद से मणिपुर में इंफाल घाटी जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ। 21 सितंबर, 1949 को मणिपुर रियासत के तत्कालीन शासक महाराजा बोधचंद्र और मणि दरबार ने विलय संधि पर हस्ताक्षर किए थे। उग्रवादी संगठन ने उसी समझौते के विरोध में बंद का आह्वान किया है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ाई जाएगी नौसेना की युद्धक क्षमता

- नौसेना के शीर्ष कमांडरों की चार दिवसीय बैठक में लिया गया फैसला
- किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहें : राजनाथ

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय नौसेना के शीर्ष कमांडरों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी युद्धक क्षमता में पर्याप्त बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। भारतीय नौसेना ने यह निर्णय हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दखल और इस क्षेत्र में ठिख रहे भू-रणनीतिक शक्ति प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में लिया।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को यहां संपन्न चार दिवसीय नौसेना कमांडरों के सम्मेलन में व्यापक विचार-विमर्श के बाद समुद्री क्षेत्र में देश की युद्धक क्षमता को बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

कमांडरों को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने तटरक्षक बल और अन्य समुद्री एजेंसियों के साथ घनिष्ठ तालमेल और कार्यात्मक संबंधों के माध्यम से समुद्री सुरक्षा और तट की रक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में सतर्कता बनाए रखने की जरूरत को रेखांकित किया।

नौसेना के अनुसार, एडमिरल ने नौसेना मुख्यालय में कमांड और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वह एक संतुलित बहुआयामी और निर्बाध नेटवर्क आधारित सेना के रूप में विकसित करना जारी रखें जो राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा करने और इसे बढ़ावा देने समेत जवाब देने के लिए तैयार रहें। नौसेना प्रमुख ने समकालीन भू-रणनीतिक परिदृश्य के साथ-साथ समुद्री क्षेत्र में उभरती रणनीति पर प्रकाश डाला।

नौसेना के बयान में कहा गया कि बल के लिए अल्प, मध्यम और लंबी अवधि के लिहाज से प्रमुख क्षेत्रों को गिनाते हुए उन्होंने दोहराया कि सभी नौसैनिक मंचों, उपकरणों, हथियारों एंवं सेंसर को युद्ध के लिए तैयार सुनिश्चित करने की आवश्यकता है जिनका एकमात्र ध्येय 'लक्ष्य तक आयुध' पहुंचाना है।

कमांडरों ने आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के प्रति भी अटूट प्रतिबद्धता जताई। भारतीय बंदरगाहों में फिलहाल 64 पोत और पनडुब्बियों निर्माणाधीन हैं और 24 अतिरिक्त मंचों के निर्माण का आदेश दिया गया है।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तेजी से बदल रहे वैश्विक परिदृश्य के मद्देनजर कमांडरों से अपील की कि वह किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहें। उन्होंने भारत की समग्र नौसैनिक शक्ति बढ़ाने की जरूरत को भी रेखांकित किया। कमांडरों ने लाल सागर और आसपास के क्षेत्रों से जुड़ी समग्र स्थिति पर चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दखलंदाजी से भारत समेत पूरी दुनिया सशंकित है। ऐसे में भारत के लिए अपनी स्थिति को मजबूत करना जरूरी है।

नई दिल्ली में नौसेना भवन में 17-20 सितंबर तक चले द्विवार्षिक नौसेना कमांडरों की बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। प्रेट्र

हिमाचल में पहली अक्टूबर से नहीं मिलेगा निश्शुल्क पानी

- ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिमाह आएगा 100 रुपये का बिल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● शिमला

हिमाचल में पहली अक्टूबर से पानी निश्शुल्क नहीं मिलेगा। राज्य सरकार ने पानी की नई दरें तय कर दी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिमाह प्रति कनेक्शन 100 रुपये बिल आएगा। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में पानी पर कोई शुल्क नहीं लिया जाता था। शहरी क्षेत्र में 20 हजार लीटर खपत पर 19 रुपये 30 पैसे, 20 से 30 हजार लीटर पर 33 रुपये 28 पैसे व 30 हजार लीटर से अधिक उपयोग पर 59 रुपये 90 पैसे प्रति हजार लीटर की दर से बिल आएगा। मैंटेनेंस चार्ज और कनेक्शन कटने पर भी प्रतिमाह 110 रुपये चुकाता करते होंगे। सरकार ने सरकारी संस्थाओं, धार्मिक संस्थाओं, निजी स्कूलों, होम स्टे, निजी कार्यालयों, रेस्टोरेंट और सामान्य होटलों के लिए भी पानी की नई दरें तय की हैं।

सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में नया कनेक्शन लेने के लिए भी नई दरें तय की हैं। इसके तहत घरेलू व सरकारी संस्थाओं के लिए 200 प्रति कनेक्शन

प्रतीकात्मक

लगेगा। व्यावसायिक के लिए 500 रुपये लगेंगे। नान कमर्शियल व नान डोमेस्टिक के लिए 2500 रुपये प्रति कनेक्शन चार्ज देना होगा। नए रेट से कुछ श्रेणियों को बाहर रखा गया है। इनमें विधवा महिलाएं, अनाथ बच्चे, बेसहारा महिलाएं व दिव्यांग जनों को पानी का बिल नहीं आएगा। इन्हें पूर्व की भांति निश्शुल्क पानी मिलता रहेगा। जिन लोगों की वार्षिक आय 50,000 रुपये है उन्हें पानी के मासिक बिल पर 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

नक्सली हिंसा पीड़ितों से सहानुभूति

नई दिल्ली में शनिवार को छत्तीसगढ़ के नक्सल हिंसा पीड़ितों से मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनसे सहानुभूति जताई और एक बच्ची को चाकलेट भेंट की। ये नक्सली हिंसा पीड़ित लोग राजधानी में अपनी व्यथा सुनने के लिए दिल्ली आए हुए हैं और उन्होंने इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। शाह ने 31 मार्च 2026 तक नक्सली हिंसा समाप्त करने की प्रतिबद्धता जताई है। एएनआइ

उत्तराखंड में पैरोल पर छूटे कैदियों पर रखी जाएगी आनलाइन नजर

- जेल से बाहर आने वाले कैदियों को पहनना होगा ट्रेकिंग डिवाइस
- डिवाइस निकालने पर 'अवकाश' के अयोग्य घोषित होंगे कैदी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● देहरादून

उत्तराखंड में अब पैरोल पर जेल से छूटने वाले कैदियों पर नजर रखने के लिए उन्हें ट्रेकिंग डिवाइस लगाई जाएगी। ताकि जेल के बाहर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। इसके लिए जेल विभाग जीपीएस युक्त इन डिवाइस को खरीदने की तैयारी कर रहा है।

प्रदेश सरकार ने हाल ही में नया कारागार एवं सुधार सेवाएं एक्ट बनाया है। इस एक्ट में कैदियों पर नजर रखने की विशेष व्यवस्था की गई है। दरअसल, कोरोना के समय जेलों में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए गृह विभाग ने बड़ी संख्या में कैदियों को पैरोल पर छोड़ा था। जब कोरोना का प्रभाव कम हुआ तब इनका पैरोल समाप्त कर दिया गया। उस समय यह देखने में आया कि पैरोल की अवधि समाप्त होने के बाद भी कई कैदी वापस जेल में नहीं पहुंचे और न ही इनके ठिकानों के बारे में जेल प्रशासन अथवा पुलिस के पास जानकारी थी। काफी मशक्कत के बाद इन्हें वापस लाया गया। ऐसे में इन कैदियों के पैरोल के दौरान बाहर रहने पर नजर रखने के लिए पुख्ता व्यवस्था बनाने की जरूरत महसूस हो रही थी।

कानून में यह व्यवस्था की गई है कि पैरोल अथवा कारागार अवकाश के दौरान कैदी हर समय जेल प्रशासन की नजर में रहेगा। कैदियों की आवाजाही और गतिविधियों पर निगरानी के लिए इलेक्ट्रानिक ट्रेकिंग डिवाइस पहनने की शर्त पर ही कारागार से तय समय के लिए छोड़ा जाएगा। कैदी द्वारा इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का उल्लंघन करने पर उन्हें भविष्य में किसी भी तरह के कारागार अवकाश के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। जेल विभाग इनके हाथों व पांवों पर लगाने के लिए जीपीएस युक्त डिवाइस खरीदने की तैयारी कर रहा है।

चीतों के 70% से अधिक शावक बचाकर भारत ने दुनिया को चौंकाया

उपलब्धि

देश में जन्मे 17 शावकों में से 12 सुरक्षित, इनमें कई वयस्क भी होने वाले, वैश्विक स्तर पर इनकी मृत्यु दर है अधिक, सौ में से सिर्फ दस ही बचते हैं जीवित

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- देश के वन्यजीव विशेषज्ञों ने अपने अनुभवों से कर दिखाया कमाल, करीब पचास शोधार्थी लगे
- आने वाले दिनों में एशियाई शेरों और बाघ की तरह चीतों के संरक्षण में भी भारत महारत हासिल कर लेगा

भारतीय जमीन पर नए सिरे से चीतों की मौजूदगी को भले ही अभी सिर्फ दो साल ही हुए हैं लेकिन इन दो सालों में ही देश ने चीतों के संरक्षण में ऐसी बड़ी सफलता हासिल कर ली है, जिससे न सिर्फ भारत को चीता देने वाले नामीबिया व दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अचंभित हैं, बल्कि वन्यजीवों पर काम करने वाले दुनियाभर के वन्य विशेषज्ञ भी भौंचक्के हैं। यह सफलता देश में जन्मे 70 प्रतिशत से अधिक चीतों के शावकों को बचाने की है। यह स्थिति तब है, जब पूरी दुनिया में चीतों के शावकों की मृत्युदर काफी अधिक है। यानी जन्म लेने वाले सौ शावकों में से सिर्फ दस ही जीवित बचते हैं। वहीं इन दो सालों में देश में कुल 17 शावकों ने जन्म लिया है, इनमें से 12 सुरक्षित हैं। इनमें से कई वयस्क होने के करीब हैं।

यह बात अलग है कि चीता प्रोजेक्ट को शुरुआत में कई बड़े झटके लगे हैं। जिसमें एक-एक करके कई चीतों और उनके शावकों की अलग-अलग वजहों से मौत हो गई। इसके पीछे बड़ी वजह चीतों के रखरखाव को लेकर देश के पास अनुभव और शोध दोनों की कमी थी। हालांकि इसके बाद भारतीय वन्यजीव संस्थान व वन्यजीव विशेषज्ञों ने इसे चुनौती के रूप में लिया। चीता प्रोजेक्ट के दो साल पूरे होने पर राष्ट्रीय बाघ सरंक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में चीतों से जुड़े शोध पर करीब पचास शोधार्थियों व वन्यजीव विशेषज्ञ लगाए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जिस तरह से चीतों के संरक्षण को लेकर देश में रुचि दिखाई गई है, उससे साफ है कि आने वाले दिनों में एशियाई शेरों और बाघ की तरह चीतों के संरक्षण में भी भारत महारत हासिल कर लेगा।

मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में जन्मे शावक। फाइल

रिपोर्ट के मुताबिक प्रोजेक्ट के दो साल के अनुभव के आधार पर अब चीतों के रखने वाले दूसरे ठिकानों को तैयार किया जा रहा है। चीतों के दूसरे ठिकाने के रूप में तैयार हो रहे मध्य प्रदेश के गांधी सागर अभयारण्य में उन सभी बातों को ध्यान रखा जा रहा है, जो कूनो में नहीं रखा गया था। जिसमें चीतों के लिए बड़े-बड़े बाड़े तैयार किए जा रहे हैं। जो उन्हें एक सुरक्षित वातावरण मुहैया कराएंगे। फिलहाल यह बाड़ा 64 वर्ग किमी का है। गौरतलब है कि देश में चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ चीतों को लाकर की गई थी। बाद में 12 चीतों की एक खेप फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से भी लाई गई थी।

उल्लेखनीय है कि चीता प्रोजेक्ट के तहत भारत का लक्ष्य अगले 25 वर्षों के भीतर मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के संयुक्त प्रयास से कूनो और गांधी सागर वन जीव अभयारण्य में एक अंतरराज्यीय चीता संरक्षण परिसर बनाने का है। इसी कड़ी में इस वर्ष के अंत तक चीतों को मध्य प्रदेश के गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में बसाने की भी योजना पर काम किया जा रहा है। यहां चीतों को खुले जंगल में छोड़ा जाएगा।

****

कह कर रहेंगे माधव जोशी

2 दिन शिमला में रुक सकते हैं लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी। यहां पर वह बहन प्रियंका वाड्रा के छराबड़ा स्थित घर पर ठहरेंगे। सोनिया गांधी भी 17 सितंबर से यहीं पर हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण दैनिक जागरण रविवार 22 सितंबर, 2024

राहुल ने आरक्षण समाप्त करने की बात नहीं कही, हम उन्हें इजाजत भी नहीं देंगे : खरगे

संवाद ▶ राहुल गांधी को मिल रही धमकियों के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, जागरण • जम्मू

- कांग्रेस अध्यक्ष ने भड़काऊ भाषणों पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर उठाए सवाल
- खीड़ की चुनावी रैली को जम्मू से ही मोबाइल पर संबोधित किया

जम्मू में शनिवार को एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे। प्रेट्र

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कहा कि आरक्षण पर भाजपा लोगों को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि जब तक देश में समाज के विभिन्न वर्गों में छुआछूत और सामाजिक न्याय का अभाव रहेगा तब तक आरक्षण जारी रहेगा। कोई भी आरक्षण खत्म नहीं कर सकता। राहुल गांधी ने आरक्षण समाप्त करने पर कभी नहीं कहा। वह ऐसा कहेंगे भी नहीं। हम उन्हें ऐसा कुछ भी कहने की इजाजत भी नहीं देंगे। कांग्रेस आरक्षण का पूरा समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आरएसएस-भाजपा की 'जहरीली मानसिकता' से नहीं डरेगी। उनकी पार्टी राहुल गांधी को मिल रही धमकियों के विरुद्ध आंदोलन शुरू करेगी। राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले भाजपा नेताओं पर कार्रवाई करने में प्रधानमंत्री की चुप्पी पर भी कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाए।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की शनिवार को जम्मू जिले के खीड़ में चुनावी रैली थी, लेकिन हेलीकाप्टर में तकनीकी खराबी के कारण वह नहीं जा पाए। इसके बाद उन्होंने जम्मू से ही मोबाइल फोन के माध्यम से रैली को संबोधित किया। विधानसभा चुनाव पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करने जम्मू में पहुंचे खरगे ने प्रेसवार्ता में कहा कि महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए अपनी जान दे दी और वे (आरएसएस-भाजपा) हमारे नेताओं की जीभ काटने की बात कर रहे हैं, राहुल को आतंकवादी और राष्ट्र-विरोधी करार दे रहे हैं। सच बोलने पर उनके खिलाफ नफरत का माहौल बनाया जा रहा है जैसा कि उनकी दादी इंदिरा गांधी के खिलाफ किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री कार्रवाई न करके ऐसे भड़काऊ बयान देने वालों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, किंतु हम डरेंगे नहीं। जो हमें डराने की कोशिश कर रहे हैं वे आजादी की लड़ाई के समय घर में बैठे थे। **श्रद्धा के साथ न हो खिलवाड़:** तिरुपति बाला जी मंदिर के प्रसाद पर उठे विवाद पर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कार्रवाई होनी चाहिए। धोखाधड़ी अच्छी बात नहीं है। किसी की भी श्रद्धा के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए।

खरगे बोले, मोहब्बत हमारे साथ... और शादी पाकिस्तान से

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कांग्रेस व नेकां के एजेंडे को पाकिस्तान का एजेंडा बताने के बाद जम्मू-कश्मीर की राजनीति में शुरू हुआ आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तीखा होता जा रहा है। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू से प्रधानमंत्री पर पाकिस्तान को लेकर तंज कसा तो भाजपा ने भी पलटवार करने में देर नहीं लगाई। जम्मू-कश्मीर के चुनाव प्रभारी जी किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि यह कांग्रेस सरकार थी जो मुंबई में निर्दोष लोगों की हत्या में शामिल आतंकी अजमल कसाब को बिरयानी खिलाती रही। खरगे ने शनिवार को जम्मू में पत्रकार वार्ता में एक सवाल के जवाब में कहा था कि मोदी जी और अमित शाह कांग्रेस पर पाकिस्तानी एजेंडा चलाने का गलत आरोप लगाया रहे हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि हम बिरयानी खाने नहीं गए थे। हमने उसे (पाकिस्तान को) गले नहीं लगाया। उन्होंने उसे गले लगाया और अब वह हम पर आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वे देशभक्ति की बात करते हैं, लेकिन यहां उपयुक्त कहावत है- मोहब्बत हमारे साथ और शादी पाकिस्तान से। इस पर भाजपा के चुनाव प्रभारी रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने सहयोगी नेकां के साथ मिलकर जिन्ना के संविधान को यहां लाना चाहती है। आइएनडीआइए गठबंधन के कई सहयोगियों को पाकिस्तानी उच्चायुक्त अब भेजता है। पाकिस्तान और कांग्रेस इन मुद्दों पर एकमत हैं। उल्लेखनीय है कि पाक रक्षामंत्री ने साक्षात्कार में कहा था कि 370 पर पाकिस्तान और नेकां और कांग्रेस एकमत है।

पुंछ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत पगड़ी पहनाकर किया गया। एएनआइ

यह भी बोले शाह

भाजपा को वोट देना पाकिस्तान को करारा जवाब होगा

- अखनूर में रैली में शाह ने कांग्रेस, नेकां और पीडीपी पर अनुच्छेद 370 की बहाली की बात करके पाकिस्तान के एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। पाकिस्तान और नेकां-कांग्रेस गठबंधन का एजेंडा एक ही है। उन्होंने कहा, अगर नेकां-कांग्रेस गठबंधन जम्मू-कश्मीर में सत्ता में लौटते हैं, तो आतंकवाद वापस आ जाएगा। भाजपा को वोट पाकिस्तान को करारा जवाब होगा।
- यह नरेंद्र मोदी सरकार हैं, हम आतंक को फहाड़ में से गाड़ कर रख देंगे। इनको पनपने नहीं देंगे, आतंकवाद से किसी का भला नहीं हुआ। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'मोहब्बत की दुकान' सेनिकल रहा है आतंक का फरमान...।
- राहुल गांधी कहते हैं कि पाकिस्तान से बातें करो। मैं कहता हूं कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद बंद नहीं करेगा, तब तक कोई बातें नहीं। बातें होंगी तो फहाड़ी बच्चों के साथ होंगी।
- महबूबा मुफ्ती कहती थी कि 370 हटी तो कोई तिरंगा उठाने वाला नहीं रहेगा। महबूबा जी 370 हट गई, कुनाह हो रहा है और लाल चौक पर शान से तिरंगा लहरा रहा है।

चार जिले तय करेंगे कांग्रेस का भविष्य

रोहित जंडियाल • जागरण

24 विस सीटें हैं चारों जिलों में, यहां तीसरे चरण में चुनाव होना है

2014 के चुनाव में पार्टी का खाता भी नहीं खुला यहां

जम्मू जिले में स्थिति

जम्मू जिले में 11 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से आरएसपुरा-जम्मू साउथ, बाहु, मढ़, सुचेतगढ़, छंब, जम्मू पूर्व और विश्नाह सीट पर कांग्रेस और भाजपा में सीधी टक्कर नजर आ रही है। जम्मू उत्तरी सीट कांग्रेस ने अपने गठबंधन सहयोगी नेकां के लिए छोड़ी हुई है। छंब सीट से टिकट न मिलने से खफा पूर्व सांसद मदन लाल शर्मा के बेटे सतीश शर्मा अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार पूर्व उपमुख्यमंत्री तारा चंद के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे हुए हैं।

सांबा जिले में दो पर लड़ रही कांग्रेस

सांबा जिले की तीन सीटों में से कांग्रेस दो सीटों रामगढ़ और सांबा में चुनाव लड़ रही है। विजयपुर सीट नेकां को दी गई है। रामगढ़ से कांग्रेस के उम्मीदवार पूर्व मंत्री यशपाल कुछल भाजपा को टक्कर दे रहे हैं।

ऊधमपुर जिले में भी दो पर कांग्रेस

ऊधमपुर जिले में चार सीटों में से दो पर कांग्रेस चुनाव लड़ रही है। चिनैनी-चेरड़ी सीट को गठबंधन के तहत पैंथर्स पार्टी तो ऊधमपुर पूर्व नेकां के पास है। रामनगर से कांग्रेस ने भाजपा के बागी मूलराज को उतारा है।

गठबंधन के कारण कुछ सीटें सहयोगी दलों के लिए छोड़नी पड़ती है लेकिन यह सब भाजपा और आरएसएस को एकजुट करने के लिए किया गया है।
-मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

जम्मू-कश्मीर: जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 25 सितंबर को है। इस चरण में 26 सीटों पर मतदान होना है, जिसमें जम्मू संभाग की 11 सीटें हैं। पहले चरण में मतदाताओं के उत्साह को देखते हुए सभी राजनीतिक दलों ने इस चरण में भी अधिकतम सीटें जीतने में पूरी ताकत लगा दी है, लेकिन जम्मू संभाग में कांग्रेस का भविष्य तीसरे चरण में होने वाले मतदान पर टिका है। तीसरे चरण में जम्मू, ऊधमपुर, कठुआ और सांबा जिले की 24 सीटों पर चुनाव होना है। जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 12 सीटें मिली थी, लेकिन जम्मू संभाग के चार प्रमुख हिंदू बहुल जिलों जम्मू, सांबा, कठुआ और ऊधमपुर में उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। उधर, कश्मीर केंद्रित कही जाने वाली नेशनल कान्फ्रेंस ने जम्मू जिले में दो सीटें जीती थी। कांग्रेस के कई दिग्गज चुनाव हार गए थे। इस बार कांग्रेस-नेकां गठबंधन के कारण कुछ सीटों पर कांग्रेस को उम्मीद बंधी है।

कठुआ में कुमीदी: कठुआ जिले में छह विधानसभा सीटें हैं। इसमें से कठुआ सीट नेकां को दी है। बाकी पांच सीटें कांग्रेस को दी हैं। इनमें बिलावर से पूर्व मंत्री मनोहर लाल और बसोहली से पूर्व मंत्री चौधरी लाल सिंह चुनाव में खड़े हैं।

इस लोकसभा चुनाव में वोट प्रतिशत बढ़ने से बढ़ी उम्मीद: कांग्रेस को उम्मीद है कि इस बार उसे कई सीटों पर जीत मिल सकती है। इसका आधार वह हाल ही के लोकसभा चुनाव के परिणामों को मानते हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की जम्मू से 37.54 प्रतिशत वोट मिले थे। इस बार 42.76 प्रतिशत वोट मिले हैं। उस चुनाव में 11 सीटों में दो आरएसपुरा-जम्मू साउथ व सुचेतगढ़ में कांग्रेस ने भाजपा से अधिक वोट लिए थे।

चुनावी चश्मा...

वोट के लिए शाट...

दादरी से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व जेल अधीक्षक सुनील संगवान शनिवार को चुनाव प्रचार के दौरान हलके के गांव मिसरी में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भी क्रिकेट पिच पर बैट थामा और अच्छा शाट लगाया ● सौ. फेसबुक

'कांग्रेस को जिताएं, फिर चौधर की लड़ाई हम लड़ेंगे'

जासं•रेवाड़ी: बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बेटे पूर्व केबिनेट मंत्री तेजप्रताप ने अपने बहनोई एवं रेवाड़ी से कांग्रेस के प्रत्याशी चिरंजीव राव के समर्थन में गांव खरखड़ा और धारूहेड़ा में जनसभा करके वोट देने की अपील की। तेजप्रताप ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे परिवार के पीछे सीबीआइ व ईडी लगाई, लेकिन हमने सच्चाई का साथ नहीं छोड़ा। लालू प्रसाद यादव ने कभी झुकना नहीं सीखा। आप लोगों को भी चिरंजीव राव का साथ देना है। हरियाणा का चुनाव एक धर्म युद्ध की तरह है। कांग्रेस पार्टी को विजय दिलाकर इस युद्ध में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जीतने पर फिर चौधर की लड़ाई हम लड़ेंगे।

हरियाणा के चुनाव में पर्ची-खर्ची पर दंगल

राज्य ब्यूरो • जागरण

- कांग्रेस प्रत्याशियों के वायरल वीडियो को भाजपा ने बनाया चुनावी हथियार
- भाजपा और कांग्रेस कर रहे दो लाख पर्चों को भरने का दावा

चंडीगढ़: हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार जोरों पर है तो रोजाना नए-नए मुद्दे भी सामने आ रहे हैं। इस चुनाव में प्रचार का अंतिम चरण शुरू होने जा रहा है अभी तक का सबसे बड़ा मुद्दा पर्ची व खर्ची बना है, जिसे लेकर कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी दोनों दलों के नेता आमने-सामने हैं। दोनों दलों द्वारा इंटरनेट मीडिया पर जहां नौकरियों के मामले में प्रचार किया जा रहा है, वहीं कांग्रेस प्रत्याशियों के वायरल हो रहे वीडियो को भी भाजपा चुनाव में हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है।

नौकरियों के मुद्दे पर कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा आमने-सामने हो चुके हैं। हरियाणा की पूर्व हुड्डा सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान करीब 85 हजार सरकारी नौकरियां दी थी। वर्तमान भाजपा सरकार ने अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान एक लाख 47 हजार सरकारी नौकरियां दी है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बिना पर्ची-बिना खर्ची नौकरी देने को लेकर प्रदेश में नारा भी जारी किया था। बिना पर्ची और बिन खर्ची के इस नारे को भाजपा ने लोकसभा चुनाव के दौरान भी कैश किया था। वर्तमान में हरियाणा में सरकारी विभागों में करीब दो लाख पद खाली हैं। कांग्रेस तथा भाजपा अपने चुनाव घोषणा पत्रों में इन पदों को भरने का वादा प्रदेश की जनता से कर चुके हैं। कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा तथा शमशेर गोगी के नौकरियों संबंधी वीडियो वायरल होने का मामला अभी थमा भी नहीं था कि कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व विधानसभा स्पीकर कुलदीप शर्मा का एक वीडियो शनिवार को वायरल हो गया, जिसे बीजेपी ने मुद्दा बना लिया। नौकरियों के मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं के वीडियो वायरल होने के बाद बीजेपी इसे लगातार भुना रही है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शनिवार को अपने एक्स पर कांग्रेस नेताओं का ताजा वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि कांग्रेस का ध्येय वाक्य...लूटा था, लूटेंगे, नौकरी खर्ची-पर्ची से बांटी थी, बांटेंगे। ये हैं गन्नौर से कांग्रेस के प्रत्याशी कुलदीप शर्मा। नायब सैनी ने लिखा कि मुझे लगता है जिस प्रकार टिकटार्थियों से आवेदन के साथ कांग्रेस ने 20 हजार रुपए लिए थे, उसी तरह टिकट देने के बाद खर्ची-पर्ची का ठेका भी दे दिया है।

कुलदीप शर्मा की नई वीडियो पर सीएम सैनी ने कसे व्यंग्य

इस वीडियो में कुलदीप शर्मा बोल रहे हैं कि अपने रिश्तेदारों को नौकरी पर लगवाया है। कुलदीप शर्मा ने ग्रामीणों से कहा कि उनके गांव का जो हिस्सा बनता है कि उससे 20 प्रतिशत अधिक मिलेगा।

हिसार जिले की बरवाला विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी राम निवास घोड़ेला को जब स्थानीय लोगों ने मंच पर ही भाषण देने से रोका तो उन्होंने कहा कि तुम्हें वोट दिया, मगर तुमने पर्ची पर साइन नहीं किए।

हरियाणा : देवीलाल के कुनबे में त्रिकोणीय मुकाबला

सतजीत सिंह ढींढ • जागरण

- आदित्य के इनेलो में शामिल होने से बदले समीकरण, अबकी बार या तो गढ़ बनेगा, या सदा के लिए टूटेगा
- बवरे भाई और भतीजा दे रहे हैं कड़ी टक्कर, जीते चाहे कोई भी, परिवार का वर्चस्व रहेगा कायम

सिरसा : हरियाणा और पंजाब की सीमा से लगता डबवाली विधानसभा क्षेत्र। बागड़ बेल्ट की हाट सीट। यहां एक महीने में समीकरण तेजी से बदले हैं। भाजपा की पहली सूची में नाम ना आने पर आदित्य चौटाला इनेलो में शामिल हो गए। उनके ताऊ ओमप्रकाश चौटाला ने उन्हें चुनाव मैदान में उतार दिया।

दूसरी ओर, जजपा से ओमप्रकाश के पोते एवं अजय के बेटे दिग्विजय चौटाला मैदान में हैं। इनके अलावा कांग्रेस के टिकट पर निवर्तमान विधायक अमित सिहाग भी इन्हीं के परिवार से हैं। अमित और आदित्य चचेरे भाई हैं, जबकि दिग्विजय उनके भतीजे हैं। तीनों त्रिकोणीय मुकाबला बनाए हुए हैं। भाजपा ने यहां से बलदेव सिंह मांगेआना को उतारा है। यह प्रदेश का ऐसा विस क्षेत्र है जहां कई लोगों के घरों का एक दरवाजा पंजाब में तो दूसरा दरवाजा हरियाणा में खुलता है। कई गांव राजस्थान की सीमा से लगते हैं। इसी वजह से यह विस क्षेत्र पंजाबी व बागड़ी भाषा का मिश्रण लिये हुए हैं। प्रत्याशियों को बागड़ बेल्ट के गांवों में बागड़ी और पंजाबी बेल्ट के गांवों में पंजाबी भाषा में अपनी बात कहनी पड़ती है।

हार-जीत का इंडिकेश: 2009 के परिसीमन में यह सीट सामान्य की श्रेणी में आ गई थी। इस सीट पर चौटाला परिवार से अजय सिंह चौटाला 2009 का विधानसभा चुनाव जीते थे। 2014 के चुनाव में नैना चौटाला जीतीं। दोनों चुनावों में केवी सिंह हार गए। 2019 में भाजपा के आदित्य चौटाला को कांग्रेस के अमित सिहाग ने हराया था।

कुल मतदाता	2,00,750
पुरुष मतदाता	1,09,830
महिला मतदाता	97,146

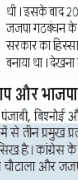

आदित्य चौटाला : पहले के बयान से बढ़ी मुश्किल

आदित्य चौटाला भाजपा से इनेलो में शामिल हुए जिससे दलबदलू का ठप्पा लग गया। चुनाव से पहले 32 गांवों में डोर टू डोर अभियान चलाकर भाजपा के लिए वोट मांग चुके थे। किसानों पर टिप्पणी की थी कि रावड़ी पीके सो जाओ, बिल वापस नहीं होंगे। उसका यह बयान इन चुनावों में चर्चा का विषय बना हुआ है। शहरी मतदाताओं का इनेलो से जुड़ाव नहीं है।

अमित सिहाग : सिख वोटर लुभाने को बहाना होगा पसीना

आम आदमी पार्टी और भाजपा ने सिख चेहरे को उतारा है। सिख समाज का बड़ा वोट बैंक कांग्रेस के पास था। जिसमें सेंध लग गई है। इनेलो ने आदित्य चौटाला को उतार कर एक तरफा मुकाबले को चुनौतीपूर्ण दिया है।

दिग्विजय चौटाला : भारी पड़ सकती है मतदाताओं से दूरी

दिग्विजय चौटाला साढ़े चार साल बाद डबवाली में लोगों से मिल रहे हैं। सरकार में रहते हुए डबवाली के मतदाताओं से दूरियां रही। दिग्विजय के पिता अजय चौटाला ने किसान आंदोलन को बीमारी बताकर टिप्पणी की थी। इनेलो से जजपा के गठन के बाद परिवार के सदस्यों द्वारा पिछला चुनाव ना लड़ने से मतदाताओं से जुड़ाव नहीं हो रहा।

2005 से ही सत्ता के विपरीत खड़ा होता रहा है यह क्षेत्र

यह क्षेत्र 2005 के समय से ही सत्ता के विपरीत चल रहा है। तब इनेलो के डा. सीताराम जीते थे, परंतु सरकार कांग्रेस की बनी। वर्ष 2009 में जब सामान्य सीट हुई तो इनेलो से अजय चौटाला जीते। लेकिन सरकार कांग्रेस की थी। 2014 में इनेलो से नैना चौटाला जीती, परंतु सत्ता भाजपा की थी। इसके बाद 2019 में कांग्रेस के अमित सिहाग जीते, परंतु भाजपा की सरकार बन। भाजपा-जजपा गठबंधन के समय दुष्यंत चौटाला डिप्टी सीएम रहे। ऐसे में जजपा प्रत्याशी भी चार साल इस सरकार का हिस्सा रहा। हार के बावजूद आदित्य चौटाला को भाजपा ने हरको बैंक का चेयरमैन बनाया था। देखना यह है कि इस यह क्षेत्र सत्ता का साथ खड़े रहता है या विपरीत।

डबवाली में आप और भाजपा के कोर वोटर मिलकर बिगाड़ेंगे समीकरण

यहां जाट, सिख, पंजाबी, बिश्नोई और दलित मतदाता हैं। पांचों में से तीन प्रमुख प्रत्याशी जाट और दो प्रत्याशी जाट सिख है। कांग्रेस के अमित सिहाग, इनेलो के आदित्य चौटाला और जजपा के दिग्विजय की हार जीत के समीकरणों को आप के कुलदीप सिंह गदराना और भाजपा के बलदेव सिंह मांगेआना प्रभावित कर सकते है। देखना यह है कि वोटों के बिखराव के बावजूद जीत किसकी होती है।

कांग्रेस सांसद सैलजा को भाजपा और बसपा ने दिया न्योता

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़ : हरियाणा में चुनाव प्रचार से दूर हो चुकी सिरसा की कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस हाईकमान तथा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा जहां सैलजा के मुद्दे पर चुप हैं, वहीं भाजपा व बसपा ने शनिवार को इसे चुनावी मुद्दा बना लिया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और अर्जुन मेघवाल के साथ बसपा के को-आर्डिनेटर आकाश आनंद ने सैलजा को अपने-अपने दलों में आने का न्योता दिया।

आकाश आनंद ने तो यहां कह दिया कि दलित नेताओं के लिए बसपा दल नहीं, घर है। यदि उन्हें कांग्रेस में अपमानित होना पड़ रहा है तो बसपा में उनका स्वागत है। इस बीच, पंचकूला से कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री चंद्रमोहन बिश्नोई ने सैलजा को भावी मुख्यमंत्री करार दिया, जबकि भजनलाल के दूसरे बेटे व भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि सैलजा सम्मानित नेता हैं, मगर कांग्रेस में उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं हो रहा है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक इंटरव्यू में कहा कि कांग्रेस ने कुमारी सैलजा का अपमान किया है।

सत्ता की समरभूमि में तपिश दे रही अपनों की बगावत

अनुराग अग्रवाल • जागरण

- भाजपा में सावित्री जिंदल, रणजीत चौटाला, शशि रंजन, देवेंद्र कादियान, अमित अहलावत और नयनपाल रावत सरीखे कई नाम
- कांग्रेस में शारदा राठौर, चित्रा सरवारा, हर्ष छिक्कारा, रणधीर गोलन और रोहिता खेड़ी जैसे बड़े नामों ने बढ़ाई परेशानी

चंडीगढ़: हरियाणा में विधानसभा का चुनावी समर रोचक हो रहा है। सत्ता की समरभूमि में अपनों की बगावत खासकर प्रमुख राजनीतिक दलों को तपिश दे रही है। भाजपा व कांग्रेस के लिए चुनौती बने बागी पार्टी प्रत्याशियों की जीत-हार के समीकरण बिगाड़ने का खम ठोंक रहे हैं। बतौर निर्दलीय चुनावी समर में उतरे ये बागी करीब दो दर्जन सीटों पर दोनों ही प्रमुख दलों के अधिकृत प्रत्याशियों के लिए खतरा बने हुए हैं। यह सूरत तब है जबकि इन दोनों दलों के रणनीतिकार हालांकि करीब दो दर्जन बागियों को चुनाव मैदान में बैठा चुके हैं, इसके बाद भी वे संबंधित पार्टियों के उम्मीदवारों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इन बागियों को अधिकतर भाजपा के अधिकतर वे निवर्तमान विधायक हवा दे रहे हैं, जिन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिए हैं।

भाजपा के दिग्गजों ने पकड़ी बगावत की राह: भाजपा में सबसे बड़ी बगावत हिसार विधानसभा सीट पर है। यहां अधिकृत प्रत्याशी डा. कमल गुप्ता के विरुद्ध निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में कुरुक्षेत्र के भाजपा सांसद नवीन जिंदल की माता एवं पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल चुनाव लड़ रही हैं। इन्सेस इतर भी कुछ महत्वपूर्ण नाम हैं। रानियां में पूर्व कैबिनेट मंत्री रणजीत सिंह चौटाला आजाद प्रत्याशी के रूप में चुनावी रण में हैं। भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने निर्दलीय ताल ठोंक दी। तोशाम में पूर्व विधायक शशि रंजन परमार भाजपा की श्रुति चौधरी की परेशानी बढ़ा रहे हैं तो गन्नौर में देवेंद्र कादियान ने भाजपा के देवेंद्र कौशिक की मजबूती में चलते चित्रा को टिकट नहीं मिला है। अंबाला छावनी में पूर्व गृह मंत्री अनिल विज और कांग्रेस की बागी चित्रा सरवारा के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है। जगाधरी में आदर्श पाल, पूंढरी में निवर्तमान निर्दलीय विधायक रणधीर गोलन व सज्जन ढुल ने चुनावी ताल ठोकी है। गोलन ने पहले कांग्रेस को समर्थन दिया था। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें टिकट नहीं दिया, जिस कारण वे निर्दलीय मैदान में फिर से उतर गए हैं।

नयनपाल रावत टिकट नहीं मिलने पर प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक टेक चंद शर्मा के सामने कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं।

कांग्रेस के इन बागियों ने थाम रखा बगावत का झंडा: कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए कलायत में अनीता ढुल, बाढ़डा में सोमबीर घसीला, पृथला में नीटू मान, कोसली में मनोज कुमार, पटौदी में सुधीर चौधरी और गोहाना में हर्ष छिक्कारा चुनौती पेश कर रहे हैं। हर्ष छिक्कारा यू ट्यूब पर काफी मशहूर हैं। उन्होंने कांग्रेस के निवर्तमान विधायक जगबीर मलिक के विरुद्ध खुला मोर्चा खोला हुआ है। जींद में प्रदीप गिल, उचाना में बीरेंद्र गोगड़िया, बहादुरगढ़ में राजेश जून, बरवाला में संजना खातरोड और पानीपत शहरी में पूर्व विधायक रोहिता रेवड़ी कांग्रेस उम्मीदवारों की राह में बड़ी बाधा बने हैं। उन्हें मनाने की भी कोशिश की गई लेकिन वह नहीं मानीं। बल्लभगढ़ में कांग्रेस की बगावत पूर्व मुख्य संसदीय सचिव शारदा राठौर को टिकट नहीं मिल पाया है। बरौदा में कपूर नरवाल को कांग्रेस का मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा था, लेकिन उन्हें भी टिकट नहीं मिला। शारदा राठौर और कपूर नरवाल दोनों ही पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों की परेशानी बढ़ा रहे हैं।

कांग्रेस में भी बागी कम नहीं

कांग्रेस में भी बगावत कम नहीं है। कांग्रेस ने हालांकि निर्मल सिंह को अंबाला शहर से उम्मीदवार बनाया हुआ है, लेकिन एक परिवार में दो टिकट नहीं होने की मजबूती के चलते चित्रा को टिकट नहीं मिला है। अंबाला छावनी में पूर्व गृह मंत्री अनिल विज और कांग्रेस की बागी चित्रा सरवारा के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है। जगाधरी में आदर्श पाल, पूंढरी में निवर्तमान निर्दलीय विधायक रणधीर गोलन व सज्जन ढुल ने चुनावी ताल ठोकी है। गोलन ने पहले कांग्रेस को समर्थन दिया था। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें टिकट नहीं दिया, जिस कारण वे निर्दलीय मैदान में फिर से उतर गए हैं।

****

जिसने हिसार में खिलवाया 'कमल', अब धुर विरोधी रहे जिंदल के 'साथ'

अमित खन्ना • जागरण

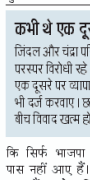

सुभाष चंद्रा

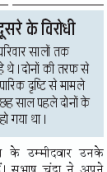

सावित्री जिंदल

हिसार : विधानसभा सीट की राजनीति में बड़ा चौंकाने वाला उलटफेर हुआ है। वर्ष 2014 के विस चुनाव में यहां 47 साल बाद कमल गुप्ता का समर्थन कर कमल खिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व राज्यसभा सदस्य सुभाष चंद्रा ने इस बार धुर विरोधी रहे जिंदल परिवार को वोट देने की अपील की है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी कमल गुप्ता का साथ छोड़ दिया है।

अपने एक्स हैंडल पर सुभाष चंद्रा ने सावित्री जिंदल के पक्ष में मतदान करने की अपील की है। बता दें कि सुभाष चंद्रा लंबे समय से डा. कमल गुप्ता से नाराज चल रहे हैं। उन्होंने 10 सितंबर को अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट कर लिखा था कि डा. कमल गुप्ता ने उनको फोन कर आशीर्वाद मांगा था। मगर सुभाष चंद्रा ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि छोटे भाई ने पांच साल तक उनको फोन भी नहीं किया था। सुभाष चंद्रा से चार दिन पहले भी हिसार आगमन पर पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों ने संपर्क कर मुलाकात की थी। उस समय भी डा. कमल गुप्ता पर कटाक्ष किया और कहा कि सिर्फ भाजपा के उम्मीदवार उनके पास नहीं आए हैं। सुभाष चंद्रा ने अपने एक्स हैंडल से सावित्री जिंदल को समर्थन करने का ऐलान तो किया ही, साथ में डा. कमल गुप्ता को नसीहत देते हुए लिखा कि जब कभी तूफान आता है तो जो पेड़ झुकना नहीं जानते वो टूट कर गिर जाते हैं। सुभाष चंद्रा के एक्स हैंडल पर जवाब में सावित्री जिंदल ने भी उनका धन्यवाद किया है।

कभी थे एक दूसरे के विरोधी

जिंदल और चंद्रा परिवार सालों तक परस्पर विरोधी रहे थे। दोनों की तरफ से एक दूसरे पर व्यापारिक दृष्टि से मामले भी दर्ज करवाए। छह साल पहले दोनों के बीच विवाद खत्म हो गया था।

41 विधायक जीते बसपा के 2007 में। उस विधानसभा चुनाव में मायावती ने बड़ी संख्या में ब्राह्मणों को टिकट दिए थे और तब उत्तर प्रदेश में बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी थी। फिर इसे दोहराने की चाह है।

हेलीकाप्टर का ईंधन हो गया खत्म ...आखिरकार सड़क मार्ग से वाराणसी गए रक्षा मंत्री

जागरण संवाददाता, गढ़वा

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर गढ़वा पहुंचे निजी कंपनी के हेलीकाप्टर का ईंधन खत्म हो गया। ये दोनों मंत्री संकल्प यात्रा की शुरुआत करने के लिए पलामू के श्री बंशीधर नगर पहुंचे थे। ईंधन खत्म हो जाने के कारण हेलीकाप्टर वापस बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची नहीं जा सका। नतीजन दोनों केंद्रीय मंत्रियों को कड़ी सुरक्षा के साथ सड़क मार्ग से वाराणसी के लिए रवाना किया गया। बाद में वाराणसी से रक्षा मंत्री की आगे की यात्रा के लिए रांची एयरपोर्ट पर मौजूद वायुसेना के एयरक्राफ्ट को भेजा गया।

प्रदेश भाजपा के एक वरीय पदाधिकारी के अनुसार रक्षा मंत्री हेलीकाप्टर से रांची से पहले चतरा और उसके बाद गढ़वा गए थे। दोनों ही जगह उनका कार्यक्रम था। रक्षा मंत्री के रांची से रवाना होने के बाद एक वाहन से हेलीकाप्टर का ईंधन गढ़वा भेजा जा रहा था, वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस वजह से वह वाहन पौने छह बजे के करीब गढ़वा पहुंचा, शाम हो जाने के कारण एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने हेलीकाप्टर को उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी। ईंधन खत्म होने के कारण दोनों मंत्री एक घंटा 10 मिनट तक श्रीबंशीधर नगर कार्यालय में बैठे रहे। बाद में जब हेलीकाप्टर को उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिली तो शाम 5 बजकर 54 मिनट पर सड़क के रास्ते वाराणसी के लिए रवाना हुए। गढ़वा के उपायुक्त शेखर जमुआर के अनुसार केंद्रीय रक्षा मंत्री को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ वाराणसी रवाना किया गया।

चतरा के इटखोरी और गढ़वा के श्रीबंशीधर में भाजपा की परिवर्तन रैली को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा है कि झारखंड के विकास में झामुमो, कांग्रेस और राजद तीन स्पीड ब्रेकर हैं। झारखंड की तरक्की के लिए भाजपा की सरकार आवश्यक हो गई है। उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर हेमंत सरकार को निशाने पर लिया। घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं। यह भाजपा बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विदेश में भारत की छवि खराब करने का आरोप लगाया। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार में जितना भ्रष्टाचार हुआ है, उतना आज तक पूरे देश में देखने को नहीं मिला है।

- ईंधन की प्रतीक्षा में एक घंटे 10 मिनट तक बैठना पड़ा कार्यालय में
- यात्रा के लिए रांची से वाराणसी भेजा गया वायुसेना का एयरक्राफ्ट

गढ़वा के लिए उड़ान भरा रक्षा मंत्री को लेकर आया हेलिकाप्टर। जागरण

सड़क मार्ग से वाराणसी के लिए रवाना होते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। जागरण

रेल ट्रैक पर लकड़ी का टुकड़ा रखकर बनाया वीडियो, गिरफ्तार

जासं, गाजीपुर : रेलवे ट्रैक पर लकड़ी का टुकड़ा रखकर वीडियो बनाना दो युवकों को भारी पड़ गया। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद आरपीएफ ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरे युवक की तलाश कर रही है। आरपीएफ प्रभारी अमित राय ने बताया कि उैपहर में एक वीडियो संज्ञान में आया। इसमें दो युवक रेलवे ट्रैक पर कभी लकड़ी का टुकड़ा तो कभी पत्थर रखकर वीडियो बना रहे थे। इसकी जांच कराई गई तो पता चला कि वीडियो आंकुशपुर स्टेशन के पास बनाया गया था। शिनाख्त कर पास के ही गांव के निवासी राहुल को दबोच लिया गया। इसके पूर्व 16 सितंबर की रात जमानियां ओवरब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पर एक नशेड़ी ने ट्रैक पर लकड़ी का टुकड़ा रख दिया था।

आमने-सामने ▶ कांग्रेस और भाजपा के बीच लगातार जारी है जुबानी जंग

अमेरिका यात्रा के दौरान सिखों को लेकर अपनी टिप्पणी पर राहुल गांधी कायम

कांग्रेस नेता ने कहा, मेरे अमेरिका के बयानों पर झूठ फैला रही भाजपा

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी हाल में अमेरिका में सिखों पर दिए अपने बयानों को लेकर शनिवार को कायम दिखे। कहा- वहां मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा था। भाजपा मेरे बयानों पर झूठ फैला रही है। साथ ही सिखों से भी सवाल किया कि क्या उन्होंने जो कुछ कहा, उसमें कुछ गलत है?

राहुल ने कहा- ''भाजपा अमेरिका में मेरे दिए बयानों के बारे में झूठ फैलाने पर तुली है। मैं भारत और विदेश में हर सिख भाई-बहन से पूछना चाहता हूं - क्या मैंने जो कहा उसमें कुछ गलत है? क्या भारत ऐसा देश नहीं होना चाहिए जहां हर सिख और हर भारतीय बिना किसी डर के अपने धर्म का पालन कर सके?'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमेशा की तरह, भाजपा झूठ का सहारा ले रही है। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि भाजपा उन्हें चुप कराने के लिए बेताब है, क्योंकि वे सच्चाई बर्दाश्त नहीं कर सकते। लेकिन मैं हमेशा उन मूल्यों के लिए बोलूंगा जो भारत को परिभाषित करते हैं और ये हैं विविधता में एकता, समानता और प्रेम। राहुल ने अमेरिका में अपने बयानों की एक छोटी क्लिप भी साझा की जिसमें उन्हें एक सिख व्यक्ति का जिक्र करते हुए दिखाया गया है।

बता दें कि राहुल ने पिछले दिनों अमेरिका यात्रा के दौरान सिखों को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में लड़ाई इस बात की है कि क्या देश में एक सिख को पगड़ी और कड़ा पहनने की इजाजत दी जाएगी। ऐसे हालात सिर्फ सिखों को लेकर ही नहीं, बल्कि सभी धर्मों को लेकर हैं।

- पुत्र-क्या भारत ऐसा देश नहीं होना चाहिए जहां हर सिख बिना डर अपने धर्म का पालन कर सके

राहुल गांधी। फाइल

भाजपा नेता सिरसा बोले, सिखों पर दिए बयान को वापस लें राहुल

नई दिल्ली, प्रेट्र : सिखों पर दिए बयान को लेकर भाजपा ने शनिवार को कई सिख समूहों के संयुक्त बयान का हवाला देते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से अपना बयान वापस लेने को कहा। पार्टी ने कहा कि इससे देश में भय का माहौल पैदा हो गया है।

भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने संवाददाताओं से कहा कि कई सिख और गुरुद्वारा प्रबंधन निकायों ने इस मुद्दे पर गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से मुलाकात की और उन्होंने जोर देकर कहा कि सिखों के बलिदान ने देश को मजबूत बनाया है। भाजपा ने अमेरिका की यात्रा के दौरान गांधी की टिप्पणियों के लिए उन पर निशाना साधा है कि भारत में चल रही वैचारिक लड़ाई में विभिन्न धर्मों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना शामिल है, जैसे कि सिखों को पगड़ी पहनने या गुरुद्वारों में जाने की अनुमति होगी या नहीं? सिरसा ने कहा कि सिख संगठनों ने राहुल से अपना बयान वापस लेने की मांगी है क्योंकि यह उन्हें नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसी अलगाववादी और देश विरोधी ताकतों ने राहुल की टिप्पणी का फायदा उठाया है। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि राहुल गांधी सिखों की भावनाओं का सम्मान करेंगे और अमेरिका में दिए गए अपने बयान को वापस लेंगे।'' सिरसा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 के सिख विरोधी दंगों से पहले सिखों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं को भी याद किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब वैसा ही माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। इस मामले में राहुल गांधी सहित पूरे कांग्रेस को सिख समाज से माफी मांगना चाहिए।

- पार्टी ने कहा- पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के बयान से देश में भय का माहौल पैदा हो गया, 1984 के दिन याद आए

मनजिंदर सिंह सिरसा। फाइल

राहुल ने अत्यधिक काम के दबाव में जान गंवाने वाली सीए के परिजन से की बातचीत

नई दिल्ली, प्रेट्र : पुणे में टैक्स कंसल्टेंसी कंपनी अर्न्स्ट एंड यंग में अत्यधिक कार्य दबाव के कारण जान गंवाने वाली युवा सीए अन्ना सेबेस्टियन पेरयिल के माता-पिता से शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बातचीत की। कांग्रेस नेता ने कहा, वह पेशेवरों के लिए कार्य स्थितियों में सुधार के लिए लड़ेंगे।

राहुल ने अन्ना के परिजनों से आल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस (एआइपीसी) के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती द्वारा कराई गई एक वीडियो काल के माध्यम से बात की। चक्रवर्ती कोच्चि में अन्ना के घर पहुंचे थे। बाद में राहुल ने एक्स पर पोस्ट में कहा- ''मैंने अन्ना सेबेस्टियन के शोकाकुल माता-पिता से बात की। वह एक उज्ज्वल भविष्य वाली महत्वाकांक्षी युवा पेशेवर थीं लेकिन कठोर कार्य परिस्थितियों के कारण दुखद रूप से उनका जीवन पहले समाप्त हो गया।'' राहुल ने इस बातचीत का वीडियो भी साझा किया। वीडियो में अन्ना की मां राहुल से कहती नजर आ रही हैं कि उनकी बेटी नौकरी से लौटने पर बहुत थकी होती थी और उसके पास अपने निजी जीवन के लिए बिल्कुल भी समय नहीं होता था। वह कहती हैं- ''केवल भारत में ही बच्चों को इस तरह की यातनाएं दी जाती हैं। अगर यह भारत के बाहर होता तो क्या वे अपने कर्मचारियों से इस तरह काम करवाते? हमने 1947 में भले ही स्वतंत्रता हासिल कर ली है, लेकिन हमारे बच्चे अभी भी गुलामों की तरह काम कर रहे हैं। हमारे देश में ऐसा क्यों हो रहा है?''ठाकर, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग कहा कि उसने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय से उन रिपोर्टों पर विस्तृत जवाब मांगा है।

पीएम मोदी के विरुद्ध आपत्तिजनक पोस्टर 'नफरत की दुकान' का विज्ञापन : सुधांशु

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

अमेरिका में शरारती तत्वों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध लगाए गए आपत्तिजनक पोस्टर को लेकर भाजपा ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। इसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हाल के अमेरिका दौरे के घटनाक्रम से जोड़ते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डा.सुधांशु त्रिवेदी ने संदेह जताया है कि कहीं यह राहुल की अमेरिका यात्रा का 'आफ्टर इफेक्ट' यानी उसका असर तो नहीं है।

भाजपा सांसद ने कहा कि पीएम मोदी के खिलाफ जो अपमानजनक, आपत्तिजनक व घनघोर भर्त्सना योग्य पोस्टर अमेरिका में दिखाई पड़ा है, उससे सारे भारत के मन में यह शक पैदा होता है कि भारत विरोधी स्थापित और प्रायोजित शक्तियों के मोहरों के साथ मुलाकात करके राहुल गांधी अभी कुछ दिन पहले ही लौटे हैं, यह कहीं उसका आफ्टर इफेक्ट तो नहीं है। कहीं ये वही जमात तो नहीं है, जो भारत विरोधी शक्तियों के मोहरों को राहुल से मिलवा रही थी। आज उसी जमात का असली नफरती चेहरा, नफरत की दुकान के विज्ञापन के रूप में दिखाई दे रहा है।

दरअसल राहुल गांधी ने हालिया अमेरिकी दौरे में पीएम मोदी और भाजपा के खिलाफ काफी आग उगली थी। सुधांशु ने पीएम मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अफसोस की बात यह है कि ऐसे हमारे प्रधानमंत्री जो हर भारतवासी के गौरव और राष्ट्र अस्मिता के रूप में दिखाई पड़ते हैं, उनके ऊपर यह हल्का और निम्न स्तर का प्रहार किया गया है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि भले ही मुखौटा किसी और का लगा हो, लेकिन देश समझ रहा है कि पीछे से वह किसके द्वारा संचालित है।

- अमेरिका की घटना को राहुल के दौरे से जोड़कर भाजपा ने बोला हमला
- कहा, यह भारत विरोधी शक्तियों को राहुल से मिला रही जमात का चेहरा

गरीबों का इलाज नहीं, केजरीवाल को हवाई यात्रा करा रही पंजाब सरकार : भाजपा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: पंजाब में केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना का राज्यांश रोके जाने के मुद्दे को भाजपा ने जोरदारी से उठाया है। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान अपने सरकार बनने के बाद से निजी हवाई यात्रा पर 200 करोड़ रुपये से अधिक पैसा खर्च कर चुके हैं, लेकिन आयुष्मान भारत योजना का 600 करोड़ रुपये रोक रखा है। उनके पास अरविंद केजरीवाल को हवाई यात्रा कराने के लिए पैसे हैं, लेकिन गरीबों के इलाज के लिए नहीं है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि भारत सरकार की सबसे सफल आयुष्मान भारत योजना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबों, किसानों और मजदूरों की चिंता करते हुए शुरू किया था। आप की सरकार आने से पहले पंजाब में यह योजना लागू थी, दिल्ली में आज भी यह योजना लागू नहीं है।

अमृतपाल व साथियों से मुख्यमंत्री भगवंत मान की जान को खतरा

दयानंद शर्मा, चंडीगढ़: पंजाब पुलिस ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के अंतर्गत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद कट्टरपंथी सिख सांसद अमृतपाल व उनके साथी न केवल पंजाब की कानून व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा हैं बल्कि राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान की जान के लिए भी खतरा हैं। अपने दावे के समर्थन में राज्य पुलिस ने 23 फरवरी 2023 का अजनाला पुलिस स्टेशन पर भीड़ के हमले के समय का अमृतपाल का वीडियो वेल्ल संलग्न किया है।

अमृतपाल सिंह के सहयोगियों द्वारा एनएसए के अंतर्गत उनकी हिरासत बढ़ाए जाने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अमृतसर के एसएसपी (ग्रामीण) चरणजीत सिंह के माध्यम से दायर हलफनामे में जवाब दाखिल किया है। हलफनामे के अनुसार अमृतपाल का पुलिस स्टेशन के ठीक बाहर वीडियो रिकार्ड किया गया था जिसमें वह यह आरोप लगा रहा था कि पंजाब के सीएम इस तरह काम कर रहे हैं कि यह सुनिश्चित हो कि उनका हश्र भी पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की तरह हो।

राजनीति में आप हर बात दिल पर नहीं ले सकते : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल. मुरुगन की उनके खिलाफ शुरू की गई आपराधिक मानहानि कार्यवाही से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि राजनीति में आप हर बात दिल पर नहीं ले सकते। मुरुगन ने पिछले साल शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें मद्रास हाई कोर्ट के पांच सितंबर, 2023 के आदेश को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने दिसंबर 2020 के एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उनके कथित मानहानिकारक बयानों के लिए चेन्नई स्थित मुरासोली ट्रस्ट द्वारा दायर शिकायत पर उनके खिलाफ कार्यवाही को रद करने से इन्कार कर दिया था।

पिछले साल 27 सितंबर को उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चेन्नई की एक विशेष अदालत में मुरुगन के खिलाफ लंबित कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर ट्रस्ट से भी जवाब मांगा था। शुक्रवार को जब यह मामला जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया तो मुरुगन की ओर से पेश वकील ने कहा-इस मामले में मानहानि का सवाल ही कहां है? ट्रस्ट की ओर से पेश वकील ने स्थगन की मांग की। पीठ ने टिप्पणी की-राजनीति में आप हर बात दिल पर नहीं ले सकते। मुरुगन ने पहले हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि ट्रस्ट के अनुसार, मुरुगन ने ये बयान आम जनता की नजरों में मुरासोली ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को गिराने और धूमिल करने के उद्देश्य से दिए थे।

- सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री मुरुगन के खिलाफ मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी
- मुरासोली ट्रस्ट ने किया है आपराधिक मानहानि का केस, हाई कोर्ट ने ठुकरा दी थी मुरुगन की याचिका

शासक असहमति को सहन करे और आत्मचिंतन करे : नितिन गडकरी

एएनआइ, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा यह है कि शासक अपने खिलाफ व्यक्त की गई सबसे मजबूत राय को भी बर्दाश्त करता है और उस पर आत्मचिंतन करता है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने एमआइटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी में एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान कहा कि लेखकों और बुद्धिजीवियों को निडर होकर अपनी बात रखनी चाहिए। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि भारत में मतभेद की कोई समस्या नहीं है। यहां विचारों के अभाव की समस्या है। हम न तो दक्षिणपंथी हैं, न ही वामपंथी। हम अवसरवादी हैं। लेखकों और बुद्धिजीवियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे बिना किसी डर के अपनी राय व्यक्त करें। गडकरी ने कहा कि जब तक अस्पृश्यता व सामाजिक हीनता-श्रेष्ठता की धारणाएं बनी रहेंगी, तब तक राष्ट्र निर्माण का कार्य पूरा नहीं कहा जा सकता।

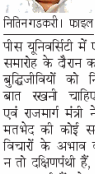
नितिन गडकरी। फाइल

अस्पताल में मंगवाई जाती थीं घटिया दवाएं

डाक्टर से दरिंदगी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के कुछ जूनियर डाक्टरों का आरोप है कि अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डा.संदीप घोष के कार्यकाल में निम्न गुणवत्ता की दवाएं मंगवाई जाती थीं। इसके जरिए करोड़ों रुपये की कमाई की गई। निम्न गुणवत्ता की एंटी-बायोटिक दवाओं के काम नहीं करने के कारण सफल सर्जरी के बाद भी कई मरीजों की मौत हो चुकी हैं। डा.संदीप से शिकायत करने पर परीक्षा में फेल करने की धमकी देते थे। फोन पर मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकियां मिलती थीं। जूनियर डाक्टरों ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग से शिकायत करने पर भी कोई फायदा नहीं हुआ। दूसरी ओर स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम ने कहा है कि जब भी इस तरह की शिकायतें मिली हैं तो संबंधित दवाओं की जांच कराई गई है लेकिन कोई गलत रिपोर्ट नहीं मिली।

डा. घोष के घर से मिले महत्वपूर्ण दस्तावेज: सीबीआइ सूत्रों ने बताया कि डा. घोष के घर की तलाशी के दौरान आरटीआइ और आरोपपत्र की 288 पन्नों की कापी मिली है। 730 पन्नों के चिंबिन्ह दस्तावेज भी मिले हैं। संदीप के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में सरकार की ओर से गठित जांच कमेटी की 510 पन्नों की गोपनीय रिपोर्ट भी मिली है।

शराब की पार्टी में जबरन बुलाई जाती थीं छात्राएं: संदीप के करीबी निलंबित जूनियर डाक्टर अभिक दे और उनके साथी जूनियर डाक्टरों विशाल सरकार और उमर फारूख पर बर्द्धमान मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के गेस्ट हाउस में रातभर शराब की पार्टी करने का आरोप लगा है। वहां प्रथम व द्वितीय वर्ष की छात्राओं को डरा-धमकाकर हास्टल से बुलाकर भोजन और शराब परोसने को कहा जाता था।

42 दिनों बाद काम पर लौटे जूनियर डाक्टर

- फिलहाल आपातकालीन विभाग में कर रहे ड्यूटी, कहा, सभी मांगें पूरी होने पर ओपीडी में करेंगे काम

ड्यूटी पर लौटने के बाद आरजी कर मेडिकल कालेज और अस्पताल के ट्रामा सेंटर से बाहर आते डाक्टर्स। प्रेट्र

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता: कोलकाता के आरजी कर कांड के विरोध में 41 दिनों की हड़ताल व उसके बाद विशाल रैली निकालने के पश्चात जूनियर डाक्टर शनिवार से काम पर लौट आए है, वह अभी आपातकालीन विभाग में ही ड्यूटी कर रहे हैं। ओपीडी की जिम्मेदारी अभी भी सीनियर डाक्टर संभाल रहे हैं। जूनियर डाक्टरों ने साफ तौर पर कहा है कि राज्य सरकार जब तक उनकी सभी मांगों को पूरा नहीं करेगी, तब तक वह ओपीडी के मरीजों को नहीं देखेंगे। वेस्ट बंगाल जूनियर डाक्टर फ्रंट की ओर से कहा गया है कि हड़ताल जरूर खत्म की है लेकिन जब तक मृत महिला डाक्टर के स्वजन को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

आरजी कर कांड का विरोध करने वालीं छात्राओं को कक्षा से बाहर करने का आरोप

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : ममता सरकार के पूर्व मंत्री व बांकुड़ा जिला शारदामणि महिला महाविद्यालय के प्रोफेसर श्यामल सांतरा पर आरजी कर कांड को लेकर विरोध-प्रदर्शन करने वालीं दो छात्राओं को कक्षा से बाहर करने का आरोप लगा है। इसे लेकर छात्र-छात्राओं ने शनिवार को कालेज के गेट पर विरोध-प्रदर्शन किया। आरोप लगाने वालीं दीपिका मंडल व और अपर्णा मंडल ने कहा- '18 सितंबर को हमने कालेज के बाहर सड़क पर पेंटिंग कर आरजी कर कांड का विरोध जताया था। शुक्रवार को जब प्रोफेसर श्यामल सांतरा कक्षा में दाखिल हुए तो उन्होंने हमें बाहर जाने को कहा क्योंकि हमने आरजी कर कांड का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि चूंकि हमने विरोध किया था इसलिए हम कक्षा में नहीं बैठ सकते।

ओडिशा में सेना अधिकारी एवं महिला मित्र के साथ दुर्व्यवहार को लेकर राजनीति शुरू

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर के भरतपुर थाना में भारतीय सेना के अधिकारी एवं उनकी महिला मित्र के साथ पुलिस द्वारा की गई अमानवीय हरकत की हर ओर निंदा हो रही है। घटना को लेकर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। घटना को लेकर बीजू जनता दल ने शनिवार को भुवनेश्वर में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर भी घटना की निंदा की गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इधर, बीजद के अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा है कि घटना ने यह साबित कर दिया है कि थाना तक में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि ओडिशा में हुई घटना ने देश में कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। पुलिस की मदद मांगने गए एक सेना अधिकारी को अमानवीय ढंग से पीटा गया। उनकी महिला मित्र का थाने में उत्पीड़न किया गया। घटना के सभी दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए, जिससे देश की जनता के सामने खासकर महिला के लिए न्याय एवं सुरक्षा का उदाहरण पेश हो। प्रियंका गांधी ने एक्स कर लिखा है कि पुलिस से मदद मांगने गए सेना अधिकारी एवं उनकी महिला मित्र के साथ जिस प्रकार से बर्बरता और दुर्व्यवहार किया गया, उससे पूरा देश स्तब्ध है।

- भुवनेश्वर में राजभवन के सामने बीजद ने किया विरोध प्रदर्शन
- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

रणनीति

कमजोर हो चुकी राजनीतिक जमीन पर कदम जमाने के लिए मायावती की नई रणनीति, सक्रिय कर बामसेफ का संगठन मजबूत करने का प्रयास, बनेंगी ब्राह्मण भाईचारा समितियां

वोट साधेगी बसपा ...और सोशल इंजीनियरिंग बामसेफ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सर्वजन को साधने का प्रयास करते-करते बहुजन (दलितों) पर बसपा की पकड़ कमजोर होती जा रही है। इसे अच्छी तरह महसूस कर रहीं पार्टी प्रमुख मायावती दोराहे पर खड़ी नजर आ रही हैं। राजनीतिक जमीन पर फिर से कदम जमाने के लिए पहले तो उन्होंने 'सर्वजन हिताय' की बजाए 'बहुजन हिताय' का मंत्र-जाप शुरू कर कोर वोट को प्रत्यक्ष तौर पर साधने के जतन शुरू किए, लेकिन अब शायद चिंता सवर्णों के दूर हो जाने की भी सता रही है। ऐसे में नई रणनीति अपनाते हुए वह कैडर में पैठ रखने वाले आधार संगठन बैकवर्ड एंड माइनारिटी कम्युनिटीज एम्लाई फेडरेशन (बामसेफ) को सक्रिय करने जा रही हैं। ब्राह्मण समेत अन्य समाज-वर्गों के लिए भाईचारा समितियां बनाकर इस संगठन के जरिए सोशल इंजीनियरिंग संभालने की तैयारी है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2014 के बाद से बसपा लगातार ढलान पर है। वर्तमान लोकसभा में उसका एक भी सांसद नहीं है और राज्य विधानसभा में मात्र एक विधायक। इसकी बड़ी वजह है कि दलित वोटों में भाजपा पहले ही बड़ी सेंध लगा चुकी थी और इस बार सपा ने भी बसपा का कोर वोट काफी छीन लिया। मुस्लिम वोट पहले ही सपा के पाले में खिसक चुका है। बहरहाल, लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद मायावती ने समीक्षा करते हुए मुस्लिमों के प्रति नाराजगी स्पष्ट रूप से जताई और धीरे-धीरे सवर्णों से भी मुंह फेरने का संकेत दे दिया। कई वर्षों तक सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की बात कहने वालीं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को जोर अब बहुजन हिताय पर है। इन शब्दों का संदेश उनके कोर वोटबैंक यानी दलितों और पिछड़ों के लिए है। मगर, अब वह फिर से रणनीति बदलती दिखाई दे रही हैं। सूत्रों के अनुसार, बसपा प्रमुख ने पार्टी संस्थापक द्वारा स्थापित सरकारी कर्मचारियों के संगठन बामसेफ को पुनर्गठित और सक्रिय करने का निर्णय किया है। उन्होंने हर जिले में बामसेफ का एक संयोजक और 10 सह-संयोजक बनाने के लिए कहा है। जोर है कि ब्राह्मण और मुस्लिम भाईचारा समितियां बनाकर इन वर्गों में पैठ बढ़ाई जाए। बामसेफ के एक पदाधिकारी ने बताया कि काफी समय से बामसेफ अलग-थलग था, लेकिन अब फिर हलचल है। बामसेफ पदाधिकारी इसे रणनीतिक दांव मानते हैं, क्योंकि मुस्लिम के साथ ही ब्राह्मण भी जुड़ेगा, तभी बसपा मजबूत होगी। 2007 में मायावती ने बड़ी संख्या में ब्राह्मणों को टिकट दिए। उनमें से 41 विधायक जीते, तब बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी थी। अब मायावती प्रत्यक्ष राजनीति दलितों-पिछड़ों के लिए करेंगी और बामसेफ के माध्यम से समाज के अन्य वर्गों को साधने का प्रयास होगा।

मायावती। फाइल

****

52 गांवों खाली कराना होगा सेना के प्रस्तावित युद्धाभ्यास रेंज के लिए छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में। सेना की रेंज नारायणपुर जिले की कोहका भोटा तहसील में 13 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत 52 गांवों को कवर करेगी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 22 सितंबर, 2024

न्यूज गैलरी

सुप्रीम कोर्ट के यूट्यूब चैनल की सेवाएं बहाल

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट के यूट्यूब चैनल की सेवाएं बहाल हो गई हैं। शुक्रवार को शीर्ष कोर्ट के यूट्यूब चैनल को हैक कर लिया गया था और उस पर अमेरिकी कंपनी रिपल लैब्स द्वारा विकसित क्रिप्टोकरेंसी को प्रोत्साहन देने वाले वीडियो दिखाए गए। शीर्ष कोर्ट की वेबसाइट पर एक पोस्ट में सूचित किया गया कि अदालत का यूट्यूब चैनल बंद कर दिया गया है। बाद में एक अन्य पोस्ट में सेवाएं बहाल होने की जानकारी दी गई। (प्रेट्र)

अब सीबीआइ करेगी एमबीए छात्रा के अपहरण की जांच

पटना : पटना हाई कोर्ट ने मुजफ्फरपुर के एलएन मिश्रा कालेज से एमबीए कर रही छात्रा अपहरण की जांच सीआइडी से लेकर अब सीबीआइ को सौंप दी है। कोर्ट ने सीबीआइ को चार साप्ताह में जांच की प्रगति रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। बता दें, साहेबगंज कालेज के पूर्व प्राचार्य राम प्रसाद राय की नतिनी का 22 दिसंबर, 2022 को कालेज जाते वक्त अपहरण कर लिया गया था। दो वर्ष बीत जाने के बाद भी पुलिस अपहृत छात्रा का पता नहीं लगा पाई है। (जासं)

पुरी जगन्नाथ मंदिर में रत्न भंडार की तकनीकी जांच शुरू

भुवनेश्वर : पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की तकनीकी जांच का दूसरा चरण शनिवार को शुरू हो गया। माना जा रहा है कि इस जांच के बाद जहां रत्न भंडार की आंतरिक संरचनाओं की मौजूदा स्थिति की जानकारी मिल सकेगी, वहीं रत्न भंडार के अंदर सुरंग और खजाना होने की बातों से भी पर्दा उठ सकेगा। बहरहाल, सोमवार तक तीन दिनों तक चलने वाली इस जांच को लेकर सामान्य दर्शन की व्यवस्था दोपहर एक बजे से शाम छह बजे तक के लिए बंद कर दी गई है। (जासं)

फर्जी आइपीएस नकली पिस्टल से साथ गिरफ्तार

सिकंदरा (जमुई) : बिहार के जमुई जिले में फर्जी आइपीएस अधिकारी बनकर घूम रहे एक युवक को पुलिस ने शुक्रवार को नकली पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने युवक के पास से एक बाइक व दो लाख रुपये का चेक बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मिथिलेश कुमार के रूप में की गई है। पूछताछ में आरोपित युवक ने बताया कि मनोज सिंह नाम के व्यक्ति ने उसे पुलिस अधिकारी की नौकरी दिलाने के नाम पर दो लाख रुपये पहले लिया। (जासं)

'तिरुपति के लड्डू की दिव्यता-पवित्रता अब बेदाग'

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने कहा-अब इसमें कोई गड़बड़ी नहीं, लड्डू प्रसादम की पवित्रता की रक्षा को प्रतिबद्ध

केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री जोशी बोले-मामले को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएंगे

- राज्य सरकार की विजया डेरी देवस्थानम को शुद्ध व गुणवत्ता वाले दूध उत्पादों की आपूर्ति करने को तैयार
- आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रेड्डी और अन्य के खिलाफ हैदराबाद में शिकायत दर्ज

तिरुपति, प्रेट्र : तिरुपति मंदिर के प्रसिद्ध 'लड्डू प्रसादम' में इस्तेमाल होने वाले घी की गुणवत्ता को लेकर श्रद्धालुओं की चिंता के बीच तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने कहा है कि पवित्र मिठाई की पवित्रता बहाल कर दी गई है। अब इसमें कोई गड़बड़ी नहीं है। तिरुमाला की पहाड़ियों पर स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन करने वाले टीटीडी ने शुक्रवार रात ईटरनेट मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा कि श्रीबारी लड्डू की दिव्यता और पवित्रता अब बेदाग है।

मंदिर बोर्ड ने पोस्ट में कहा कि टीटीडी सभी भक्तों की संतुष्टि के लिए लड्डू प्रसादम की पवित्रता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अति समृद्ध मंदिर का प्रबंधन करने वाली मंदिर संस्था ने शुक्रवार को कहा कि गुणवत्ता के लिए जांचे गए नमूनों में घटिया घी और लार्ड (सूअर की चर्बी) की मौजूदगी पाई गई।

केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शनिवार को कहा कि केंद्र ने प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू में मिलावट के मुद्दे को गंभीरता से लिया है और इस मामले को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि ये आरोप तब सामने आए जब टीटीडी ने कर्नाटक मिल्क फेडरेशन के नंदिनी घी का उपयोग बंद कर दिया। केंद्र ने आंध्र प्रदेश सरकार से मामले पर रिपोर्ट मांगी है और जांच के बाद उचित कार्रवाई का वादा किया है।

उधर, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि सरकार तिरुपति के लड्डुओं में पशु वसा की मिलावट के आरोप की जांच के लिए मठाधीशों, संतों, पुजारियों और अन्य शीर्ष हिंदू धर्म विशेषज्ञों से परामर्श करेगी। पवित्रता से कोई समझौता किसी सूरत में नहीं किया जाएगा।

हाल ही में एनडीए विधायक दल की बैठक के दौरान नायडू ने दावा किया कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को भी नहीं बख्शा और अपने अनैखे स्वाद के लिए प्रसिद्ध तिरुपति लड्डुओं को बनाने के लिए घटिया सामग्री और पशु वसा का इस्तेमाल किया गया। आरोप लगने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने इस मामले को ध्यान भटकाने की राजनीति बताया और इसे मनगढ़ंत कहानी करार दिया।

लड्डू विवाद के बीच तेलंगाना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार की विजया डेरी तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को शुद्ध और गुणवत्ता वाले दूध उत्पादों की आपूर्ति करने के लिए तैयार है। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे श्यामला राव को लिखे पत्र में तेलंगाना पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव सब्यसाची घोष ने कहा कि तेलंगाना विजया डेरी उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद आपूर्ति करने के लिए जानी जाती है। विजया डेरी सरकारी फर्म होने के कारण गुणवत्ता, शुद्धता और कीमत के संबंध में पूरी तरह पारदर्शी होगी।

इस बीच, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने प्रसाद वितरित करने वाले सभी सार्वजनिक स्थानों पर एफएसएसएआइ द्वारा खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करने की मांग की है ताकि इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि इन परीक्षण प्रयोगशालाओं की लागत ऐसे संगठनों द्वारा आसानी से वहन की जा सकती है जो सहभोज आदि कार्यक्रम चलाते हैं।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और अन्य के खिलाफ हैदराबाद में एक शिकायत दर्ज कराई गई है। इसमें उन पर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की पवित्रता को दुर्भावनापूर्ण तरीके से नष्ट करने और हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। अधिवक्ता के कराणा सागर ने लैब रिपोर्ट का हवाला देते हुए सैदाबाद पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

लड्डू में अमूल घी के इस्तेमाल की अफवाह फैलाने पर सात पर एफआइआर

अहमदाबाद : इंटरनेट मीडिया पर तिरुपति मंदिर के लड्डू बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाला घी अमूल ब्रांड होने संबंधी गलत सूचना फैलाने के आरोप में एफ्स के सात उपयोगकर्ताओं के खिलाफ अहमदाबाद साइबर थाने में शनिवार को एफआइआर दर्ज की गई। अमूल ब्रांड बनाने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने मंदिर का प्रबंधन संभालने वाले टीटीडी को घी की आपूर्ति किए जाने से इन्कार किया और कहा कि हमने कभी ऐसा नहीं किया। जीसीएमएमएफ के एमडी जयेन मेहता ने कहा कि कुछ लोग गलत सूचना फैला रहे हैं कि तिरुपति मंदिर में खराब गुणवत्ता वाले घी की आपूर्ति अमूल ने की थी। उन्होंने कहा कि अमूल घी हमारे अत्याधुनिक उत्पादन केंद्रों में दूध से बनाया जाता है और यह आइएसओ प्रमाणित है।

प्रसाद के प्रति शंका पैदा करती हैं तिरुपति जैसी घटनाएं : कोविन्द

जागरण संवाददाता, वाराणसी : पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद (लड्डू) में मिलावट पर शनिवार को चिंता जताते हुए इसे पाप बताया है। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद को आस्था का प्रतीक बताते हुए कहा कि तिरुपति जैसी घटनाएं लोगों के मन में शंका उत्पन्न करती हैं। वह काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी 'स्वदेशी गाय, जैविक खेती एवं पंचगव्य चिकित्सा' का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में हो रही मिलावट दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ किसान बिक्री के लिए फसलों में कीटनाशकों व रासायनिक खादों का प्रयोग करते हैं, ताकि अच्छी उपज मिले तथा अधिक मुनाफा कमा सकें। ऐसी सोच भारतीय संस्कृति के अनुरूप नहीं हो सकती है। ऐसे में विज्ञानी देश को समाधान बताएं। हजारों वर्षों से हमारी संस्कृति का केंद्र रहीं गौमाता अपने भोजन की तलाश में भटकने और कचरे के ढेर में भोजन को ढूंढ़ते पाई जाती हैं। हम इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तक कैसे पहुंच गए। पिछले कुछ दशकों में उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य से गोमूत्र व गोबर की जगह रासायनिक तत्वों का उपयोग शुरू हुआ। इससे गोवंश की उपयोगिता घटने लगी।

जम्मू संभाग के किश्तवाड़ के जंगल में घिरे दो से तीन आतंकी, मुठभेड़ जारी

जागरण संवाददाता, किश्तवाड़

- सप्ताह में दूसरी बार किश्तवाड़ के जंगल में मुठभेड़, 13 सितंबर को जवानों पर किया गया था हमला
- प्रधानमंत्री के दौरे से एक दिन पहले जवानों घात लगाकर किए गए हमले में दो जवान हुए थे बलिदान

जम्मू संभाग के किश्तवाड़ जिले में रविवार शाम को तलाशी अभियान के दौरान जंगल में छिपे आतंकियों से सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया। चौकस जवानों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी हमला शुरू किया और मुठभेड़ शुरू हो गई। जिले के गुरीनाल इलाके के जंगल में देर रात तक दोनों तरफ से फायरिंग चलती रही।

बताया जा रहा है कि दो से तीन आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में हैं। वे रात के अंधेरा का लाभ लेकर भागने की फिराक में हैं, लेकिन सुरक्षाबलों ने कड़ी घेराबंदी कर रखी है। किश्तवाड़ के इस जंगली क्षेत्र में एक सप्ताह में यह दूसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 13 सितंबर को रात को नेतगांव के जंगल में तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों ने घात लगाकर हमला किया था, जिसमें दो जवान बलिदान हो गए थे और चार घायल हुए थे। यह हमला तब किया गया था जब 14 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डोडा में रैली होनी थी। जहां मुठभेड़ हुई है वह जगह एक सप्ताह पहले हुई मुठभेड़ स्थल से मात्र छह-सात किलोमीटर दूर है। यानी आतंकी इसी इलाके में छिपे हुए हैं। इसी संभावना को देखते हुए प्रधानमंत्री का दौरा खत्म होने के बाद से ही सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान चला रखा है।

शनिवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि गुरीनाल में आतंकी गतिविधियां चल रही हैं। उन्होंने तुरंत ही सेना के जवानों को साथ लेकर गुरीनाल पहुंच तलाशी अभियान शुरू किया। इसके बाद खुद को घिरता देख आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सूत्रों के अनुसार, दो से तीन आतंकी ढेर हो गए हैं, लेकिन अंधेरा होने के कारण इसकी पुष्टि कोई नहीं कर रहा है।

गौरतलब है कि तकरीबन दो महीने पहले डोडा के देसा गांव में आतंकियों ने सेना के जवानों पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें एक सन्य अधिकारी सहित चार जवान बलिदान हो गए थे। वही आतंकी हैं जो इसी इलाके में घूम रहे हैं। वे हिट एंड रन की नीति पर काम कर रहे हैं। ये आतंकी सुरक्षाबलों को तभी निशाना बनाते हैं, जब उन्हें भाग निकलने में भी सफलता मिल जाए।

बाड़मेर में युवक को जबरन पेशाब पिलाया और अर्धनग्न कर पीटा

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान के बाड़मेर में एक युवक को जबरन पेशाब पिलाने और अर्धनग्न कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पूरे घटनाक्रम का तीन अलग-अलग वीडियो शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हुआ तो पुलिस हरकत में आई। शनिवार को पीड़ित युवक ने भी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयराम ने बताया कि घटना 16 सितंबर रात बामनोर मीठा बेरा गांव की है। एक वीडियो में पीड़ित युवक की घर में पिटाई होती नजर आ रही है। दूसरे वीडियो में युवक खेत में अर्धनग्न हालत में पड़ा और उसे दो लोग डंडों से पीटते दिख रहे हैं। तीसरे वीडियो में पीड़ित को पेशाब की बोतल देकर जबरन पीने के लिए मजबूर किया जा रहा है। युवक उसे पी भी रहा है। गिरफ्तार आरोपितों का कहना है कि वह चोरी करने व घर की महिला सदस्य को परेशान करने के मकसद से पहुंचा था। पुलिस जांच कर रही है कि युवक देर रात आरोपितों के घर में क्यों घुसा।

बेंगलुरु में एक फ्रिज में 30 टुकड़ों में मिला महिला का शव

- पुलिस को संदेह है कि एक सप्ताह पहले महिला की हत्या हुई

बेंगलुरु, प्रेट्र : बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में एक सिंगल बेडरूम फ्लैट के फ्रिज में 29 वर्षीय महिला महालक्ष्मी का शव 30 टुकड़ों में मिला। महालक्ष्मी इस फ्लैट में अकेली रह रही थी। पुलिस को संदेह है कि एक सप्ताह पहले महिला की हत्या हुई है। मल्लेश्वरम में रहने वाली महालक्ष्मी एक माल में काम करती थी और उसके पति शहर से दूर एक आश्रम में काम करते हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद वह भी पहुंचे।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिमी क्षेत्र) एन सतीश कुमार ने कहा कि व्यालिकाबल थाना क्षेत्र के एक घर में फ्रिज से महिला के शव के टुकड़े मिले। डाग दस्ता और फोरेंसिक विशेषज्ञ ने जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में रह रही महिला मूल रूप से दूसरे राज्य की निवासी थी।

इस घटना ने 18 मई, 2022 को दिल्ली के महरौली में श्रद्धा वाकर की उनके लिव-इन पार्टनर आफताब पूनावाला द्वारा की गई नृशंस हत्या की याद दिला दी है।

आफताब ने श्रद्धा का गला घोंटकर हत्या करने के बाद उसके शव के 35 टुकड़े कर दिए थे। शहर के अलग-अलग भागों में फेंकने से पहले लगभग तीन सप्ताह तक उसने शव के टुकड़ों को अपने आवास में फ्रिज में रखा था।

ट्रायल कोर्ट का मूल रिकार्ड नष्ट होने पर दोषी 42 साल बाद बरी

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

- सत्र न्यायालय ने 1982 में साक्ष्य मिटाने के अपराध में सुनाई थी चार वर्ष की सजा
- रिकार्ड नष्ट होने के कारण वर्षों तक लंबित रही सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 42 साल पुराने मामले में ट्रायल कोर्ट का मूल रिकार्ड नष्ट होने तथा केवल फैसला ही बचे होने के कारण साक्ष्य गायब करने के दोषी ठहराए व्यक्ति को बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा, 'महत्वपूर्ण तथा बुनियादी रिकार्ड की अनुपलब्धता के कारण दोषसिद्धि आदेश बरकरार नहीं रखा जा सकता।'

बलिया के इस मामले में सत्र न्यायाधीश ने अभियुक्तों में बचे एक मात्र अपीलकर्ता राम सिंह को चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। इसे 1982 में चुनौती दी गई। जब उनकी अपील सुनवाई के लिए आई, तब तक ट्रायल कोर्ट के मूल फैसले और आदेश को छोड़कर पूरा रिकार्ड नष्ट कर दिया गया था। इस कारण अपील वर्षों तक लंबित रही। जिला जज ने कहा कि रिकार्ड तैयार करना संभव नहीं है। अपने निर्णय में हाई कोर्ट ने कहा है- 'रिकार्ड के अबलोकन से पता चलता है कि ट्रायल कोर्ट का पूरा रिकार्ड तलब किया गया था, लेकिन केवल एक हिस्सा जिला न्यायाधीश, बलिया द्वारा भेजा गया। इसमें केवल विवादित निर्णय और आदेश शामिल है। वर्तमान अपील के साथ आगे बढ़ने के लिए कोई अन्य दस्तावेज रिकार्ड पर उपलब्ध नहीं है। हाई कोर्ट ने इस पर भी रिपोर्ट मांगी थी कि क्या ट्रायल कोर्ट के रिकार्ड का पुनर्निर्माण संभव है? इस पर बलिया के जिला न्यायाधीश ने बताया कि यह संभव नहीं है। ऐसी ही परिस्थितियों में 2010 में उच्च न्यायालय ने एक दोषी को बरी कर दिया था। हाई कोर्ट ने कहा-कानून का सिद्धांत, जो ऊपर से प्रवाहित होता है, वह यह है कि यदि ट्रायल कोर्ट के रिकार्ड का बड़ा हिस्सा अपीलीय अदालत के समक्ष उपलब्ध नहीं है तो सबसे पहले रिकार्ड के पुनर्निर्माण के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। पुनर्निर्माण संभव नहीं है तो अपील का निपटारा कर दिया जाए। यदि ट्रायल कोर्ट के महत्वपूर्ण और बुनियादी रिकार्ड के नुकसान के कारण मामले की दोबारा सुनवाई और नए सिरे से निर्णय संभव नहीं है तो आक्षेपित निर्णय व आदेश को लागू करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और मामला बंद कर दिया जाएगा।

हाई कोर्ट ने सरकार से पूछा,किस अधिकार के तहत बंद हुई इंटरनेट सेवा

राज्य ब्यूरो, रांची: झारखंड हाई कोर्ट में राज्य में इंटरनेट सेवा बंद करने के खिलाफ दाखिल याचिका पर शनिवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है कि क्या परीक्षा को लेकर इंटरनेट सेवा बंद करना राज्य सरकार का अधिकार है। अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। शनिवार को हाई कोर्ट बंद रहता है लेकिन इस मामले की सुनवाई के लिए हाई कोर्ट ने विशेष पीठ गठन किया था।

दरअसल, झारखंड में 823 केंद्रों पर चल रही झारखंड स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा को केंद्र में रखकर रविवार को भी पूरे राज्य में इंटरनेट सेवा बंद रखी जाएगी। सरकार के निर्देश पर सुबह चार बजे से शाम तीन बजे (11 घंटे) तक इंटरनेट से जुड़ी किसी भी तरह की सेवा का उपयोग उपभोक्ता नहीं कर सकेंगे। बता दें कि शुक्रवार को भी सुबह आठ से दिन के डेढ़ बजे तक इंटरनेट सेवा ठप रही। विभागीय आदेश के अनुसार नकलमुक्त परीक्षा के आयोजन को लेकर सरकार के स्तर से यह पहल की गई है। लातेहार में बनाए गए कुल 18 केंद्रों में से एक राजकीय पालीटेक्नीक संस्थान पर शिक्षकों ने परीक्षार्थियों को प्रथम पाली की परीक्षा में द्वितीय पाली का प्रश्नपत्र वितरित कर दिया गया। इसको लेकर हंगामा हुआ।

एनसीईआरटी की पुस्तक के पाठ में अहमद के नाम रीना की चिट्ठी

नईदुनिया प्रतिनिधि, छतरपुर

मध्य प्रदेश के खजुराहो में कक्षा तीन की छात्रा के पिता ने एनसीईआरटी की किताब के एक पाठ को लव जिहाद को बढ़ावा देने वाला बताया है। उन्होंने एनसीईआरटी को मेल भेजकर आपत्ति जताने के अलावा पुलिस को भी शिकायती पत्र दिया है। इसमें उन्होंने पाठ के अंश को साजिश बताते हुए लिखा नाम बदलने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

होम्योपैथिक चिकित्सक डा. राघव पाठक का कहना है कि तीसरी कक्षा में पर्यावरण विषय के 17 नंबर पेज पर 'चिट्ठी आई है' शीर्षक का एक पाठ है, जिसमें छपे पोस्टकार्ड पर रीना नाम की लड़की अहमद को छुट्टियों में अगरतला आने का निमंत्रण देती है और अंत में लिखती है, तुम्हारी रीना। पोस्टकार्ड में लिखा है, 'अहमद तुम बताओ तुम कैसे हो? हम सब दोस्तों को तुम्हारी याद आती है। आशा है छुट्टियों में तुम अगरतला आओगे। सभी बड़ों को प्रणाम, तुम्हारी रीना।'

डा. राघव का कहना है कि एनसीईआरटी चिट्ठी का ज्ञान समझाने के लिए बच्चों के रिश्तेदारों के नाम भी पत्र में लिख सकती थी। उधर, एसडीपीओ सलिल शर्मा ने कहा कि शिकायती पत्र दिया गया है। यह एनसीईआरटी का मामला है।

किताब के इस पाठ पर उठाई है आपत्ति, जिसमें पोस्टकार्ड पर अहमद के नाम चिट्ठी में तुम्हारी रीना लिखा गया है। नईदुनिया

जेल में रह कर बनवा लिया फर्जी निकाहनामा

नईदुनिया प्रतिनिधि, ग्वालियर : मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में जेल में रहकर फर्जी निकाहनामा बनाने का मामला सामने आया है। दुष्कर्म मामले में राजीनामे की याचिका पर सुनवाई कर रहे कोर्ट के समक्ष साक्ष्य और केस डायरी पहुंचे तो मामला खुला। 13 वर्षीय नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में राजीनामा के लिए संजू खान नामक युवक ने जेल में रहने के दौरान फर्जी निकाहनामा बनवा लिया। इसमें जिसे शहरकाजी बताया गया, उसकी मौत हो चुकी है। नाबालिग का आधार कार्ड भी फर्जी लगाया गया है। पता चला कि आरोपित पर पहले भी दुष्कर्म का मामला दर्ज है।

वर्ग पहेली-2759

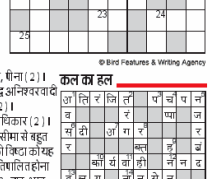

बाएं से दाएं

3. प्रतिष्ठा या इज्जत बचाना (2,3) 1
5. बगीचा, फुलवारी (3) 1
6. समय, मृत्यु, मौत (2) 17. महाड़ के नीचे की जमीन (3) 18. चित्र यानाट्य (2) 10. रमन-चमन, रौनक (3,3) 14. बगीचे की देख-रेख करने वाला (2) 16. कटोर, सस्ता (2) 17. एक के बादएक (6) 19. सूर्य, दिनकर (2) 21. नीरद, मेघ (3) 23. हत्येक (2) 24. आतिशबाजी (3) 25. सप्ताह के सात दिनों में से एक (5) 1

ऊपर से नीचे

1. '' ....नहीं और झूठ के सैर नहीं'' (2,1,2) 2. गिलौरी, बीड़ा, पीना (2) 1
3. श्रवरशिन (3,3) 14. एकासिद्ध अनिश्वरवादी वनास्तिक विद्वान (3) 16. कार्य (2) 1
9. शक्ति होना (3) 11. कब्जा, अधिकार (2) 1
12. सैनिक, लड़ने वाला (3) 13. सीमा से बहुत अधिक (2,1,3) 15. हाथी, घोड़े की विष्ठा कोखड़ कहते हैं (2) 18. किसी के द्वारा प्रतिपालित होना (3,2) 20. विरह, अभाव (3) 22. ढ़ार, भाव (2) 1 24. रदा, आवरण (2) 1

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

आ	ति	र	स्ति	हैं	पाँ	चौ	प	नें
व				र		प्या		ज
सं	दी		आ	रा	र			र
र					बल		हुं	ब
		बाँ	ध	बा	ही	नौं	न	द
ड	ल	य		तौं	न	से	न	
बल		र		य				आँ
आ			नौं	मैं	न		वैं	ध
जा		हौं		जा				म
नौं	रा	य	ण	रै	ण	आ	क्ष	रा

जागरण सुडोकू-2759

8			5		1	2		9
	9						8	
				2		7		
	8		3		2		1	
6	3							8
		5	7		9		4	
		8		7		1		5
	2		1		6		3	
4				9				2

कल का हल

9	1	5	7	4	8	6	2	3
6	4	8	3	2	9	7	5	1
3	7	2	1	6	5	9	8	4
1	2	9	6	8	4	3	7	5
5	3	6	2	7	1	8	4	9
4	8	7	9	5	3	2	1	6
8	6	1	5	3	7	4	9	2
7	5	3	4	9	2	1	6	8
2	9	4	8	1	6	5	3	7

आज का भविष्यफल: 22 सितंबर, 2024 रविवार

के.ए. दुबे गदमेश

आज की ग्रह स्थिति: आश्विन मास कृष्णपक्ष पंचमी।
आज का राहुकाल: सायं 04 बजकर 30 मिनट से 06 बजेतक।
आज का दिशाशूल: पश्चिम। विशेष: पंचमी श्राद्ध।

कल 23 सितंबर, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल: पूर्व
विशेष: छठी श्राद्ध
कल की भद्रा: दोपहर 01 बजकर 51 मिनट से रात्रि के 01 बजकर 15 मिनट तक।
विक्रम संवत 2081 शके 1946 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु आश्विन मास कृष्णपक्ष की षष्ठी तपश्चात सप्तमी रोहिणी नक्षत्र तपश्चात मृगशिरा नक्षत्र सिद्धि योग तपश्चात व्यतिपात योग वृष में चंद्रमा।

मेष: किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा, लेकिन रोग और विरोधी सक्रिय रहेंगे।
वृष: ऋद्धासीमित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
मिथुन: क्रोध पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी।
कर्क: संतान या शिक्षा के कारण चिंतित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें।
सिंह: आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। साथी का सहयोग मिलेगा।
कन्या: ऋद्धासीमित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
तुला: पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा।
वृश्चिक: सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
धनु: शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।
मकर: रिश्तों में निकटता आएगी। पारिवारिक तनाव हो सकता है।
कुंभ: जीवनसाथी या संतान के कारण चिंतित रहेंगे। जोखिम न उठाएं।
मीन: जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

श्रीराम

द्वितीय तल की छत पर संयोजित हो रहीं शिलाएं, शिखर निर्मित होने में लगेगा 120 दिन का समय

श्रीराम मंदिर के मुख्य शिखर का निर्माण नवरात्र से

प्रवीण तिवारी ● जागरण

- शिखर के निर्माण में लगेंगे 120 दिन, फरवरी तक पूर्ण होने की संभावना

अयोध्या : श्रीराम मंदिर के मुख्य शिखर का निर्माण नवरात्र से शुरू होने की संभावना है। मुख्य शिखर निर्मित होने के बाद मंदिर पूर्ण रूप से आकार ले सकेगा। हालांकि द्वितीय तल पर अभी छत के लिए शिलाओं का संयोजन किया जा रहा है, जल्द ही इसके पूर्ण होने की संभावना है। शिखर के निर्माण में कम से कम 120 दिन का समय लगेगा। फरवरी माह तक शिखर के पूर्ण होने की संभावना है। मंदिर के छह शिखरों में से पांच आकार ले चुके हैं। अब मंदिर निर्माण समिति मुख्य शिखर को निर्मित करने का तानाबाना बुन रही है। गत दिनों कार्यदायी संस्था की बैठक में इस पर चर्चा हुई, जिसकी सूचना कुछ ट्रस्टियों तक भी पहुंची।

161 फीट ऊंचे मंदिर का मुख्य शिखर निर्मित होने में अन्य शिखरों की अपेक्षा अधिक समय लगेगा। कारीगर बताते हैं कि ऊंचाई पर निर्माण में समय लगेगा। शिलाओं को ऊंचाई पर पहुंचाने व उन्हें निर्धारित आकार में संयोजित करने में अधिक समय लगता है। दरअसल, मंदिर निर्माण के शुरुआती दौर में चार टावर क्रेन का प्रयोग किया गया था, लेकिन प्राण प्रतिष्ठा पूजन में दो टावर क्रेन हटा दिए गए थे। इस समय ऊंचाई पर शिलाओं को पहुंचाने के लिए सिर्फ दो टावर क्रेन ही बचे हैं। साथ ही दर्शन प्रारंभ होने के बाद से निर्माण अत्यंत सजगता से चल रहा है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र यह भी बता चुके हैं कि संपूर्ण निर्माण अगले वर्ष 30 जून तक पूरा हो सकेगा। इस समय सप्त मंदिर निर्मित हो रहे हैं। उनके लिए मूर्तियों का निर्माण भी जयपुर में चल रहा है। 15 नवंबर तक मूर्तियां निर्मित हो जाएंगी।

राम दरबार के लिए प्लेटफार्म तैयार

मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना होगी। सफेद संगमरमर के पत्थर पर करीब 4.5 फीट ऊंचाई की श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान, भरत व शत्रुघ्न की मूर्ति गढ़ी जा रही है। जयपुर में इसे निर्मित किया जा रहा है। मूर्तियों को प्रतिष्ठित करने के लिए लगभग आठ फीट लंबा प्लेटफार्म तैयार हो गया है।

राम मंदिर में विराजमान रामलला। सौ. इंटरनेट मीडिया

बंगाल सरकार ने 24 घंटे बाद खोली झारखंड सीमा

जागरण टीम, रांची: बंगाल सीमा करीब 24 घंटे तक बंद रहने के बाद झारखंड के मालवाहक वाहनों के लिए खोल दी गई है। बंगाल में बाढ़ के बाद मुख्यमंत्री ममता के निर्देश पर गुरुवार की शाम झारखंड की तरफ से जाने वाले भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी। सीमा सील किए जाने का सबसे ज्यादा असर एनएच-ढ (जीटी रोड) पर देखने को मिला। हजारों की तादाद में ट्रक फंस गए थे। चेकपोस्ट पर झारखंड की तरफ 10 से 20 किलोमीटर तक लंबी लाइन लग गई थी। शुक्रवार की शाम सात बजे के बाद बंगाल ने झारखंड से वाहनों की आवाजाही के लिए सीमा खोल दी। करीब चालीस घंटे बाद शनिवार सुबह मालवाहक वाहनों का परिचालन सामान्य हुआ। मालूम हो कि मुख

11 लाख के इनामी सहित आठ नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आत्मसमर्पण किया है। इन पर विभिन्न थानों में हत्या, लूटपाट, सड़क अवरुद्ध करना, जवानों पर हमला जैसे प्रकरण दर्ज हैं।

गिरिडीह जिले के अमनारी गांव में बने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों के निकट खड़े बिरहोर जनजाति के लोग ● जागरण

कभी थी टेढ़ी खीर, अब बदल रही तकदीर

आधुनिक समाज में हाशिए पर खड़ी आदिम जनजाति बिरहोर को कभी मुख्यधारा से जोड़ना कठिन था। इतना कठिन कि यह समुदाय विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गया, लेकिन प्रधानमंत्री जन-मन योजना के साथ ने इन्हें नया जीवन दे दिया। धीरे-धीरे समाज के इस अंतिम छोर तक विकास की किरणें पहुंचीं। तस्वीर बदलनी शुरू हुई। अब इनकी तकदीर भी बदल रही है। झारखंड का गिरिडीह जिला इसका उदाहरण है।

> पहले चरण में आदिम जनजाति बिरहोर के गांवों का सर्वे किया। केंद्र सरकार के 17 से अधिक मंत्रालयों के समन्वय से इनके विकास की योजनाएं तैयार की जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सड़क योजना समेत अन्य योजनाओं से जीवनस्तर में सुधार आया है।
>
> **-श्रीकांत यशवंत विस्पुते,**
> नोडल पदाधिकारी, प्रधानमंत्री जन-मन योजना, गिरिडीह

विकास की साखी: अंत्योदय के संकल्प के साथ शुरू की गई प्रधानमंत्री जन-मन योजना बिरहोर समेत कई आदिम जनजातियों के विकास की साखी बनी। खानाबदोश की जिंदगी जीने वाले गावां प्रखंड के बिरहोरों के जीवन में स्थायित्व आया है। अब वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। गिरिडीह के तीन प्रखंडों के आठ गांवों में 717 वंचितों को सहारा मिला है। योजना मेंइसी वर्ष जनवरी में 42 बिंदुओं पर सर्वे किया गया। बिरहोर परिवारों की समस्याओं और जरूरतों की लंबी सूची बनी। आवास, सड़क, बिजली, पेयजल, रोजगार, इंटरनेट, मोबाइल टावर, आंगनबाड़ी केंद्र, राशन कार्ड, स्वास्थ्य समेत अन्य सुविधाओं की स्थिति देखी गई। जिला स्तर पर विभागों से समन्वय कर संकट के निदान का प्रयास शुरू हुआ। परिणाम सुखद रहा। वर्तमान में 163 बिरहोर परिवारों में बगोदर और सरिया प्रखंड के सिर्फ नौ परिवार आवास से वंचित हैं। दो अक्टूबर तक दूसरे चरण में इन सभी परिवारों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो जाएंगी।

रोजगार उपलब्ध कराना प्राथमिकता: गिरीडीह के जिला कल्याण पदाधिकारी जयप्रकाश मेहरा बताते हैं कि बिरहोरों को रोजगार उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। रोजगार सृजन योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन समेत अन्य माध्यमों से इनका आर्थिक संकट दूर करने का प्रयास जारी है। बच्चों को शिक्षा व ग्रामीणों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए गाइडलाइन के अनुरूप काम किया जा रहा है।

इन बिंदुओं पर किया जा रहा काम: बिरहोर बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों व विद्यालयों से जोड़ने, गांव के पांच किलोमीटर के दायरे में स्वास्थ्य उपकेंद्र खोलने, पशुपालन-कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ आदि के लक्ष्य पर विभाग काम कर रहा है। बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पहले चरण से मिलीं सुविधाएं: प्रधानमंत्री जन-मन योजना के गिरिडीह नोडल पदाधिकारी श्रीकांत यशवंत विस्पुते ने बताया कि पहले चरण में आदिम जनजाति बिरहोर के गांवों का सर्वे किया गया। केंद्र सरकार के 17 से अधिक मंत्रालयों के समन्वय से इनके विकास के लिए योजनाएं तैयार की जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सड़क योजना समेत अन्य योजनाओं के लाभ से इनके जीवनस्तर में सुधार आया है। 23 सितंबर से दो अक्टूबर तक दूसरे चरण में इन गांवों में शिविर लगाकर विभिन्न योजनाओं के लाभ से इन्हें जोड़ा जाएगा।

(गिरिडीह से दीपक कुमार पाण्डेय)

रविवार विशेष

हर व्यक्ति तक विकास की पहुंच

प. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। अंत्योदय यानी समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय। हाशिए पर बैठे लोगों तक विकास और सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास सरकार निरंतर कर रही है। कहीं सुदूर क्षेत्र में विलुप्तप्राय जनजाति के उत्थान के प्रयास रंग ला रहे हैं तो कहीं शिक्षा का उजियारा गांव-गांव तक फैल रहा है। अंत्योदय दिवस के संदर्भ में पढ़िए समाज की बदलती तस्वीर दिखातीं तीन प्रेरक कहानियां:

मुद्रा के माध्यम से बनी उद्यमिता की नई जमीन

झारखंड के चतरा जिला मुख्यालय से महज कुछ ही दूरी पर आरा पंचायत स्थित है। सदर प्रखंड की इस पंचायत की महिलाएं सरकारी योजनाओं की मदद से स्वावलंबन व विकास की नई इबारत लिख रही हैं। खेती-किसानी से लेकर उद्यमिता की जमीन तैयार कर रहीं हैं। पिछले चार-पांच वर्षों में उनके जीवन में स्वरोजगार से बदलाव आया है। महिलाएं यहां स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से मुद्रा ऋण लेकर स्वावलंबन की कहानी लिख रही हैं। खेती-किसानी, पशुपालन व मत्स्य पालन के साथ ही अन्य व्यवसाय के क्षेत्र में सफलता का परचम लहरा रही हैं। दर्जनों महिलाएं यहां नारी सशक्तीकरण की मिसाल बनी हैं।

मर्दनपुर की मंजुला बाड़ा कहती हैं कि आर्थिक विपन्नता के कारण पहले उन्हें दो जून की रोटी भी नहीं मिल पाती थी। बाद में महिलाओं के समूह से जुड़कर 30 हजार रुपये का मुद्रा ऋण लिया और पशुपालन के क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिर खेती-किसानी में जुट गईं। ट्रैक्टर चलाने से लेकर हर काम को अपने बूते किया। मेहनत रंग लाई और अब हर महीने 15 हजार रुपये की आमदनी हो जाती है। इसी तरह गेरो गांव की मुजुरेमा मिंज और सुशांती एक्का ने मेहनत के बल पर बंजर भूमि को न सिर्फ उपजाऊ बनाया, बल्कि आर्थिक सबलता का सशक्त माध्यम बना लिया। दोनों ने 30 हजार रुपये ऋण लेकर खेती की योजना बनाई और गरमा फसल में भाग्य आजमा कर 10 गुना से अधिक मुनाफा कमाया। गांव में मुजुरेमा की बंजर भूमि थी। दशकों से उसमें हल नहीं चला था। ग्रामीणों को उसमें खेती की संभावना नहीं दिखती थी। सुशांती ने उसमें खेती के लिए मुजुरेमा को प्रेरित किया। पूंजी की व्यवस्था एक समस्या थी। इसमें झारखंड स्टेट लाइवलिहुड प्रमोशन सोसायटी के प्रखंड आजीविका समन्वयक औरंगजेब अख्तर ने उनकी मदद की। इसके अलावा रेशमी मिंज, रीना देवी, मंजू, अनिता मिंज, अंजू देवी और निक्हत परवेज समेत दर्जनों महिलाएं भी यहां नारी सशक्तीकरण की मिसाल बनी हैं।

(चतरा से जुलकर नेन)

चतरा के गेरो गांव में ट्रैक्टर से खेत की जोताई करतीं मंजुला बाड़ा ● जागरण

> कृषि एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आरा पंचायत की महिलाओं ने खुद को स्थापित कर लिया है। खेती-बाड़ी से लेकर मत्स्य पालन, पशुपालन, मुर्गी पालन, दुकानों के संचालन आदि में सफल हुई हैं। पूरी पंचायत में दो दर्जन से अधिक ऐसी महिलाएं हैं, जो रोजी-रोटी की समस्या से बाहर निकलकर लखपतिति दीदी बन गई हैं।
>
> **- अनिल डुंगडुंग, जिला परियोजना प्रबंधक, चतरा**

अंत्योदय की ललक ने स्मार्ट बना दिए 2,546 सरकारी स्कूल

समाज के संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक है कि अंतिम पंक्ति के विद्यार्थी तक आधुनिक दुनिया का ज्ञान पहुंच सके, गांवों में रहने वाले वंचितों के बच्चे भी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा पा सकें। उत्तर प्रदेश में बरेली के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) जगप्रवेश ने इस संकल्प को 16 महीने अभियान चलाकर पूरा कर दिया है। जिले के सभी 2,483 बेसिक स्कूलों के साथ ही 63 इंटर कालेजों में स्मार्ट कक्षाएं संचालित करने वाला बरेली उत्तर प्रदेश का पहला जिला बन गया है। अक्टूबर 2023 में यह उपलब्धि और स्कूली शिक्षा महानिदेशक विजय किरन आनंद से सराहना पाने के बाद सीडीओ जगप्रवेश अब अगले चरण की ओर बढ़ चुके हैं।

बच्चे पढ़ें ही नहीं सीखें भी: बच्चे सिर्फ स्क्रीन देखने तक सीमित न रहें, वे भी स्मार्ट कक्षा का संचालन कर सकें इसलिए जगप्रवेश ने उन्हें भी प्रशिक्षित कराना शुरू कर दिया। वह कहते हैं कि गांवों, मलिन बस्तियों या पिछड़े इलाकों में रहने वाले बच्चे डिजिटल हुनर अपनाएं, तभी वक्त के साथ दौड़ पाएंगे। हमारा प्रयास है कि स्मार्ट कक्षा का संचालन भी बच्चे खुद करें। इस प्रयास को शत-प्रतिशत लक्ष्य तक ले जाने में जुटे हैं।

बरेली के बैरिया भदपुरा गांव के प्राथमिक विद्यालय में लगाई गई एलईडी और उस से पढ़ते बच्चे ● जागरण

> सरकारी स्कूलों में स्मार्ट कक्षाएं शुरू कराने का उद्देश्य गांवों के बच्चों को आधुनिक तरीकों व शिक्षा से जोड़ना है। बेसिक शिक्षा विभाग व जिले की विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से सभी स्कूल स्मार्ट हो चुके हैं। अब हम बच्चों के स्किल डेवलपमेंट पर ध्यान दे रहे हैं।
>
> **-जगप्रवेश, सीडीओ, बरेली**

आठ साल पुरानी अवधारणा को किया साकार: उप्र के स्कूलों को स्मार्ट बनाया जाए, यह अवधारणा आठ वर्ष पुरानी है, लेकिन वास्तविक काम कोरोना काल के बाद शुरू हुआ। इसकी गति धीमी थी, बजट का इंतजाम नहीं था इसलिए जून 2022 तक 750 स्कूल ही स्मार्ट हो सके थे। इसी महीने जगप्रवेश बतौर सीडीओ बरेली में तैनात हुए और उन्होंने सबसे पहले स्कूलों को स्मार्ट बनाने का लक्ष्य तय किया। कक्षाओं में एलईडी, दो स्पीकर, कैमरे, इंटरनेट की सुविधा के लिए धन की चुनौती आई तो विभिन्न संस्थाओं से कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी फंड (सीएसआर) देने की अपील की। ग्राम पंचायत का बजट और स्कूलों में आने वाली कंपोजिट ग्रांट भी सहारा बनी। बरेली विकास प्राधिकरण ने भी जिम्मेदारी ली।

बाधा से भी पाया पार: 16 माह के सामूहिक प्रयासों से स्कूल स्मार्ट हो चुके थे, इस बीच गांवों में इंटरनेट स्पीड की समस्या सामना करना पड़ा। यूट्यूब व डिजिटल संसाधनों से पढ़ाते समय कक्षा बाधित हो जाती थी। दिसंबर 2023 से बेसिक शिक्षा विभाग की मदद से ऐसे शिक्षकों को सूचीबद्ध किया गया, जोकि नवाचारी हैं। उनसे कक्षाचार डिजिटल कंटेट तैयार करा पेन ड्राइव में उपलब्ध कराया गया। अब स्कूलों के पास दोनों विकल्प हैं कि इंटरनेट से लाइव कक्षा संचालित करें या पेन ड्राइव के जरिये। प्रत्येक स्कूल में नियमित एक घंटे की डिजिटल कक्षा होती है, जिसमें पाठ्यक्रम और सामयिक विषयों के बारे में पढ़ाया जाता है। विद्यार्थियों को पुस्तकों से ज्यादा स्क्रीन पर पढ़ाई रोचक लगती है। उस पर विषय के बारे में दिलचस्प तरीके से बताया जाता है।

(बरेली से पीयूष दुबे)

बिहार में नए इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी, पांच की मौत

जागरण टीम, पटना

- मुख्यमंत्री ने पटना व वैशाली के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, अधिकारियों को दिए निर्देश
- बेगूसराय में 151 स्कूल 25 सितंबर तक बंद, मानसी में लोगों ने किया एनएच 31 जाम

बिहार में गंगा, सोन व सहयोगी नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव जारी है। शनिवार को भागलपुर, मुंगेर, लखीसराय व बेगूसराय में जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई। इन जिलों के कई नए इलाकों में बाढ़ का पानी फैल गया है।

मुंगेर-भागलपुर एनएच-80 पर एक से डेढ़ फीट पानी बह रहा है। सबौर के फरका के पास एनएच 80 की सड़क 20 फीट तक कटकर बह गई है। जिले के छह इलाकों में गंगा का पानी फैल गया है।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार 24 घंटे में 15 सेमी जलस्तर बढ़ा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना व बैशाली जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने राहत शिविर में जाकर बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। अधिकारियों को बाढ़ पीड़ितों के लिए सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बाढ़ में डूबने से अलग-अलग इलाकों में कुल पांच लोगों की मौत हो गई। प्रशासन ने 25 सितंबर तक जिले के 151 विद्यालयों को बंद कर दिया है।

मुंगेर में गंगा खतरे के निशान से 57 सेमी ऊपर बह रही है। शहर के आधा दर्जन से अधिक इलाके में गंगा का पानी फैल गया है।

लखीसराय जिले की 17 पंचायतें बाढ़ से ग्रस्त है। बेगूसराय में बाढ़ का पानी तेजी से फैल रहा है। पटना के दीघा और गांधी घाट पर 1.51 मीटर गंग खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। खगड़िया के मानसी में बाढ़ पीड़ितों ने कोई सुविधा नहीं मिलने पर कुछ देर के लिए एनएच 31 को जाम कर दिया। कटिहार में गंगा, कोसी, कारी कोसी, बरंडी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। समस्तीपुर जिले में 19 पंचायतें बाढ़ से प्रभावित हैं।

केदारनाथ पैदल मार्ग जंगलचट्टी के पास क्षतिग्रस्त, 5,000 तीर्थयात्री निकाले : केदारनाथ पैदल मार्ग का लगभग 15 मीटर हिस्सा शुक्रवार रात जंगलचट्टी के पास धूर्धसाब के चलते ध्वस्त हो गया। इससे शनिवार को धाम के लिए आवाजाही पूरी तरह ठप रही। धाम से दर्शन कर लौट रहे 5,000 से अधिक तीर्थ यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग से सुरक्षित गौरीकुंड पहुंचाया गया। शुक्रवार को दर्शन के लिए गए ये तीर्थयात्री केदारनाथ धाम समेत पैदल मार्ग के विभिन्न पड़ावों पर ठहरे हुए थे। गौरीकुंड व सोनप्रयाग से किसी भी तीर्थयात्री को केदारनाथ नहीं जाने दिया गया। सोनप्रयाग में 3,000 से अधिक तीर्थयात्री दिनभर पैदल मार्ग खुलने का इंतजार करते रहे।

बंगाल के कई जिलों का एक बड़ा हिस्सा अभी भी जलमग्न : बंगाल के बाढ़ग्रस्त इलाकों में जलस्तर घटने पर भी राज्य के कई जिलों का एक बड़ा हिस्सा अभी भी पानी में डूबा हुआ है। राज्य के हावड़ा, हुगली और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों के विभिन्न क्षेत्रों में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कई गांव अभी भी कमर अथवा घुटने तक पानी में डूबे हुए हैं। स्थानीय प्रशासन बाढ़ पीड़ितों तक राहत पहुंचाने के लिए नावों का इस्तेमाल कर रहा है। बीमारों को नावों से ही अस्पताल ले जाया जा रहा है। इस वक्त करीब 500 राहत शिविरों में 10,000 से ज्यादा लोगों ने शरण ले रखी है।

पटना में शनिवार को बाढ़ग्रस्त क्षेत्र से सुरक्षित स्थान को जाते लोग। प्रेट्र

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग पर चिंता जताई

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने व्यक्तिगत आर्थिक लाभ के लालच में समाज के कमजोर लोगों की सुरक्षा के लिए बनाए गए एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग पर चिंता जताई है और राज्य सरकार को निगरानी तंत्र विकसित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जब तक ऐसा नहीं होता है तब तक प्राथमिकी दर्ज करने से पहले घटना व आरोप का सत्यापन किया जाए ताकि वास्तविक पीड़ित को ही सुरक्षा व मुआवजा मिल सके। साथ ही झूठी शिकायत कर सरकार से मुआवजा लेने वालों को धारा 182 और धारा 214 में कार्रवाई कर दंडित किया जाए।

यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने बिहारी व दो अन्य की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए दिया है। साथ ही, झूठी शिकायत कर सरकार से लिया गया 75 हजार रुपये का मुआवजा सरकार को वापस लौटाने के साथ ही दोनों पक्षों में समझौते के आधार पर अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष अदालत में चल रही एससी-एसटी एक्ट की कार्रवाई रद कर दी है। मामला संभल के कैला देवी थाने में दर्ज था। एससी-एसटी एक्ट की प्राथमिकी पर पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। सरकार ने पीड़ित को 75 हजार रुपये मुआवजा दिया। समझौता हो गया तो आपराधिक केस रद करने को याचिका दायर की गई। कोर्ट ने शिकायतकर्ता को तलब कर सरकार से लिया मुआवजा वापस करने का आदेश दिया। कहा कि जिला समाज कल्याण अधिकारी के नाम डिमांड ड्राफ्ट जिलाधिकारी के पास जमा कर रिपोर्ट पेश की जाए।

इलाहाबाद हाई कोर्ट।

> 'सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने वाले कानून का दुरुपयोग होने से न्याय प्रणाली पर संदेह व जन विश्वास को नुकसान पहुंचता है। इसलिए प्राथमिकी का सत्यापन जरूरी है। इसके लिए पुलिस व न्यायिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।'
>
> - न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान, इलाहाबाद हाई कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संज्ञेय व असंज्ञेय दोनों अपराध को समझौते से समाप्त किया जा सकता है। पक्षकारों के बीच समझौते को कोर्ट ने सही माना और आदेश दिया कि शेष बकाया मुआवजा 25 हजार रुपये का भुगतान न किया जाए। शिकायतकर्ता ने कहा कि उकसावे में उसने झूठी रिपोर्ट लिखाई थी। कोर्ट ने कहा, 'एक पीड़ित कमजोर तबके को तुरंत न्याय देने का साधन है, किंतु कई केस में पता चला है कि सरकार से मुआवजा लेने के लिए झूठे केस दर्ज हो रहे हैं।'

अपनी जड़ से कट जाता है मतांतरित व्यक्ति : भागवत

जागरण संवाददाता, पानीपत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने कहा कि मतांतरण से व्यक्ति अपनी जड़ से कट जाता है। जड़ से ही रस प्राप्त होता है और जड़ कट जाने से पूरा मूल ही समाप्त हो जाता है। मैं कौन हूं, हमारा स्वत्व क्या है, इसे जानना जरूरी है। भारत से कोई प्रांत अलग होकर सुखी नहीं रह सकता। अस्मिता के बिना अस्तित्व नहीं है। दुनिया मानती है कि हमारे देवी-देवता, भाषा, खान-पान अलग हैं, लेकिन अंदर क्या है, यह वह नहीं जानते। बहुत कुछ भिन्न रहते हुए भी हम एक हैं। भागवत शनिवार को पानीपत के समालखा में सेवा, साधना एवं ग्राम विकास केंद्र में वनवासी कल्याण आश्रम के तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वनवासी समाज के स्वत्व एवं स्मिता की रक्षा करना आवश्यक है। देश को जब भी जरूरत पड़ी, संकट आया है, वनवासी समाज ने सेवाभ किया और बलिदान दिया है। भगवान राम, कृष्ण, शिवाजी और महाराणा प्रताप के लिए वनवासी शूरवीर लड़े।

जनजातीय पूजा पद्धतियां हमें बिविधताओं में एकता का दर्शन कराती हैं, जो हमारी एकता का मूल है। उन्होंने वनवासियों के 80 प्रकार की पूजा पद्धतियों का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम में झारखंड सहित देश के सभी प्रांतों से दो हजार से अधिक कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं।

पानीपत के सेवा साधना केंद्र में वनवासियों की पूजा पद्धतियों का किया अवलोकन

धोखाधड़ी के शिकार परिवार के नौ सदस्यों ने खाया कीटनाशक

जागरण संवाददाता, अहमदाबाद: गुजरात के राजकोट शहर में आर्थिक तंगी में फंसे एक सराफा कारोबारी के परिवार के नौ सदस्यों ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। इन सभी को अस्पताल में भर्ती गया जहां उनकी हालत स्थिर है। मुंबई के दो कारोबारियों ने इस परिवार से करीब दो करोड़ रुपये के गहने लेकर उसका भुगतान नहीं किया जिसके चलते यह परिवार आर्थिक संकट में फंस गया। राजकोट के एक जौहरी परिवार के नौ सदस्यों ने आर्थिक तंगी के चलते ऋण कि किस्तों का भुगतान नहीं कर पाने पर शुक्रवार रात कीटनाशक खा लिया। कीटनाशक पीने वालों में आठ साल का बच्चा और 67 साल की एक महिला भी शामिल है। पीड़ित परिवार के सदस्य केतन अडेसरा ने बताया कि मुंबई स्थित व्यवसायियों ने उन्हें 2023 में दीपावली से पहले भुगतान करने का वादा किया था लेकिन वादा पूरा नहीं किया। पुलिस ने मुंबई के कारोबारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हिमाचल में अवैध मस्जिदों के विरोध में प्रदर्शन, वक्फ बोर्ड भंग करने की मांग

जागरण संवाददाता, नाहन

हिमाचल की राजधानी शिमला में मस्जिद के अवैध निर्माण के विरोध में शनिवार को सिरमौर जिले के शिलाई में हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान देवभूमि संघर्ष समिति ने वक्फ बोर्ड को भंग करने और दूसरे राज्यों से आने वाले मुस्लिमों का सत्यापन करने की मांग की।

देवभूमि संघर्ष समिति शिलाई के अध्यक्ष ओम प्रकाश ने वक्फ बोर्ड पर आरोप लगाया कि यह भू-माफिया की तरह काम कर रहा है और प्रदेश की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे किए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि इस बोर्ड को तुरंत समाप्त किया जाए और प्रदेश में अवैध रूप से बनी मस्जिदों और मजारों पर कार्रवाई की जाए। चेतावनी दी कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो हिंदू समाज उग्र आंदोलन करेगा। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंप उचित कदम उठाने की मांग की। बता दें कि प्रदेश के कई जिलों में मस्जिदों में हुए अवैध निर्माण को लेकर लोग लगातार विरोध प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पांवटा साहिब और शिलाई उपमंडल के तहत समस्त थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि क्षेत्राधिकार में जितने भी अन्य राज्यों के लोग फल/सब्जी की रेहड़ी व अन्य सामान बेचने की दुकान लगा रहे हैं, उनके बारे में संपूर्ण जानकारी एकत्र करें और उनके संबंधित थाना से चरित्र सत्यापन बारे पत्राचार करें।

शिमला के संजौली में हुए अवैध मस्जिद निर्माण के विरोध में शिलाई में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हुए।

दो फिश प्लेटें खोलीं, 70 से अधिक बोल्ट और पैडलाक ढीले किए

प्रथम पृष्ठ से आगे

सूरत (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक हितेश जायसरे ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों ने रेलवे ट्रैक पर दो रेल पटरियों के सिरों पर लगी दो फिश प्लेटों को हटा दिया और उन्हें ट्रैक के ऊपर रख दिया। इसके अलावा 70 के करीब बोल्ट व पैडलाक ढीले कर दिये।

पुलिस उपाधीक्षक आरआर सरवैया के अनुसार ट्रैक का निरीक्षण कर रहे एक लाइनमैन को सबसे पहले सुबह करीब साढ़े पांच बजे इस छेड़छाड़ का पता चला। उसने तुरंत रेलवे प्रशासन को सतर्क किया। रेलवे इंजीनियर और अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे और लाइन की मरम्मत शुरू की। ट्रैक ठीक होने के बाद ट्रेनों की आवाजाही फिर से शुरू कराई गई।

सरवैया ने कहा कि रेलवे और स्थानीय पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का मानना है कि ट्रेन को पटरी से उतारने के लिए यह साजिश रची गई।

****

दैनिक जागरण
कर्म ही पूजा है और कर्तव्य पालन भक्ति है

गलती मानने से इन्कार

अमेरिका यात्रा के दौरान सिखों के संदर्भ में दिए गए अपने बयान को लेकर राहुल गांधी ने जिस तरह यह कहा कि उन्होंने वहां कुछ गलत नहीं कहा था और भाजपा झूठ फैलाकर उन्हें चुप करना चाहती है, उससे यदि कुछ स्पष्ट होता है तो यही कि वह अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर आमादा हैं। उनके रवैये से यह भी साफ है कि उन्हें कांग्रेस की उन मूल नीतियों से कहीं कोई मतलब नहीं, जिनके तहत पार्टी सभी देशवासियों को एक साथ लेकर चलना अपना उद्देश्य बताती थी। वह जानबूझकर वही गलती कर रहे हैं, जो इंदिरा गांधी ने की थी और जिसके चलते पंजाब और साथ ही देश को बहुत बुरे नतीजे भोगने पड़े। लगता है कि वह अपनी दादी की गलती से कोई सबक सीखने को तैयार नहीं। यह आश्चर्यजनक है कि उनकी सेहत पर इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ा कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने उनके बयान को सही ठहराया और उसे अपने पक्ष में भुनाने में जुट गया। अच्छा होता कि राहुल गांधी इस पर विचार करते कि उन्होंने अपने आपत्तिजनक बयान से खालिस्तानियों को खुराक देने का ही काम किया है। उन्होंने सिखों को लेकर अमेरिका में दिए गए अपने बयान का बचाव करते हुए यह प्रश्न भी पूछा कि क्या भारत ऐसा देश नहीं होना चाहिए, जहां हर सिख बिना डरे अपने धर्म का पालन कर सके? आखिर उन्हें यह आभास कैसे हो गया कि भारत ऐसा देश नहीं है? क्या यहां किसी को अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करने की आजादी नहीं है?

हो सकता है कि राहुल गांधी यह माहौल बनाकर पंजाब में राजनीतिक लाभ हासिल करने में सफल हो जाएं कि सिखों की धार्मिक आजादी के लिए संकट पैदा होने वाला है, लेकिन इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि वह अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए जाति, पंथ, क्षेत्र के आधार पर लोगों में वैमनस्य पैदा करने में जुट गए हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्होंने केवल सिखों की धार्मिक आजादी को लेकर ही बेतुका बयान नहीं दिया, बल्कि वह जाति गणना पर जिस तरह जोर देने में लगे हुए हैं, उससे भी जातिगत वैमनस्य को बल मिल रहा है। इसे और बल देने के लिए वह आरक्षण को लेकर भी यह झूठ फैलाने में लगे हुए हैं कि उसे हटाने की साजिश रची जा रही है। यह भी किसी से छिपा नहीं कि उन्होंने किस तरह यह दुष्प्रचार किया कि मोदी सरकार संविधान बदलने का इरादा रखती है। कम से कम कांग्रेस को तो इसका आभास होना ही चाहिए कि विभाजनकारी राजनीति के कैसे दुष्परिणाम होते हैं। इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं कि जो कांग्रेस देश की आजादी का श्रेय लेती है, उसका ही नेता देश के सामाजिक ताने-बाने को क्षति पहुंचाने का काम कर रहा है।

दवाओं की गुणवत्ता

बीमार व्यक्ति इस आस में दवा का सेवन करता है कि वह जल्द स्वस्थ होगा, लेकिन जब दवा की गुणवत्ता ही सही नहीं होगी तो उपचार कैसे हो सकेगा। हिमाचल प्रदेश दवा उत्पादन में अग्रणी राज्य है। यहां पर हजारों दवा उद्योग संचालित हो रहे हैं। यहां पर बनी दवाएं विदेशों में भी जाती हैं। केंद्रीय दवा नियंत्रक मानक संगठन (सीडीएससीओ) देशभर से हर महीने दवाओं के सैंपल लेता है और लिए गए दवाओं के सैंपल की रिपोर्ट जारी करता है। हर महीने कई दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती हैं। शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में 48 दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरीं हैं। इनमें अधिकतर दवाएं स्वतचाप, बुखार, जुकाम, कोमोथैरेपी एवं दर्द निवारक हैं। इन दवाओं में 17 हिमाचल प्रदेश में निर्मित हुई हैं। अन्य दवाएं पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में बनी हैं। सीडीएससीओ ने संबंधित राज्यों को इन उद्योगों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश भी जारी किए हैं। दवाओं की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप न हो तो प्रश्न उठना स्वाभाविक है। इन दवाओं के सेवन से स्वास्थ्य से नुकसान की आशंका तो रहती है लोगों को आर्थिक क्षति भी होती है। ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि दवाओं को बाजार में उतारने से पहले ही उनकी गुणवत्ता की जांच की जानी चाहिए और गुणवत्ता में सही पाए जाने पर ही बाजार में भेजी जानी चाहिए। दवाओं की जांच के लिए प्रयोगशालाओं की संख्या भी बढ़ाए जाने की आवश्यकता है ताकि दवाओं के सैंपल की जांच जल्द हो सके। इसके साथ ही जिन लोगों ने इन दवाओं का सेवन किया है उन्हें भी इनकी कीमत लौटाई जानी चाहिए। ऐसे उद्योगों पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए जिनकी दवाएं बार-बार मानकों पर खरी नहीं उतर रही हैं। उम्मीद करें कि दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

हिमाचल प्रदेश में बनने वाली दवाओं की गुणवत्ता में खरावी के मामले गंभीर हैं

संभव हैं एक साथ चुनाव

संजय गुप्त

एक साथ चुनाव का विषय एक ऐसा विचार है, जो दलगत राजनीतिक हितों से ऊपर उठने की मांग करता है

इन दिनों एक साथ चुनाव की चर्चा हो रही है। इस बहस के संदर्भ में यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि स्वतंत्रता के उपरांत लगातार चार बार लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ-साथ ही हुए। यह सिलसिला 1951-52 से लेकर 1967 तक कायम रहा। यह सिलसिला टूटा इसलिए, क्योंकि कई राज्य सरकारों को बर्खास्त कर दिया गया या विधानसभाओं को समय से पहले भंग कर दिया गया। एक कारण यह भी रहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राजनीतिक लाभ लेने की खातिर समय से पहले लोकसभा भंग कराकर आम चुनाव कराना पसंद किया। एक तथ्य यह भी है कि 1967 के बाद लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का सिलसिला टूटने के उपरांत भी वर्तमान में लोकसभा के साथ कई राज्यों के विधानसभा चुनाव होते हैं। इस बार लोकसभा चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही हुए।

एक राष्ट्र-एक चुनाव के विषय पर इसलिए गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि लोकसभा चुनाव के बाद रह-रहकर होने वाले विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव सरकारी कामकाज की गति को बाधित करने, नौकरशाही एवं जनता का ध्यान बंटाने और राजनीतिक दलों की प्राथमिकता बदलने का काम करते हैं। जब भी कहीं कोई चुनाव होते हैं, आचार संहिता प्रभावी हो जाती है और उसके चलते कई सरकारी कामकाज रुक जाते हैं और सरकारें इस दौरान कोई नीतिगत फैसला भी नहीं ले पातीं। बार-बार होने वाले चुनावों के कारण अच्छा-खासा समय चुनाव आचार संहिता की भेंट चढ़ जाता है। सरकारें और जनप्रतिनिधि कई बार अपने वादों को पूरा न कर पाने के लिए आचार संहिता को दोष देते हैं। कुछ जनप्रतिनिधि तो अपने वादों को पूरा करने के बजाय जनता को यह आश्वासन देते रहते हैं कि यदि उनके दल को अगले विधानसभा या स्थानीय निकाय के चुनाव में जीत हासिल हुई तो वह अपने वादे को अवश्य पूरा करेंगे।

एक साथ चुनाव का विचार नया नहीं है, लेकिन इतना अवश्य है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में केंद्र की सत्ता संभालने के बाद से इसे आगे बढ़ाया और बार-बार इसकी पैरवी की कि एक साथ चुनाव कराए जाने चाहिए। उन्होंने इससे होने वाले लाभ भी गिनाए। एक साथ चुनाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय देने के लिए ही मोदी सरकार ने लोकसभा चुनाव के पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में एक समिति गठित की। इस समिति में विरोधी दलों के भी कुछ नेता शामिल किए गए। इस समिति ने सभी दलों के नेताओं से व्यापक विचार-विमर्श किया और एक साथ चुनाव के विषय पर उनकी राय भी मांगी। इस समिति ने इसी वर्ष के आरंभ में अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी थी। इस रिपोर्ट में विस्तार से यह बताया गया है कि एक साथ चुनाव कैसे हो सकते हैं और इसमें आने वाली बाधाओं को किस तरह दूर किया जा सकता है। पिछले दिनों केंद्रीय कैबिनेट ने एक साथ चुनाव कराने के विचार पर अमल करने की दिशा में आगे बढ़ने का फैसला किया। इस फैसले के संदर्भ में यह भी कहा गया कि 2029 यानी अगले लोकसभा चुनाव तक एक राष्ट्र-एक चुनाव का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। कैबिनेट के इस फैसले की घोषणा होते ही विपक्षी दलों ने घिसे-पिटे तर्कों के साथ इसका विरोध करना शुरू कर दिया। किसी ने कहा कि ऐसा करना संविधानसम्मत नहीं तो किसी ने दलील दी की यह व्यावहारिक नहीं। कुछ दलों ने तो एक साथ चुनाव के विचार को वास्तविक

अवधेश राजपूत

मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने का मोदी सरकार का हथकंडा करार दिया। लगता है ऐसा कहने वाले यह समझने को तैयार नहीं कि यह एक ऐसा विषय है, जो दलगत राजनीतिक हितों से ऊपर उठने की मांग करता है। यह वह विचार है, जिसे अमल में लाने के लिए राजनीतिक दलों को आमराय कायम करनी चाहिए, क्योंकि इससे राष्ट्रीय संसाधनों की बचत तो होगी ही, आम जनता, राजनीतिक दलों और सरकारों को अपने दायित्वों का निर्वहन करने में आसानी भी होगी।

जो विपक्षी दल एक साथ चुनाव का विरोध कर रहे हैं, उनके पास ले देकर यही तर्क है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होने से राष्ट्रीय मुद्दे प्रांतीय मुद्दों पर हावी हो जाएंगे और इससे क्षेत्रीय दलों को नुकसान हो सकता है। यह तर्क इसलिए गले नहीं उतरता, क्योंकि आंध्र प्रदेश और ओडिशा के क्षेत्रीय दलों ने कभी यह शिकायत नहीं की कि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होने से उन्हें नुकसान होता है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा विधानसभा के चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ होते रहने से यह आशंका भी निर्मूल साबित होती है कि मतदाता एक साथ होने वाले दोनों चुनावों में किसी एक ही दल को वोट देने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। वास्तव में क्षेत्रीय राजनीतिक दल जिन तर्कों का सहारा लेकर एक साथ चुनाव का विरोध कर रहे हैं, उनमें कोई दम नहीं। यह आश्चर्यजनक है कि जिस कांग्रेस के केंद्र की सत्ता में रहते समय कई बार लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ हुए, वह भी विरोध में खड़ी हो गई है। कहीं इस विरोध के पीछे यह आशंका तो नहीं कि उसके पास गांधी परिवार के सदस्यों के अतिरिक्त लोकप्रिय नेता नहीं। जो भी हो, कम से कम कांग्रेस को तो क्षेत्रीय दलों जैसा व्यवहार नहीं ही करना चाहिए। उसके समेत अन्य राजनीतिक दलों को एक साथ चुनाव के विचार को आगे बढ़ाने के लिए इसलिए आगे आना चाहिए, क्योंकि इससे एक तो केंद्र और राज्य सरकारों को कम से कम साढ़े चार वर्ष तक बिना किसी बाधा के जनकल्याण और विकास के कामों पर पूरी तरह ध्यान देने का अवसर मिलेगा और दूसरे बार-बार होते रहने वाले चुनावों के कारण खपने वाले संसाधनों की बचत भी होगी। एक अनुमान के अनुसार एक साथ चुनाव होने से जीडीपी में डेढ़ प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। इस बढ़ोतरी का लाभ अर्थव्यवस्था और देश की जनता को मिलेगा। एक साथ चुनाव के अन्य कई लाभ भी हैं। एक लाभ तो यही है कि राजनीतिक दलों को रह-रहकर चुनावी मुद्रा अपनाने और अपने संसाधन खर्च करने से भी मुक्ति मिलेगी। अच्छा होगा कि राजनीतिक दल एक साथ चुनाव के विचार को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय देश की भलाई की चिंता करें।

response@jagran.com

एक नामी अपराधी की शोक सभा

हास्य-व्यंग्य

कमल किशोर सक्सेना

सभा में एनकाउंटर में किसी तरह का कोटा न तय करने को लोकतंत्र और समानता के खिलाफ करार दिया गया

जिस प्रकार एक सरकारी कर्मचारी निलंबित हुए बिना पूर्णता को प्राप्त नहीं होता, ठीक उसी प्रकार इनकम टैक्स का छापा पड़े बिना पिद्दी भर के अमीर की गिनती सेठों में नहीं होती। इसी प्रकार पुलिस एनकाउंटर हुए बिना कोई अपराधी सच्चा, बड़ा और नामचीन नहीं कहलाता। इसी प्राचीन परंपरा का पालन करते हुए एक जरायमप्रेमी कई सरकारी गोलियां आत्मसात करने के बाद इस फानी दुनिया से फना हो गया। उसके सिर पर इनाम भी रखा गया था। इसका अर्थ यह कदापि नहीं कि शरीर के अन्य अंगों पर अलग-अलग इनाम घोषित था। 'सिर पर इनाम' वस्तुतः एक पुलिसिया मुहावरा है। इसमें इनाम तो सिर पर होता है, किंतु शेष शरीर मुफ्त में प्राप्त हो जाता है। उसके महाप्रयाण के बाद एक शोक और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें उसकी बिरादरी के अलावा कुछ ऐसे लोगों ने भी हिस्सा लिया, जिन्हें समाज में सफेदपोश कहा जाता है। सभा में सबसे पहले ताजा मृतक के आत्मा की शांति के लिए दो मिनट तक गोलियां दागी गईं। फिर छुरी-चाकू लहराए गए और उसके खिलाफ दर्ज मुकदमों का पाठ किया गया। हालांकि उपस्थित लोगों में इस बात पर मतभेद रहा कि मरने वाले के पास आत्मा नाम का कुछ था। कुछ वक्ताओं के अनुसार कर्तव्य की बलिवेदी पर प्राण न्योछावर कर देने वाले इस महा अपराधी ने अपने जीवनकाल में ही अपना आत्मा उस जरूरतमंद राजनीतिज्ञ को बेच डाला था, जिसने सत्ता पाने के लिए अपना मूल आत्मा कहीं गिरवी रख दिया था।

हालांकि मृतक को 'स्वर्गीय' कहे जाने पर भी कुछ ने दबी जबान आपत्ति प्रकट की, लेकिन उनकी आपत्ति को यह कहकर खारिज कर दिया गया कि समाज में किसी मुर्दे की निंदा-आलोचना करने का रिवाज नहीं है, लेकिन इन सारे मतभेदों के बावजूद मृतक के नूरांस और पाशविक स्वभाव पर सब एकमत थे। उसके परलोक जाने पर शोक जताने के बाद उसके महिमामंडन की होड़ शुरू हुई। इस दौरान अपराधी के बेजान जिस्म को बोरे में सील करके पोस्टमार्टम के लिए भेजने पर भी गहरी नाराजगी जताई गई। एक वक्ता ने तो यहां तक कहा कि मृत शरीर को सम्मान देना हमारे संस्कारों में है। दूसरे वक्ता ने अपने उद्गार रोते हुए इन शब्दों में व्यक्त किए, ''तातश्री का संपूर्ण जीवन नए गुंडों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने मामूली जेबकतरे के रूप में अपना करियर प्रारंभ किया था। फिर कड़े संघर्ष के बाद छेड़खानी करना, बैंक, ज्वैलर्स की दुकानें लूटना, फिरौती के लिए अपहरण करना सीखा। थोड़े ही समय में वह अन्य अपराधियों के कान और निर्दोष लोगों का गला काटने में निपुण हो गए। पुलिस की नजरों में धूल झोंकना उनके बाएं हाथ का खेल था, जबकि दाएं हाथ का प्रयोग वह पिस्तौल चलाने में करते थे। वह मोबाइल के जरिये लोगों के ठगने के गुर भी सीख ही रहे थे कि पुलिस की निगाह में आ गए।''

तमाम महिमामंडन के बीच सभा में एक नेता ने मंच की शोभा बढ़ाई। वक्ता महोदय ने गला खंखार कर सभा को संबोधित करना शुरू किया, ''प्रिय अपराधीप्रेमी और आपराधिक प्रवृत्ति वाले भाइयों! हमारे एक भाई को पिछले दिनों पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। यह सोची-समझी साजिश है, क्योंकि मरने वाला मेरी बिरादरी का था। मैं देश के हुक्मरानों से पूछना चाहता हूं कि एनकाउंटर जैसे कार्य में 'सर्वपंच सभाबाद' पर अमल क्यों नहीं किया जाता? आखिर पुलिस की गोली कब तक अपराधी की जाति देखकर आग उगलेगी? एनकाउंटर में कोटा क्यों नहीं तय किया जाता? किसी तरह का कोटा न तय करने की प्रवृत्ति लोकतंत्र, पंथनिरपेक्षता और समानता के भी खिलाफ है। हम अपने बलिदानी साथी की कुर्बानी बेकार नहीं जाने देंगे और सबकी ईंट से ईंट बजा देंगे। इसमें यह नहीं देखेंगे कि बजने वाली ईंट किस जाति वाले की दीवार तोड़कर निकाली गई है।''

response@jagran.com

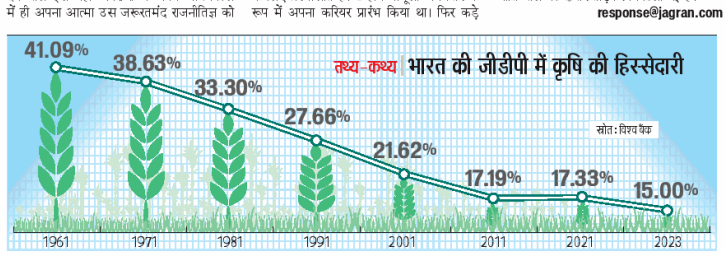

ऊर्जा

साधन और साध्य

हमारे ऋषि-मुनियों ने कहा है कि साध्य का अर्थ है जीवात्मा का सर्वोपरि लक्ष्य ईश्वर और साधन से अभिप्राय है इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले साधन एवं उपाय। इस प्रकृति के सभी भौतिक पदार्थ ईश्वर ने मनुष्य के उपभोग के लिए बनाए हैं। मनुष्य का यह दायित्व बनता है कि ईश्वर प्रदत्त इन भौतिक साधनों को अपने आध्यात्मिक उत्थान हेतु प्रयोग करते हुए मानव जीवन के अंतिम लक्ष्य ईश्वर को प्राप्त करे।

हमारे ऋषियों का चिंतन संसार के भौतिक पदार्थों को पूर्ण रूप से त्यागने का संदेश नहीं देता, अपितु प्रकृति के संपूर्ण पदार्थों, साधनों का त्याग पूर्वक उपभोग करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। समस्या वहां उत्पन्न होती है जब मनुष्य इन भौतिक पदार्थों को ही अपना सर्वोपरि लक्ष्य मानकर अज्ञान और लोभ के वशीभूत होकर अपने साध्य ईश्वर को भूल जाता है। सांसारिक भौतिक पदार्थ को ही वास्तविक जीवन मानना मनुष्य के जीवन में अशांति, तनाव और दुख को सृजित करता है। मानव जीवन की अमूल्य धरोहर को प्राप्त करके मनुष्य जीवन भर इन भौतिक साधनों को एकत्रित करने में ही व्यतीत कर देता है। मनुष्य को संसार के सभी भोग्य सामग्री का प्रयोग त्याग पूर्वक करना चाहिए, क्योंकि इनका वास्तविक स्वामी तो ईश्वर ही है। अंत में इन सभी पदार्थों को हमें छोड़ना पड़ता है।

इसलिए मनुष्य को अपने जीवन में साधन और साध्य के महत्व को समझना बहुत आवश्यक है। कहीं ऐसा न हो कि इस भौतिकता की चकाचौंध के चक्रव्यूह में फंसकर अपने लक्ष्य ईश्वर को ही भूल जाएं। साध्य को भूलना मानव जीवन का सबसे बड़ा दुर्भाग्य कहा गया है। संसार के सभी पदार्थों एवं साधनों का प्रयोग करते हुए हम अपने साध्य को प्राप्त करने में समर्थ बनें। साध्य की अनुभूति के बिना साधनों से परिपूर्ण जीवन मनुष्य के दुख का मूल कारण है।

आचार्य दीप चंद भारद्वाज

तकनीक रोकेगी प्राकृतिक आपदा

चेंद्रराज सुथार

मिशन मौसम का उद्देश्य मौसम संबंधी घटनाओं का सटीक पूर्वानुमान लगाना और उनके प्रभावों को नियंत्रित करना है

जलवायु परिवर्तन आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है। भारत जैसे विविध भौगोलिक परिस्थितियों वाले देश में इसका असर और भी ज्यादा महसूस किया जा रहा है। कभी अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ का कहर तो कभी सूखे की मार, इन चरम मौसमी परिस्थितियों ने देश के विकास और जनजीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने महत्वाकांक्षी परियोजना 'मिशन मौसम' की शुरुआत की है। मिशन मौसम का मुख्य उद्देश्य मौसम संबंधी घटनाओं का सटीक पूर्वानुमान लगाना और उनके प्रभावों को नियंत्रित करना है। यह परियोजना न केवल मौसम की भविष्यवाणी करने की क्षमता को बढ़ाएगी, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर कृत्रिम वर्षा कराने या अत्यधिक वर्षा को रोकने जैसी तकनीकों की भी विकसित करेगी। इसके अलावा यह मिशन आकाशीय बिजली और बादल फटने जैसी खतरनाक घटनाओं को रोकने में भी सहायक होगा।

इस मिशन का पहला चरण मार्च 2026 तक चलेगा और इसमें देशभर में 70 नए रडार, उच्च क्षमता वाले कंप्यूटर, 10 विंड प्रोफाइलर और 10 रेडियोमीटर स्थापित किए जाएंगे। ये उपकरण मौसम की गतिविधियों पर नजर रखने और उनका विश्लेषण करने में मदद करेंगे। दूसरे चरण में निगरानी क्षमता को और बढ़ाने के लिए अतिरिक्त उपग्रह और विमान तैनात किए जाएंगे। पुणे स्थित भारतीय मौसम विज्ञान संस्थान में एक विशेष क्लाउड चैंबर की स्थापना इस मिशन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह चैंबर विज्ञानियों को बढ़ते तापमान के संदर्भ में बादलों में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन करने में सक्षम बनाएगा। इस प्रयोगशाला में कृत्रिम रूप से बादल बनाए जाएंगे और उन पर विभिन्न प्रयोग किए जाएंगे। इससे विज्ञानियों को बादलों की प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी और वे यह पता लग पाएंगे कि किस प्रकार के बादलों में सीडिंग करके वर्षा कराई जा सकती है। बादल सीडिंग एक ऐसी तकनीक है जिसमें बादलों में विशेष पदार्थ डालकर वर्षा कराई जाती है।

वर्तमान में भारतीय मौसम विभाग ने देशभर में 39 डाप्लर रडार स्थापित किए हैं, लेकिन कोई विंड प्रोफाइलर नहीं है। भारत की तुलना में चीन में 260 रडार और 128 विंड प्रोफाइलर हैं, जबकि अमेरिका में 160 रडार और 100 विंड प्रोफाइलर हैं। मिशन मौसम इस अंतर को पाटने और भारत की मौसम निगरानी क्षमताओं को विश्व स्तर पर लाने का प्रयास करेगा। यह किसानों की फसल चक्र की बेहतर योजना बनाने में मदद कर सकता है, जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में सहायक हो सकता है और प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम कर सकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

राजरंग

कौन करेगा जांच?

तिरुपति मंदिर के प्रसाद में घी की शुद्धता को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। केंद्रीय जांच एजेंसी एफएसएसएआइ (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथारिटी आफ इंडिया) इसकी जांच करेगी, लेकिन खुद एफएसएसएआइ कितनी प्रामाणिकता से काम कर रही है, यह भी सवालों में है। जिस तरह बार-बार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का सवाल उठने के बाद एफएसएसएआइ हरकत में आती है, उससे इस एजेंसी की सक्रियता का स्तर स्पष्ट होता है। हाल में बड़ा विवाद तब हुआ था जब दूध की ए1 और ए2 क्वालिटी को लेकर उसने एक आदेश दिया और ए2 लेबल से दूध उत्पाद बेचने से मना कर दिया। बात ऊपर तक पहुंची और कुछ अनिश्चितता का अंदेशा बढ़ा तो तत्काल आदेश वापस ले लिया। अब लोगों के मन में यह जिज्ञासा है कि एफएसएसएआइ का पुराना निर्देश क्या वैज्ञानिक आधार पर था या कारण कुछ और था? क्या इसकी कोई जांच करेगा?

सर्वव्यापी मुंडा

राजनीति में परिवारवाद पर चर्चा तो खूब होती है, किंतु झारखंड में एक ऐसा परिवार है, जिसके सभी सदस्यों ने अलग-अलग दल थाम लिया है। प्रदेश में चाहे जिस पार्टी की सरकार हो, परिवार का प्रभाव कभी कम नहीं होता। मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री रह चुके अर्जुन मुंडा को लोकसभा चुनाव में हराने वाले कालीचरण मुंडा चार भाई हैं। चारों की राजनीति चार दिशाओं में है। वह स्वयं कांग्रेस के टिकट पर खूंटी क्षेत्र से सांसद चुने गए हैं। दूसरे भाई नीलकंठ सिंह मुंडा खूंटी क्षेत्र से ही भाजपा के विधायक हैं और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के करीबी माने जाते हैं। कालीचरण के तीसरे भाई हैं, सुखदेव मुंडा, जो तमाड़ विधानसभा क्षेत्र से आजसू से टिकट के प्रबल दावेदार हैं। चौथे भाई अभी राज्य में सत्तारूढ़ झामुमो में हैं। वह अपने क्षेत्र के प्रभावी नेता माने जाते हैं। चारों भाइयों ने चार अलग-अलग दलों को पकड़ रखा है। पार्टियां भिन्न हैं, मगर परिवार एक है। सबका व्यवसाय भी संयुक्त है। चारों की राजनीति भी उसी हिसाब से होती है। प्रत्यक्ष में अपने दल के हिसाब से और परोक्ष में परिवार के हिसाब से।

कपूत या सपूत

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी लगातार विपक्ष के निशाने पर तो रहा ही है, हाल के दिनों में कोर्ट के भी निशाने पर आ गया। इसी बीच वैश्विक स्तर पर काम करने वाली संस्था एफएटीएफ ने कह दिया कि मनी लांड्रिंग और आतंकी फंडिंग रोकने के लिए भारत में बेहतर काम हुआ है। अब यह समीक्षा करने वालों को देखना होगा कि केंद्र सरकार की इस एजेंसी का रिपोर्ट कार्ड कैसा है, जिसे घर के बाहर सराहना मिल रही है।

नेताजी की खुशी

एक देश-एक चुनाव को लेकर कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल भले ही विरोध में हों, लेकिन अंदरखाने उनके कई नेता इस फैसले से खुश भी हैं। उनकी खुशी की कई वजहें हैं। एक वजह यह है कि लोकसभा-विधानसभाओं के चुनाव साथ में हुए तो इससे सियासी परिवारों का वर्चस्व खत्म हो जाएगा। ऐसे दलों के लिए यह मुश्किल होगी कि एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में परिवार के लोगों को उतार दें। ऐसे में पार्टी की दूसरी पंक्ति के नेताओं को भी चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। यदि 2029 तक परिसीमन हुआ तो सीटें भी बढ़ेंगी। इससे उनके लिए संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। देखना दिलचस्प होगा कि एक देश-एक चुनाव का विरोध करने वाले दल दूसरी पंक्ति में खड़े नेताओं की भावनाओं को समझते हैं या फिर उनकी खुशी की लहरें हिलोरें मारते हुए दूसरे किसी ठिकाने को चुनती हैं।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

420 पद स्वीकृत हैं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के आर्कियोलाजी कादर में जिनमें से 166 पद रिक्त थे, जबकि संरक्षण कादर में कुल स्वीकृत पद 918 थे जिनमें से 452 पद रिक्त थे। वर्ष 2022 में राज्य सभा में देश संस्कृति मंत्रालय की स्टैंडिंग कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार।

आजकल

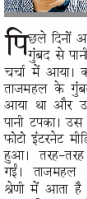

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

वैश्विक धरोहर पर लापरवाही का 'पौधा'

हमारे देश में ऐतिहासिक धरोहरों की देखरेख या रखरखाव का कार्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के जिम्मे है। हाल ही में आगरा के ताजमहल के गुंबद से पानी टपकने के वीडियो और फोटो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हुआ। यह इस संगठन की लापरवाही को ही दर्शाता है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनेक अवसरों पर धरोहरों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील होने का आह्वान किया है। ऐसे में वैश्विक धरोहरों के प्रति लापरवाही बरते जाने पर अनेक प्रकार के प्रश्न उठ रहे हैं

वैश्विक धरोहर ताजमहल : इनसेट में गुंबद पर उग आया पौधा और कुछ स्थानों पर टूटे हुए पत्थर। फाइल

पिछले दिनों आगरा के ताजमहल के गुंबद से पानी टपकने का समाचार चर्चा में आया। कारण बताया गया कि ताजमहल के गुंबद पर एक पौधा उग आया था और उसकी जड़ों से होकर पानी टपका। उस पौधे का वीडियो और फोटो इंटरनेट मीडिया पर खूब प्रचलित हुआ। तरह-तरह की टिप्पणियां की गईं। ताजमहल वैश्विक धरोहर की श्रेणी में आता है और इसके रखरखाव का दायित्व भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) का है। गुंबद से पानी टपकने के समाचार को पढ़ने के बाद जिज्ञासा हुई कि देखा जाए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की वेबसाइट पर ताजमहल के संबंध में क्या जानकारियां हैं। एएसआइ की वेबसाइट खोलते ही इसके मुख्य पृष्ठ पर ताजमहल की तस्वीर नजर आती है जहां लिखा भी है कि यह वैश्विक धरोहर है। वैश्विक धरोहर की देखरेख या रखरखाव इस तरह से की जाती है कि उसके ऊपर पौधा उग आए और अधिकारियों को हवा तक नहीं लगे। यहां यह बात ध्यान दिलाने योग्य है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का एक कार्यालय आगरा में भी है। इतना ही नहीं, आगरा किला की एक दीवार पर भी छोटे-छोटे पौधे उग आए हैं और वो बढ़ रहे हैं। उस पर पता नहीं कब तक एएसआइ के जिम्मेदार अफसरों का ध्यान जाएगा। इस बात को संस्कृति मंत्रालय के रहनुमाओं को समझना होगा कि संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत को संभालने और सहेजने के लिए संवेदनशील मानव संसाधन की आवश्यकता है। ऐसे मानव संसाधन की जिनको संस्कृति की समझ भी हो और उसको सहेजने को लेकर एक उत्साह भी हो।

ताजमहल की ही अगर बात करें तो न केवल गुंबद में पौधे उग आए हैं, बल्कि ध्यान से देखें तो मुख्य मकबरे में पश्चिम की दिशा में पत्थरों के बीच बीच लगे हुए कई शीशे भी टूटे हुए हैं। शीशे के अलावा भी दीवारों और गुंबदों के अंदर की तरफ की गई पच्चीकारी के रंगीन पत्थर कई जगह से निकले हुए हैं। पच्चीकारी के उन पत्थरों के निकल जाने से उतना क्षेत्र अजीब सा लगता है। पच्चीकारी के पत्थरों की कीमत तो कम ही होती है फिर क्या समस्या है। जानकारों का कहना है कि पत्थरों की कीमत भले ही कम होती है, लेकिन उसे लगाने में बहुत श्रम और समय लगता है। इस कारण उसे तत्काल नहीं बनवाया जाता है। दूसरा पक्ष यह है कि अगर पच्चीकारी के पत्थरों के टूटने के बाद अविलंब उसकी मरम्मत नहीं की जाती है तो पत्थरों को जोड़ना और भी मुश्किल हो जाता है। क्या भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारी या कर्मचारी ताजमहल का चक्कर नहीं लगाते या उन्हें ये सब दिखाई नहीं देता है या देखकर अनदेखा किया जाता है। बात तो इस पर भी होनी चाहिए कि क्या भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास इस वैश्विक धरोहर की देखभाल करने के लिए पर्याप्त धन है या नहीं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ ताजमहल में ही आपको इस तरह की लापरवाही दिखाई देगी, बल्कि कई विश्व प्रसिद्ध धरोहरों में और सैकड़ों वर्षों से भारतीय शिल्पकला के उदाहरण के तौर पर सीना ताने खड़े इमारतों में भी इस तरह के उदाहरण मिल सकते हैं।

इस संभ्रम में ही पूर्व में इस बात की चर्चा की जा चुकी है कि किस तरह से ओडिशा के कोणार्क मंदिर के प्रवेश द्वार पर लगे हाथी की सूंढ़ में दरार आ जाने के बाद उसे सीमेंट-बालू से भर दिया गया था। कोणार्क सूर्य मंदिर भी यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में है। कोणार्क मंदिर में इस तरह की लापरवाही न केवल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की लापरवाही, बल्कि अपने धरोहर को सहेजने की असंवेदनशील प्रवृत्ति को भी सामने लाता है। इसी तरह कभी आप प्रिपुरा के उनकोटि चले जाइए। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की लापरवाही का उदाहरण आपको पूरे परिसर में सर्वत्र बिखरा हुआ नजर आएगा। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वाधीनता के अमृत महोत्सव वर्ष में लाल किला की प्राचीर से देशवासियों से पंच प्रण की बात करते हैं जिसमें अपनी विरासत पर गर्व की बात करते हैं। विरासत पर गर्व करने के लिए यह बेहद आवश्यक है कि हम अपनी विरासत को संरक्षित करें। संस्कृति मंत्रालय के अधीन आनेवाली संस्था एएसआइ की अपनी विरासत को सहेजने में लापरवाही व उदासीनता दिखाई देती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में 13 दिसंबर 2022 को राज्यसभा में संस्कृति मंत्रालय की स्टैंडिंग कमेटी ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। संस्कृति मंत्रालय से संबद्ध संसद की इस समिति ने अपनी रिपोर्ट संख्या 330 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कामकाज को लेकर गंभीर प्रश्न उठाए थे। रिपोर्ट में समिति ने मंत्रालय/ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में धनराशि के उपयोग को लेकर बेहद कठोर टिप्पणी भी की थी। समिति के मुताबिक मंत्रालय ने अपने उत्तर में इस बात का उल्लेख नहीं किया है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को जो धनराशि आबंटित की गई थी उसका आबंटन और उपयोग किस तरह से किया गया। इसके अलावा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में खाली पदों को भरने में हो रहे विलंब पर भी समिति ने कठोर टिप्पणियां की थी। पता नहीं उसके बाद क्या हुआ। क्या भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में विशेषज्ञों की नियुक्ति हुई या अफसरों के भरोसे ही कार्य चलाया जा रहा है। तब समिति की रिपोर्ट में बताया गया था कि एएसआइ के आर्कियोलाजी कादर में 420 पद स्वीकृत हैं जिसमें से 166 पद खाली थे। संरक्षण कादर में कुल स्वीकृत पद 918 थे जिनमें से 452 पद रिक्त थे। संस्कृति मंत्रालय के कामकाज को लेकर संसदीय समिति की इस रिपोर्ट में इस बात पर नाराजगी जताई गई थी कि लगभग 50 प्रतिशत पद कैसे खाली हैं। क्या मंत्रालय या भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इस बात का आकलन नहीं कर पाई थी कि भविष्य में कितने पद खाली होनेवाले हैं।

वस्तुतः संस्कृति मंत्रालय में कामकाज की एक अजीब सी संस्कृति पनप गई है। मंत्रालय में संवेदनहीन अधिकारियों के साथ साथ उन बाहरी संस्थाओं को कई कार्य करने का दायित्व दिया गया है जिन्हें संस्कृति की समझ ही नहीं है। किसी पब्लिक रिलेशन एजेंसी को भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर छवि बनाने के काम में लगाया गया था। उनके लोग संस्कृति से संबद्ध लेखकों-कलाकारों की बैठकों में नोट्स लेते हैं। उसके आधार पर पावर प्वाइंट बनाकर भारतीय संस्कृति की छवि बनाने का कार्य करने का प्रयास करते हैं। पता नहीं यह कार्य हो पाया या नहीं, लेकिन इन बैठकों में जब पब्लिक रिलेशन कंपनी से जुड़े लोग कलाकारों या शिक्षाविदों से पूछते कि नृत्य या संगीत की इतनी शैलियों को कैसे समेटा जाए तो हास्यास्पद स्थिति बन जाती। केवल प्रधानमंत्री मोदी ही नहीं, बल्कि भाजपा से लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तक भारतीय सांस्कृतिक विरासत को लेकर गंभीरता से संवाद और कार्य करने के पक्षधर हैं। बावजूद इसके संस्कृति मंत्रालय के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। सिस्टम अपनी गति से ही चलता रहता है। संस्कृति मंत्रालय में यथास्थितिवाद के झकझोरनेवाला नेतृत्व चाहिए जो संस्कृति की बारीकियों को समझ सके, उसके विविध रूपों को लेकर गंभीर हो और अधिकारियों को प्रधानमंत्री की नीतियों को लागू करने के लिए न केवल प्रेरित कर सके, बल्कि कस भी सके।

विश्व नदी दिवस

भारत की नदियां एवं उनका तंत्र

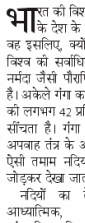

रमन कांत
अध्यक्ष, भारतीय नदी परिषद

भारत की विश्व में पहचान नदियों के देश के रूप में भी होती है। वह इसलिए, क्योंकि यहां गंगा जैसी विश्व की सर्वाधिक पवित्र नदी और नर्मदा जैसी पौराणिक नदी भी बहती है। अकेले गंगा का अपवाह तंत्र भारत की लगभग 42 प्रतिशत जनसंख्या को सींचता है। गंगा के अतिरिक्त गंगा अपवाह तंत्र के अंदर व उससे बाहर ऐसी तमाम नदियां हैं जिन्हें गंगा से जोड़कर देखा जाता है।

नदियों का देश के आर्थिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज भी देश की सर्वाधिक जनसंख्या का घनत्व एवं कृषि का विकास नदी घाटी क्षेत्रों में पाया जाता है। प्राचीन काल में व्यापारिक एवं यातायात की सुविधा के कारण देश के अधिकांश नगर नदियों के किनारे ही विकसित हुए थे तथा आज भी देश के लगभग सभी धार्मिक स्थल किसी न किसी नदी से अटूट संबंध रखते हैं।

भारत की नदियों को क्षेत्रफल के आधार पर तीन प्रकार से बांटकर देखा जाता है। जिन नदियों का बेसिन 20 हजार वर्ग किमी या उससे अधिक है, उन्हें प्रमुख नदी बेसिन वाली नदियों में गिना जाता है जिसमें भारत की करीब 14 नदियां शामिल हैं तथा भारत का 84 प्रतिशत भू-भाग इन नदियों के बेसिन के अंतर्गत आता है। इसके अतिरिक्त मध्यम अपवाह तंत्र में उन नदियों को शामिल किया जाता है जिनका अपवाह तंत्र दो हजार से लेकर 20 हजार वर्ग किमी के मध्य होता है, इसमें देश की करीब 44 नदियां शामिल हैं। दो हजार वर्ग किमी से कम अपवाह क्षेत्र की नदियां लघु अपवाह तंत्र में शामिल हैं, जिसमें कि पश्चिमी घाट से निकलने वाली नदियां प्रमुख हैं।

बरसात के दौरान प्रत्येक वर्ष यह देखने को मिलता है कि हिमालय से निकलने वाली नदियां तबाही मचाती हैं, जबकि प्रायद्वीप भारत की नदियों से उस प्रकार की पीड़ा नहीं होती है। इसके लिए हमें यह समझना आवश्यक है कि हिमालय की नदियां नवीन हैं जो अभी भी अपनी घाटियों का निर्माण कर रही हैं, जबकि प्रायद्वीप की नदियां वृद्धावस्था में पहुंच चुकी हैं तथा वे अपनी घाटियों का निर्माण भी पूरा कर चुकी हैं।

नदियों का इतना महत्व क्यों है? इनके किनारे ही विश्व के अनेक बड़े शहर और सर्वाधिक आबादी क्यों बसी है? नदियों को जीवनदायिनी क्यों माना जाता है? इन सब सवालों का एक ही जवाब है कि नदियां ऐसा तंत्र हैं जिनमें लगातार पानी रहता है। नदियों की प्रकृति ऐसी है कि जब उनमें पानी रहेगा तो वहां का भूजल स्तर भी बना रहेगा। नदियों से जहां पेयजल आपूर्ति होती है, वहीं कृषि क्षेत्र के लिए भी पानी मिलता है। नदियां अर्थ तंत्र की रीढ़ के रूप में भी कार्य करती हैं, उसमें चाहे कृषि हो, पर्यटन हो या फिर जल परिवहन। भारत तो नदियों का देश कहलाता है। भारत में नदियों के मायने आर्थिक के साथ-साथ धार्मिक भी हैं। तमाम ऋषि-मुनियों ने नदियों किनारे तप करके सिद्धियां प्राप्त की हैं। भारत के अनेक महापुरुषों ने नदियों के किनारे ही अपने ज्ञान के प्रकाश से समाज को लाभान्वित किया है।

भारत एवं नदियां एक दूसरे के पूरक हैं। नदियों के साथ भारतीय समुदाय का जुड़ाव अधिक गहरा है। नदियों के बिना मानव अस्तित्व संभव नहीं है। लिहाजा हमें इसके संरक्षण की दिशा में सकारात्मक प्रयास निरंतर जारी रखना होगा।

पोस्ट

कोई अपनी आस्था के साथ क्या करता है, धर्म के नियम कितना मानता है, यह उसका निजी विषय हो सकता है। कुछ लोग अपने धर्म से हटकर कुछ खाते हैं तो यह उनका विषय है, पर ठगकर, छुपाकर, न बताकर कुछ अधार्मिक या अखाद्य बेचना देना न सिर्फ गलत है, बल्कि अपराध है। तिरुपति मंदिर के प्रसाद में अधार्मिक-अखाद्य की मिलावट अपराध है। सजा होनी चाहिए।
दिलीप मंडल@Profdilipmandal

बाजार में मिलने वाले सारे देसी घी की जांच हो। शुद्ध देसी घी के नाम पर क्या बेचा जा रहा है, जरा इसका भी तो पता चले। साथ ही, जांच करने वालों की भी जांच हो कि वे बिना जांच के अरिश्वर जांच का प्रमाणपत्र कैसे दे देते हैं।
अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

लोकतंत्र का मतलब अपने देश की आलोचना करने की आजादी भी है, लेकिन लगता है इससे अपने देश के अच्छे कदमों की प्रशंसा करने की आजादी शामिल नहीं है। शेहला राशिद@Shehla_Rashid

शुरू में रिश्म पत मेरे लिए एक पहेली थे, पर एक बार जब उन्हें समझ लिया, तो मुझे अहसास हुआ कि यह एक दुर्लभ रत्न हैं! प्रतिभाओं को खोजने की हमारी उस जमीनी व्यवस्था की जय हो जिसने उन्हें ढूंढा।
संजय मांजरेकर@sanjaymanjrekar

हम कुता पालक समाज बनते जा रहे हैं तो गाय या भैंस का शुद्ध देसी घी कैसे मिल पाएगा। सोचिए?
हर्ष वर्धन त्रिपाठी@MediaHarshVT

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या तिरुपति मंदिर के साथ अन्य मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने के लिए केंद्र सरकार को पहल करनी चाहिए?

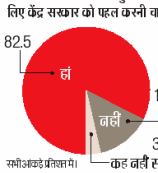

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या तिरुपति के प्रसाद मामले की सीबीआइ जांच होनी चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

लड्डू खाय प्रसाद का हुए भगत जी भ्रष्ट,
चले कमाने पुण्य थे धर्म ही गया नष्ट।
धर्मही गया नष्ट ट्रस्ट जनता का तोड़ा,
लगा जगन को पाप गिरा सत्ता का घोड़ा!
मंदिर पर भी आज भरोसा टूटा दड़ू,
बोलो कैसे खाय प्रसादी वाला लड्डू?
– ओमाकाश तिवारी

रचनाकर्म

धर्म के मर्म को समझने का आख्यान

आकांक्षा अवस्थी

यह पुस्तक धर्मशास्त्रों में प्रतिपादित समाजशास्त्र के आधारभूत सिद्धांतों को प्रस्तुत करती है। धर्मसम्मत परंपराओं और नियमों को प्रस्तुत करते हुए समाजशास्त्र की अवधारणाओं को आधुनिक संदर्भ में स्पष्ट करने का प्रयास करती है...

पुस्तक : अद्वितीय समाजशास्त्र
लेखक : प्रो. रामेश्वर मिश्र 'पंकज'
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
मूल्य : 650 रुपये

धर्म शब्द अत्यंत व्यापक है। वह समस्त प्राणियों तथा समस्त महाभूतों के गुण, लक्षण, सामर्थ्य एवं वृत्ति को दर्शाता है। मनुष्य के संदर्भ में धर्म का अर्थ है मानव धर्म। मानव के लिए सनातन धर्म में शास्त्रीय विधान एवं प्रविधान व्यापकता से विवेचित हैं। वस्तुतः भारतवर्ष में धर्मशास्त्रों का प्रणयन प्राचीन काल में हुआ था और इस प्रकार हजारों वर्ष पूर्व से धर्मशास्त्र अस्तित्व में हैं। यह पुस्तक मुख्यतः धर्मशास्त्रों पर आधारित है। इसमें धर्मशास्त्र के कतिपय विद्वानों से साक्षात्कार और वार्ता का विवरण है, ताकि स्पष्ट हो कि वे वर्तमान में धर्मशास्त्रीय प्रविधानों की कैसी स्थिति देखते हैं। पुस्तक तीन खंडों में है।

प्रथम खंड के अध्याय एक में समकालीन भारत में हिंदू समाज और जीवन में धर्मशास्त्रों की विधिक स्थिति का निरूपण किया गया है। द्वितीय अध्याय में धर्मशास्त्रों में प्रतिपादित सामान्य धर्म की यूरोपीय मानववाद या मानवतावाद से तुलनात्मक विवेचना की गई है। तृतीय अध्याय में भारत के मनुष्यों के लिए धर्मशास्त्रीय विधान और प्रावधानों का विस्तार से निरूपण किया गया है और सामाजिक व्यवहार और आचरण के विषय में प्रचलित स्पष्ट नियमों की मीमांसा की गई है। चतुर्थ अध्याय में इस बात की विवेचना की गई है कि सामान्य धर्म विश्व भर के मानव के लिए है तथा इसके साथ ही प्रत्येक जनपद के अपने जानपद धर्म होते हैं। पंचम अध्याय में कुल, गोत्र, वर्णों और समाज के सभी समूहों के पारस्परिक संबंधों के विषय में धर्मशास्त्रीय प्रावधानों की विवेचना की गई है। छठे अध्याय में समाज की विविध इकाइयों का विश्लेषण है और धर्मशास्त्रों में उनके प्रतिपादक को स्पष्ट किया गया है। सातवें अध्याय में सामान्य धर्म, वर्ण धर्म, आश्रम धर्म, विशेष धर्म, राजधर्म और स्वधर्म की विस्तृत विवेचना है।

खंड दो के अध्याय एक में समाज और राज्य के संबंधों की विवेचना है। खंड दो के अध्याय चार में समाज और राज्य के कर्तव्य और अधिकारों के आधारों और स्वरूप पर चर्चा की गई है। पांचवां अध्याय राजकोष और उसके धर्मप्रय स्वरूप पर है। अंतिम तृतीय खंड के अध्याय एक में ही गृहस्थ आश्रम की शास्त्रीय विवेचना है और अन्य आश्रमों से गृहस्थ आश्रम के संबंध पर संक्षेप में धर्मशास्त्रीय प्रतिपादन प्रस्तुत किया गया है। अध्याय दो में विवाह के प्रकार और उनकी वैधता के स्वरूप पर चर्चा की गई है। तृतीय अध्याय में संततियों के प्रकार और संपत्ति विभाजन के विषय में शास्त्रीय नियमों पर चर्चा है। चतुर्थ अध्याय में धर्मशास्त्रों में प्रतिपादित नर-नारी संबंधों की विवेचना है। पंचम अध्याय में कर्मों की विवेचना है। यह पुस्तक धर्मशास्त्रों में प्रतिपादित समाजशास्त्र के आधारों और सिद्धांतों की प्रस्तुति के साथ व्यवहार में उनके अनुरूप चल रही परंपराओं और नियमों को प्रस्तुत करते हुए भारतीय समाजशास्त्र की धारणाओं व मान्यताओं को आधुनिक संदर्भ में स्पष्ट करने का प्रयास है, जिसकी नीति निर्धारण में उनकी उपादेयता भी सामने आ सके।

भारतवर्ष भाग्यशाली राष्ट्र रहा है कि यहां न केवल धार्मिक नियम लिपिबद्ध किए गए, वरन उन्हें सुरक्षित भी रखा गया है। आज से पंद्रह-सोलह सौ वर्ष पूर्व विश्व में सर्वत्र सनातन मूल्य व संस्कार ही प्रचलित थे। अनेक पुरातात्विक अवशेष भी इस मान्यता को पुष्ट करते हैं कि सर्वत्र सनातन धर्म व्याप्त था। हमारे धर्मशास्त्रों में धर्म संबंधी विस्तृत विवेचन है। प्राचीन काल से धर्मशास्त्रों के अंतर्गत बहुत से विषयों की विवेचना होती रही है। उल्लेखनीय है कि मनुस्मृति का मूल नाम धर्मशास्त्र ही है, जिसे हम सुविधा के लिए मानवशास्त्र भी कह सकते हैं।

धर्मशास्त्रों के ज्ञाता प्रो. रामेश्वर मिश्र ने संपूर्ण मानवता के उत्थान के लिए यह पुस्तक लिखी है। पाठकों को इस पुस्तक का अध्ययन और मनन-चिंतन करना चाहिए।

शासनकला के सूत्रों का संकलन

प्रणव सिरोही

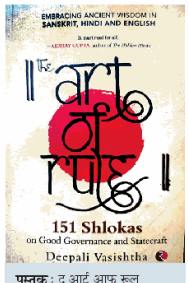

पुस्तक : द आर्ट आफ रूल
संकलन : दीपाली वशिष्ठ
प्रकाशक : रूपा पब्लिकेशंस
मूल्य : 295 रुपये

गुड गवर्नेंस और स्टेट्सक्राफ्ट यानी सुशासन एवं शासनकला जैसी संकल्पनाओं को पश्चिम की देन समझने वाले संभवतः भारतीय शास्त्रों की ज्ञान संपदा की शक्ति से भिज्ञ नहीं। प्राचीन भारतीय शास्त्रों पर दृष्टिपात किया जाए तो उनमें शासन के विभिन्न अवयवों से लेकर कूटनीति-राजनीति के अथाह मंत्र छिपे हुए हैं। ऐसे ही 151 मंत्रों की माला को दीपाली वशिष्ठ ने 'द आर्ट आफ रूल' नामक पुस्तक का रूप दिया है। रामायण, महाभारत से लेकर ऋग्वेद, यजुर्वेद, मनुस्मृति, विदुर नीति, हितोपदेश और राजतरंगिणी जैसे कई ग्रंथों से संकलित श्लोकों की इसमें बहुत अर्थपूर्ण ढंग से व्याख्या की गई है।

पुस्तक में शासन, राजधर्म, निर्णयन और आचार संहिता के साथ ही शासक के लिए अपने शत्रु की पहचान एवं उससे निपटने से जुड़े सूत्रों का सार्थक संकलन कर उनकी प्रभावपूर्ण प्रस्तुति की गई है। मसलन एक शासक के आदर्श गुण क्या होने चाहिए, उसके लिए न्यायप्रियता कितनी महत्वपूर्ण होनी चाहिए, उसे मंत्रणा के लिए किन पर भरोसा करना चाहिए आदि पहलुओं के आधार पर शासनकला के भेद सामने रखे हैं। संदर्भ के लिए व्यापक ग्रंथमाला का सहारा लिया गया है, जिससे लेखिका दीपाली वशिष्ठ संबंधित विषय के साथ न्याय करने में पूर्णतः सफल हुई हैं।

पुस्तक में उल्लिखित है, 'पिता हि सर्वभूतानां राजा भवति धर्मतः' अर्थात धर्म की दृष्टि से राजा सभी प्राणियों का पिता (पालक) होता है तो उसमें यह भी उल्लेख है, 'राज्ञो विप्रतिकूलस्थो न जातु सुखमेधते' यानी राजा के प्रतिकूल चलने वाला कभी सुखी नहीं हो सकता। बहीं प्रजा की चिंताओं के प्रति बेपरवाह राजा कभी अपने पद का सुपात्र नहीं हो सकता। विभिन्न पहलुओं को विविध प्रामाणिक संदर्भों के साथ समेटने वाली यह पुस्तक संग्रह योग्य है।

उत्तर मुगलकाल का सांगीतिक इतिहास

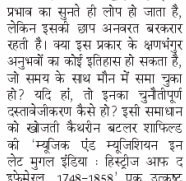

यतीन्द्र मिश्र

यह रचना उत्तर मुगलकालीन और प्रारंभिक औपनिवेशिक उपमहाद्वीप की दुनिया को भारतीय स्रोतों के दृष्टिकोण से प्राथमिकता देते हुए उनकी तुलना यूरोपीय स्रोतों से करने का प्रयास करती है

पुस्तक : म्यूजिक एंड म्यूजिशियन इन लेट मुगल इंडिया: हिस्ट्रीज आफ द इफेमेरल, 1748-1858
लेखिका : कैथरीन बटलर शाफिल्ड
प्रकाशक : कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली
मूल्य : 750 रुपये

अल्पकालिक, अस्थायी या क्षणिक अनुभव अधिकांशतः भावना, संवेदना, सौंदर्य, संगीत एवं नृत्य के सजीव प्रदर्शनों से आबद्ध होता है। इनके प्रभाव का सुनते ही लोप हो जाता है, लेकिन इसकी छाप अनवरत बरकरार रहती है। क्या इस प्रकार के क्षणभंगुर अनुभवों का कोई इतिहास हो सकता है, जो समय के साथ मौन में समा चुका हो? यदि हां, तो इनका चुनौतीपूर्ण दस्तावेजीकरण कैसे हो? इसी समाधान को खोजती कैथरीन बटलर शाफिल्ड की 'म्यूजिक एंड म्यूजिशियन इन लेट मुगल इंडिया : हिस्ट्रीज आफ द इफेमेरल, 1748-1858' एक उत्कृष्ट इतिहासलेखन है, जो 18वीं और 19वीं शताब्दी के दौरान भारतीय संगीत और संगीतकारों की दुनिया का बारीकी से अन्वेषण करती है। साथ ही, उथल-पुथल भरे उस युग में, संगीत और संगीतकारों ने विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों के बावजूद किस प्रकार अपने अस्तित्व को बनाए रखा और नई सामाजिक संरचना में पहचान बनाई, इसका भी भान देती है। इस राजनीति और सत्ता परिवर्तन ने संगीत को भी बदलकर रख दिया। दरबारों की शक्ति क्षीण होने के कारण संगीतकारों को संरक्षण के नवीन स्रोत तलाशने पड़े। इस प्रक्रिया में कई संगीत शैलियां विलुप्त हो गईं, जबकि कुछ ने नए सामाजिक संदर्भों में जगह तलाशी। लेखिका ऐतिहासिक दस्तावेजों, समकालीन लेखनों के बृहद और लगभग अप्रकाशित संग्रह एवं दृश्य स्रोतों को आधार बनाकर संगीतकारों के व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन की झलक पेश करते हुए मुगल दरबारों में संगीत केंद्रित सामाजिक पहचान और राजनीति, उस समय की अर्थव्यवस्था, सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों को सुलझ बनाती हैं। यहां भारतीय संगीत का एक समग्र चित्रण प्रस्तुत करती विभिन्न संगीत शैलियों और परंपराएं (ठाठरा, ठुमरी, खयाल) मौजूद हैं।

इस इतिहासपरक लेखन के भौगोलिक केंद्र में उत्तर भारत के विशाल जलोढ़ मैदान और चट्टानी पहाड़ियां हैं। कभी-कभी दक्षिण का दक्कन पठार भी परिदृश्य में उभरता है। मुगलों ने 1526-1858 तक भारतीय उपमहाद्वीप के बड़े हिस्सों पर शासन किया। प्रस्तुत सफरनामा शब्दों, रेखांकनों और चित्रों में मुहम्मद शाह रंगीला के शासनकाल (मृत्यु 1748) से लेकर ब्रिटिश क्राउन द्वारा विद्रोह को कुचलने के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी और अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर (1858) को एक ही झटके में हटाकर अंततः नियंत्रण प्राप्त करने तक निरंतर गतिमान रहता है। पुस्तक छह अंतर्विषयक निबंधों और एक समापन चर्चा के जरिए दरबारी संसार के नौ प्रमुख, परंतु बिसरा दिए गए अभिजात्य संगीतकारों (पांच पुरुष और चार महिलाएं) की गाथा को पुनर्जीवित करती है, जो मुगल से ब्रिटिश शासन के ऐतिहासिक सत्ता-परिवर्तन के दौरान अस्तित्व में थे। इनमें खुशहाल खान 'गुणसमुद्र', अंजा बरास, अदारंग, खानुम जान, सोफिया प्लाउडेन, महलका बाई, मयाली डांसिंग गर्ल, मियां हिम्मत खान, बहादुर शाह जफर जैसी शख्सियतें शामिल हैं। आरंभ मुगल साम्राज्य की राजधानी दिल्ली से होता है, जहां 1648 में शाहजहांनाबाद का शहर और भव्य किला बनकर तैयार हुआ था। तत्पश्चात, सांस्कृतिक संरक्षण के प्रमुख केंद्रों जैसे लखनऊ, हैदराबाद, जयपुर और ब्रिटिश संरक्षण वाले क्षेत्रों में 1748-1842 तक संगीतकारों के संरक्षण का अध्ययन उपलब्ध है। अंतिम अध्यायों में पुनः दिल्ली और लखनऊ की ओर पुनरागमन होता है, जहां मुगल साम्राज्य का अंतिम उत्कर्ष और अचानक पतन (1803-1858) का विवरण है। इस काल का सांस्कृतिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य, संगीत और कलाकारों पर इसका प्रभाव, पुस्तक के आखिरी भाग में विस्तृत रूप से समझाया गया है। सोफिया प्लाउडेन ईस्ट इंडिया कंपनी के एक उच्च अधिकारी रिचर्ड चिचेले प्लाउडेन की पत्नी थीं। वे लखनऊ में दो बार लंबे समय तक रहीं, जो अवध की स्वायत्त रियासत की राजधानी थी। फिरोज खान अदारंग को 'अपने युग का तानसेन' कहा जाता था।

पुस्तक बताती है कि संगीत एवं नृत्य का मुगल प्रभुत्व ब्रिटिश उपनिवेशवाद की सदी के दौरान क्यों और कैसे बदल गया? प्रत्येक अध्याय संगीत पर लेखन की एक अलग शैली पर केंद्रित है। लेखिका के अनुसार, 'इस काल के दौरान संगीत-तकनीकी ग्रंथों के साथ-साथ, हिंदुस्तानी संगीत पर लेखन की कई नई विधाएं उभरीं, जिससे न केवल उनकी विषय-वस्तु अपितु इन शैलियों का आगमन भी स्पष्टीकरण की मांग करता है। भारतीय-भाषा शैलियों के इस प्रसार में तजकिरा और वंशावली, गीत संग्रह, नवोन्मेषी संगीत नोटेशन, रागमाला पेंटिंग और कविता, पुराने और नए संगीत ग्रंथों की प्रतिलिपियां, नौकरशाही रिकार्ड और एथनोग्राफिक लेखन और पेंटिंग शामिल थीं।' यहां फारसी, ब्रजभाषा, उर्दू और अंग्रेजी में हिंदुस्तानी संगीत और उसके अनुभव से संबंधित लेखन का व्यापक मूल्यांकन शामिल है, जो 1593-1869 के बीच लिखे गए। संगीत इतिहासकारों, सांस्कृतिक अध्येताओं के लिए भारतीय संगीत के इतिहास, परंपराओं और सामाजिक संदर्भ को नई दृष्टि से प्रस्तुत करता ऐतिहासिक शोधग्रंथ, जिसे संगीत ही नहीं बल्कि, सामाजिक-राजनीतिक बदलते परिदृश्य की कहानी के तौर पर भी देखना चाहिए।

****

स्पाइसजेट ने तीन हजार करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली : नकदी संकट से जूझ रही विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने योग्य संस्थागत निवेशकों (क्यूआइपी) को शेयरों की बिक्री के जरिये तीन हजार करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि 48.70 करोड़ शेयरों की बिक्री के जरिये यह पैसा जुटाया गया है। इन शेयरों की बिक्री 61.60 रुपये प्रति शेयर पर की गई है। क्यूआइपी में कई विदेशी निवेशकों ने भी हिस्सा लिया था। (प्रेट्र)

हमने छह महीने में वैश्विक स्तर पर 100 से ज्यादा कारोबारों को स्थापित करने में मदद की है। हमारे शीर्ष-10 ग्राहक यूनिकार्न हैं।
– मनु मिढ़ा, संस्थापक, आरनिफि

2032 तक 10 ट्रिलियन डालर की होगी आर्थिकी

आइडीबीआइ कैपिटल ने कहा, प्रत्येक 18 महीने में एक ट्रिलियन डालर बढ़ेगी भारतीय इकोनमी

- आने वाले वर्षों में भारतीय आर्थिकी की वृद्धि में मैन्यूफैक्चरिंग का प्रमुख योगदान रहेगा
- कैलेंडर वर्ष 2024 के अंत तक चार ट्रिलियन डालर हो जाएगा भारतीय आर्थिकी का आकार

नई दिल्ली, एएनआइ: सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तेज वृद्धि और मैन्यूफैक्चरिंग में आ रही मजबूती की बदौलत भारतीय आर्थिकी का आकार 2032 तक 10 ट्रिलियन डालर हो सकता है। आइडीबीआइ कैपिटल ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि अगले छह वर्षों के दौरान भारतीय आर्थिकी में प्रत्येक 18 महीने में एक ट्रिलियन डालर की वृद्धि होगी और भारत 2030 में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिकी बन जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय आर्थिकी की तेजी में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की प्रमुख योगदान रहेगा और इसको मजबूत बनाने में मेक इन इंडिया पहल की प्रमुख भूमिका रहेगी। मैन्यूफैक्चरिंग आधार को मजबूत बनाने और देश को वैश्विक मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने के लिए मेक इन इंडिया पहल शुरू की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय आर्थिकी को एक ट्रिलियन डालर तक पहुंचने में कुल 63 वर्ष का समय लगा। हालांकि, बीते दशक में आर्थिकी में महत्वपूर्ण वृद्धि रही है और सिर्फ सात वर्ष बाद 2017 में भारत दो ट्रिलियन डालर की आर्थिकी बन गया था। 2020 में भारतीय आर्थिकी का आकार तीन ट्रिलियन डालर हो गया। लेकिन कोरोना महामारी से वृद्धि में नरमी रही है और चार ट्रिलियन डालर की आर्थिकी बनने का समय बढ़कर 2024 के अंत तक पहुंच गया है। आने वाले वर्षों में भारत का विकास तेजी से होने वाला है। भारत अभी दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिकी है। 10 वर्ष पहले 1.9 ट्रिलियन डालर की आर्थिकी के साथ भारत 10वें स्थान पर था। हाल में एसएंडपी ग्लोबल ने भी कहा था कि 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर से भारत 2030-31 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिकी बन जाएगा।

भारतीय आर्थिकी की वृद्धि में मैन्यूफैक्चरिंग की प्रमुख भूमिका रहेगी • प्रतीकात्मक

मैन्यूफैक्चरिंग में अमेरिका-चीन को पीछे छोड़ने की संभावना

रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले वर्षों में भारत मैन्यूफैक्चरिंग के लिहाज से प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा। भारत औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आइआइपी) में अमेरिका, चीन, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे प्रमुख देशों को पछाड़ देगा। निर्यात की संभावनाओं को लेकर रिपोर्ट में कहा गया है कि 2030 में वैश्विक निर्यात में भारत की करीब 25 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी और निर्यात का आकार दो ट्रिलियन डालर पर पहुंच जाएगा। 2024 में भारत का कुल निर्यात 776.7 अरब डालर रहने का अनुमान है।

पहले चार माह में 23 प्रतिशत बढ़ा एफडीआइ: आरबीआइ

नई दिल्ली, आइएएनएस: वैश्विक निवेशकों के बीच भी भारतीय आर्थिकी आकर्षक बनी हुई है। यही कारण है कि चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों यानी अप्रैल-जुलाई 2024 के दौरान भारत में कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) 23.6 प्रतिशत बढ़ा है। आरबीआइ के ताजा डाटा के अनुसार, इस दौरान भारत को 27.7 अरब डालर का एफडीआइ मिला है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 22.4 अरब डालर था। डाटा के अनुसार, कुल एफडीआइ में से तीन-चौथाई सिंगापुर, मारीशस, नीदरलैंड्स, अमेरिका, बेल्जियम और जापान से मिला है। इसी तरह, कुल एफडीआइ का तीन-चौथाई हिस्सा मैन्यूफैक्चरिंग, वित्तीय सेवाएं, कम्युनिकेशन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिसिटी और अन्य ऊर्जा क्षेत्रों में हुआ है।

2023-24 में फलों का उत्पादन 2.29 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, प्रेट्र: 2023-24 (जुलाई-जून) के दौरान देश में फलों का उत्पादन 2.29 प्रतिशत बढ़कर 11.27 करोड़ टन होने की उम्मीद है। इसमें आम, केला, अंगूर और कस्टर्ड सेब के अधिक उत्पादन का प्रमुख योगदान रहेगा। कृषि मंत्रालय ने शनिवार को तीसरे अग्रिम अनुमान में यह बात कही है। हालांकि, मंत्रालय ने खट्टे फल, अमरूद लीची, अनार और अनानास का उत्पादन गिरने की आशंका जताई है।

मंत्रालय का कहना है कि बागबानी उत्पादन सालाना आधार पर 0.65 प्रतिशत घटकर 35.32 करोड़ टन रह सकता है। सब्जियों का उत्पादन 20.58 करोड़ टन रहने का अनुमान है। इसमें टमाटर, गोभी, फूलगोभी और कई अन्य सब्जियों में वृद्धि से आलू और प्याज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों में कमी की भरपाई हो जाएगी। प्याज का उत्पादन 242.4 लाख टन, आलू का उत्पादन 5.70 करोड़ टन रहने की संभावना जताई गई है। टमाटर का उत्पादन 4.38 प्रतिशत बढ़कर 213.2 लाख टन होने का अनुमान है।

म्यूचुअल फंड्स की पहुंच बढ़ेगी

मार्केट रेग्युलेटर सेबी ने हाल में एक पहल की घोषणा की है जिससे भारत में म्यूचुअल फंड निवेश की पहुंच बढ़ सकती है। अगले तीन साल में, केवल 250 प्रति माह की एसआइपी के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश किया जा सकेगा। हमारे देश में वित्तीय भागीदारी को बढ़ाने और व्यापक बनाने की दिशा में यह एक अच्छा कदम है। वित्तीय बाजार के आब्जर्वर के तौर पर मैं इसे और ज्यादा लोगों को निवेश के दायरे में लाने की हमारी प्रगति के लिहाज से अच्छी घटना के तौर पर देखता हूं।

वीरेंद्र कुमार, संपादक, धनक डाट काम

बोनस

ये पहल, म्यूचुअल फंड के मुख्य उद्देश्यों में से एक के साथ मेल खाती है, खासतौर से भारतीय संदर्भ में। अपेक्षाकृत कम राशि के साथ कई स्टाक और बांड में भाग लेने की आसान बनाना। म्यूचुअल फंड कई व्यक्तियों से निवेश जमा करते हैं, जिससे उन्हें सिक्योरिटीज के डाइवर्स पोर्टफोलियो तक पहुंच मिलती है, जो किसी आम निवेशकों के लिए चुनौती भरा हो सकता है। 250 रुपये की एसआइपी इसी सोच को और आगे बढ़ाती है, और पेशेवर फंड मैनेजमेंट व डाइवर्स पोर्टफोलियो को ज्यादा लोगों की पहुंच में ला देती है। इसे सेबी प्रमुख ने म्यूचुअल फंड्स का सैशे (छोटे पैकेट) प्रारुप बताया, जिन्होंने रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों को बहुत बड़ी आबादी की पहुंच में ला दिया। ये एक सही तुलना है, क्योंकि ये रणनीति ऐसे देश में म्यूचुअल फंड को ज्यादा लोगों तक पहुंचा सकती है, जहां आबादी का बड़ा हिस्सा खुद को 500 या 1,000 रुपये की मौजूदा न्यूनतम एसपीआइ से बाहर पाता है।

हालांकि, भारत में म्यूचुअल फंड निवेश अभी भी बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है, विशेष तौर पर जटिलता के संदर्भ में। हम नए निवेशकों का स्वागत करते हैं, मगर हमें उन बाधाओं पर भी विचार करना चाहिए जिनका वे सामना कर सकते हैं। आज उपलब्ध अलग-अलग तरह के फंड, जिनमें से हरेक की अपनी खासियतें और रिस्क प्रोफाइल हैं, अनुभवी निवेशकों के लिए भी चुनौती खड़ी कर सकते हैं। नए निवेशकों के लिए तो ये जटिलताएं एक बड़ी चुनौती पेश करती हैं। खासकर उन लोगों के लिए, जिनकी आमदनी सीमित है और जो पैसों के मामले में ज्यादा गलतियां कर सकते हैं।

भारतीय फंड इंडस्ट्री के आसान-से-समझने वाले वेनिला डायवर्सिफाइड फंड्स से थीमैटिक, सेक्टोरल या दूसरी तरह के खास फंड्स के कारण ये चुनौती काफी मुश्किल हो गई है। आप इस पर सोचिए, जिसे मैंने वैल्यू रिसर्च के डाटा से निकाला है। 2018 में, भारतीय निवेशक के लिए उपलब्ध कुल इक्विटी फंड्स में से 61 प्रतिशत सरल डायवर्सिफाइड फंड थे। उस साल के बाद, एक बदलाव होना शुरू हुआ और अब पैटर्न लगभग उलट गया है। 2023 में लांच किए गए फंड्स में से 48 प्रतिशत डायवर्सिफाइड थे और 2024 में लांच किए गए फंड्स में से केवल 37 प्रतिशत डायवर्सिफाइड हैं। ये हास्यास्पद है। अगर म्यूचुअल फंड का लक्ष्य सरल, समझने में आसान निवेश के रास्ते देना है, तो फंड इंडस्ट्री द्वारा ये बदलाव 100 प्रतिशत निवेशक विरोधी है।

यह कुछ रेग्युलेटरी बदलावों और भारतीय फंड इंडस्ट्री द्वारा अपनाए गए रवैये के बीच बातचीत का नतीजा है। हालांकि आज ये मेरा विषय नहीं है, लेकिन ये 250 रुपये की स्कीम के साथ संभावित समस्या को दिखाता है। म्यूचुअल फंड विकल्पों की बढ़ती जटिलता और सही फंड चुनने की मुश्किल पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। हमें फंड विकल्पों को सरल बनाने और वित्तीय शिक्षा में सुधार की जरूरत को पहचानना चाहिए। वरना, अच्छी मंशा वाली पहल भी बुरे नतीजों की ओर ले जाएगी।

31 दिसंबर तक आवेदन करने पर देनी होगी कम निपटान राशि

- आयकर विभाग ने अधिसूचित की विवाद से विश्वास 2.0 योजना
- एक अक्टूबर से 31 दिसंबर तक आवेदन कर सकेंगे करदाता

नई दिल्ली, प्रेट्र: आयकर विभाग ने शनिवार को विवाद समाधान योजना 'विवाद से विश्वास 2.0' को अधिसूचित कर दिया। विभाग ने कहा कि इस योजना का लाभ लेने के लिए एक अक्टूबर से 31 दिसंबर 2024 तक आवेदन किया जा सकता है। योजना के तहत 31 दिसंबर को या इससे पहले घोषणा पत्र दाखिल करने वाले करदाताओं को इसके बाद घोषणा करने वालों की तुलना में कम निपटान राशि देनी होगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में आयकर विवादों के मामले में लंबित अपीलों को हल करने के लिए प्रत्यक्ष कर 'विवाद से विश्वास' योजना 2024 की घोषणा की थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कि इस योजना में 'पुराने अपीलकर्ता' की तुलना में 'नए अपीलकर्ता' के लिए कम निपटान राशि का प्रविधान है। आयकर विभाग ने योजना में हिस्सा लेने के लिए चार अलग-अलग फार्म भी अधिसूचित किए हैं। इसमें फार्म-1 करदाता की ओर से घोषणा करने के लिए, फार्म-2 प्राधिकारी द्वारा जारी किए जाने वाले प्रमाण पत्र के लिए, फार्म-3 करदाता की ओर से भुगतान की सूचना देने के लिए और फार्म-4 प्राधिकारी द्वारा कर बकाया के पूर्ण और अंतिम निपटान आदेश के लिए है। ये फार्म आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस समय करीब 35 लाख करोड़ रुपये की मांग वाले 2.7 करोड़ विवाद विभिन्न प्राधिकरणों में चल रहे हैं।

क्वालकाम ने इंटेल को खरीदने की इच्छा जताई

नई दिल्ली, एएनआइ: दिग्गज चिप निर्माता कंपनी क्वालकाम ने प्रतिद्वंदी इंटेल को खरीदने की इच्छा जताई है। इसको लेकर क्वालकाम ने इंटेल से संपर्क भी किया है। न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संबंध में क्वालकाम ने कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं दिया है। लेकिन हाल के दिनों में इस संबंध में चर्चाएं हुई हैं।

एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि सौदे में अभी भी बहुत बाधाएं हैं। दोनों चिप कंपनियों के विशाल आकार और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व को देखते हुए सौदे को महत्वपूर्ण रेग्युलेट्री जांच का सामना करना पड़ेगा। इंटेल अपनी प्रतिद्वंदी कंपनियों के मुकाबले कमजोर पड़ती जा रही है। इसी वर्ष अगस्त में इंटेल ने बताया था कि उसे 1.6 अरब डालर का तिमाही घाटा हुआ है। तब कंपनी ने 15 हजार नौकरियों में कटौती करने की योजना की घोषणा भी की थी।

भारतीयों में बढ़ रही कार मालिक बनने की लालसा

भारतीयों में कार का मालिक बनने की लालसा बढ़ रही है। यही कारण है कि कार खरीदने वालों में करीब 67 प्रतिशत लोग ऐसे रहे हैं, जो पहली बार कार के मालिक बने हैं। वाहनों की खुदरा बिक्री करने वाले प्लेटफार्म रिपनी ने जून-अगस्त 2024 के डाटा के आधार पर एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल कार खरीदारों में महिलाओं की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत है। इस अवधि में स्पोर्ट्स यूटीलिटी व्हीकल (एसयूवी) सबसे ज्यादा बढ़ने वाली श्रेणी रही है और वीवी तिमाही में इनकी बिक्री 12 प्रतिशत बढ़ी है।

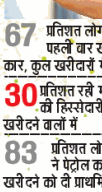

67 प्रतिशत लोगों ने पहली बार खरीदी कार, कुल खरीदारों में

30 प्रतिशत रही महिलाओं की हिस्सेदारी कार खरीदने वालों में

83 प्रतिशत लोगों ने पेट्रोल कार खरीदने को दी प्राथमिकता

- खरीदार लाल, सफेद और ये रंग की कारों को खरीदने में सबसे ज्यादा प्राथमिकता देते हैं

12 प्रतिशत खरीदारों ने किया डीजल कारों का चयन

5 प्रतिशत ग्राहकों ने ही सीएनजी से चलने वाली कार खरीदी

60 प्रतिशत बढ़ी लोन पर कार लेने वालों की संख्या

मैनुअल ट्रांसमिशन वाली कारों की बिक्री बढ़ी

बीते तीन महीनों के दौरान मैनुअल ट्रांसमिशन वाली कारों की बिक्री बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, जून-अगस्त 2024 के दौरान 76 प्रतिशत ग्राहकों ने मैनुअल ट्रांसमिशन वाली कार खरीदी है। इससे पहले के तीन महीनों में यह संख्या 70 प्रतिशत थी। वहीं, आटोमैटिक ट्रांसमिशन वाली कार खरीदने वालों की संख्या 30 प्रतिशत से घटकर 24 प्रतिशत रही है।

शहरों में पुरानी लक्जरी कारों का बाजार बढ़ा

रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी क्षेत्रों में पुरानी या इस्तेमाल की गई लक्जरी कारों के बाजार में मजबूत वृद्धि रही है।

इसका कारण यह है कि लक्जरीयों कारों को पसंद करने वाले भारतीय युवाओं की संख्या बढ़ रही है। पुरानी लक्जरी कार खरीदने में दिल्ली शीर्ष पर रही है। इसके बाद बेंगलुरु और मुंबई का नंबर आता है।

राष्ट्रीय फलक

घटते राजस्व घाटा अनुदान से वित्तीय चक्रव्यूह में फंसा हिमाचल

खजाने की कीमत पर...

प्रकाश भारद्वाज • जागरण

शिमला : हिमाचल प्रदेश का आर्थिक संकट एक-दो वर्ष पहले शुरू नहीं हुआ। इसकी नींव एक दशक पहले ही पड़ गई थी। बेशक सामना वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार को करना पड़ा है। यदि सरकार ने नीम की तरह कड़वे कदम उठाए तो ही राज्य को इससे बाहर निकाला जा सकेगा। सरकार की और से उठाए जा रहे और उठाए जाने वाले सुधारवादी निर्णयों का जनता को समर्थन करना पड़ेगा। तभी प्रदेश को गंभीर आर्थिक संकट के चक्रव्यूह से बाहर निकालने में सफलता प्राप्त होगी।

कर्मचारियों का वेतन और पेंशनर्स की पेंशन पहली तारीख को बैंक खातों में नहीं आने से तनिक भी चिंतित होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में कर्मचारियों और पेंशनर्स को नई तारीख मस्तिष्क पर दर्ज करनी होगी। यदि प्रदेश की बिगड़ती वित्तीय स्थिति की बात की जाए तो इसकी शुरुआत जून, 2022 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) मुआवजा मिलना बंद होने से मानी जा सकती है। उसके बाद बारी आती है, प्रदेश सरकार को राजस्व घाटा अनुदान के तहत हर माह मिलने वाली राशि की। पिछले वित्त वर्ष में हर माह 800 करोड़ रुपये मिलते थे, लेकिन वर्तमान वित्त वर्ष में यह राशि घटकर 565 करोड़ रुपये रह गई। इसके उपाय में सरकार ने अपने वेतन भी दो माह के लिए विलंबित कर दिए हैं। प्रतिवर्ष विभिन्न योजनाओं के तहत दी जाने वाली उपदान की राशि 2100 करोड़ तक पहुंचती है। एक साल के दौरान 125 यूनिट निश्शुल्क बिजली की एवज में 1248 करोड़ खर्च हुए।

प्रति व्यक्ति आय की स्थिति : कोरोना काल के दो वर्ष में साढ़े तीन लाख सरकारी और अर्ध सरकारी कर्मचारियों को छोड़ दिया जाए तो 70 लाख से अधिक की जनसंख्या के लिए संकट का दौर था। अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग कई तमानकों के साथ बाजार मूल्य का आकलन करके प्रति व्यक्ति आय निकालकर सामने रख देता है।

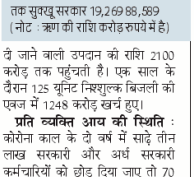

प्रतीकात्मक

मुख्यमंत्री सुक्खू के कड़वे निर्णयों से राज्य की आर्थिक स्थिति सुधरने की आस

अवधि व सरकार झूला लिया कुल ऋण
1993-1998 वीरभद्र सरकार 6,000 10,000 1998-2003 धूमल सरकार 7,000 17,658.40 2003-2007 वीरभद्र सरकार 6,500 23,151.39 2007-2012 धूमल सरकार 8,29131,442.56 2012-2017 वीरभद्र सरकार 19,330 50,772.88 2017 से 2022, जयराम सरकार 18,548 69,320 2022 से अब तक सुखखू सरकार 19,269 88,589
(नोट : ऋण की राशि करोड़ रुपये में है)

हमने प्रदेश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने के लिए बीड़ा उठाया है। उस दिशा में उठाए कदमों से सरकार ने एक साल में ढाई हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व जुटाया है। गत वर्ष राज्य ने अभूतपूर्व प्राकृतिक आपदा का सामना किया। केंद्र सरकार अपने आकलन के बावजूद 92,00 करोड़ रुपये देने को तैयार नहीं है। सरकार और आम जनता आर्थिक संकट से पार पाने के लिए वित्तीय अनुशासन की राह पर चल रहे हैं।
– सुखविंदर सिंह सुक्खू, मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश

मुख्य संसदीय सचिवों के साथ-साथ निगमों व बोर्डों में नेताओं की फौज खड़ी है। कैबिनेट रैंक के साथ मोटा वेतन दिया जा रहा है। मंत्रियों के आलीशान कार्यालय बनाने पर 10 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। इसी तरह के खर्च रोकने का बिलकुल भी प्रयास नहीं किया जा रहा है। पहली बार कर्मचारियों व पेंशनर्स को समय पर वेतन-पेंशन नहीं मिला।
– जयराम ठाकुर, नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री

सपा सांसद अवधेश प्रसाद के पुत्र पर लगा अपहरण का आरोप

- तहरीर व पीड़ित के बयान में विरोधाभास होने के चलते कार्रवाई पर संशय
- अभी मुकदमा दर्ज नहीं, नगर कोतवाल ने उच्चाधिकारियों को दी जानकारी

जागरण संवाददाता, अयोध्या

भूमि की खरीद-फरोख्त में रुपये के लेन-देन को लेकर सपा सांसद अवधेश प्रसाद के पुत्र अजीत प्रसाद और उनके साथियों पर मारपीट व अपहरण करने का आरोप लगा है। इस संबंध में पीड़ित की ओर से नगर कोतवाली में तहरीर दी गई है। अजीत प्रसाद को सपा ने मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार भी घोषित किया है।

पीड़ित रवि कुमार तिवारी का कहना है कि उनके परिचित शीतला प्रसाद की भूमि को अजीत प्रसाद तथा लालबहादुर के नाम बैनामा कराने में उन्होंने मध्यस्थता की थी, जिसके बदले अजीत ने चेक के माध्यम से एक लाख रुपये दिये थे। रवि का आरोप है कि शनिवार को वह सिविल लाइंस स्थित भारतीय स्टेट बैंक के पास खड़े थे, तभी अजीत प्रसाद अपने साथी राजू यादव, एक सिपाही व 10-15 अज्ञात लोगों के साथ पांच चार पहिया वाहनों से आए और उन्हें घसीट कर गाड़ी में बैठा लिया। वाहन के अंदर मारते-पीटते हुए ले गए और तहसील सदर के पास उतार दिया। एक लाख रुपये वापस ले लिए। इसका वीडियो भी बना लिया।

रवि तिवारी ने इस मामले में कोतवाली नगर में तहरीर दे दी है। नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय ने बताया कि रवि ने तहरीर में अजीत प्रसाद का नाम लिखा है, लेकिन अब अपने बयान में वह अजीत प्रसाद के नहीं शामिल होने की बात कह रहे हैं। तहरीर व पीड़ित के बयान में विरोधाभास है।

मामले से उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। वहीं, सपा सांसद अवधेश प्रसाद के पुत्र अजीत प्रसाद ने कहा कि मुझ पर लगाए जा रहे सभी आरोप झूठे हैं। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते मुझे फंसाया जा रहा है, ताकि मेरी छवि धूमिल हो।

अब ओटीटी प्लेटफार्म पर भी दिखाने होंगे तंबाकू से नुकसान के विज्ञापन

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने तंबाकू के दुष्प्रभाव को दिखाने वाले विज्ञापनों को लेकर ओटीटी प्लेटफार्म के लिए भी नियम सख्त करने की कवायद शुरू कर दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफार्म पर स्ट्रीमिंग शुरू होते ही कम से कम 30 सेकंड के "नान-स्किपेबल" तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव के आडियो-विजुअल विज्ञापन दिखाने का प्रस्ताव दिया है। मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफार्म के लिए एंटी टोबैको नियमों के लिए मसौदा संशोधन जारी किया था।

मसौदे के अनुसार 1 सितंबर, 2023 को या उसके बाद रिलीज होने वाली भारतीय और विदेशी मूल की सभी फिल्मों की शुरुआत और बीच में कम से कम 30 सेकंड के लिए एंटी टोबैको स्वास्थ्य विज्ञापनों को दिखाना होगा। साथ ही सभी कंटेंट में तंबाकू उत्पादों के उपयोग को दिखाने वाले दृश्यों के दौरान स्क्रीन के नीचे एंटी टोबैको स्वास्थ्य चेतावनियें को भी दिखाने का प्रस्ताव रखा गया है। ओटीटी नियम 2023, 1 सितंबर, 2023 से प्रभावी हो गए हैं।

सफाई मशीन चोरी मामले में आजम खां की जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता, जागरण • प्रयागराज

नगर पालिका रामपुर की सफाई मशीन चोरी के मामले में वरिष्ठ सपा नेता व पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खां, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम तथा नगर पालिका रामपुर के पूर्व चेयरमैन अजहर अली खान की जमानत अर्जी इलाहाबाद हाई कोर्ट ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति समित गोपाल ने दो सितंबर को निर्णय सुरक्षित रख लिया था।

मामले में अपर महाधिवक्ता पीसी श्रीवास्तव, अपर शासकीय अधिवक्ता (एजीए) जेके उपाध्याय, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अधिवक्ता इमरानुल्ला तथा अधिवक्ता शरद शर्मा ने दलीलें रखीं। सिब्बल ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से बहस की। उनका तर्क था कि जो मशीनें खरीदी गई थीं, उनका ब्योरा नगर पालिका परिषद रामपुर में मौजूद है। सरकार की तरफ से कहा गया कि मशीन की रिकवरी जौहर यूनिवर्सिटी कैंपस से हुई थी। आजम के खिलाफ 104 आपराधिक केस हैं। इनमें छह में सजा भी हो चुकी है। अब्दुल्ला के विरुद्ध 24 केस हैं। दो केसों में सजा हुई है। न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट को यथाशीघ्र ट्रायल निस्तारित करने का निर्देश दिया है।

यह है ममता : 2014 में नगर पालिका रामपुर के लिए पांच रोड क्लीनिंग मशीन की खरीदी हुई। इसे तत्कालीन मंत्री आजम खां ने जौहर यूनिवर्सिटी के प्रयोग के लिए भिजवा दीं, जिसे वापस नहीं किया। जौहर यूनिवर्सिटी से बरामद मशीन के नंबर का मिलान किया तो कंपनी ने लिखकर दिया कि यह मशीन उपहार के तौर पर दी गई थी। बक्कर अली खान ने फरवरी 2019 में आजम और उनके बेटे अब्दुल्ला सहित पांच अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

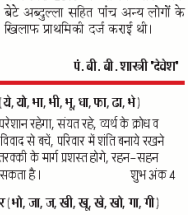

बेटे अब्दुल्ला आजम तथा पूर्व चेयरमैन अजहर अली की भी अर्जी खारिज

वेस्ट रिसाइकिल स्टार्टअप को मदद देगा केंद्र : भूपेंद्र यादव

मुंबई, प्रेट्र: केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को कहा कि केंद्र वेस्ट (अपशिष्ट) रिसाइकिल स्टार्टअप को वित्तीय मदद देगा। इसके साथ ही ऊर्जा और जल संरक्षण के साथ-साथ एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। मंत्री ने जुहू बीच में समुद्र तट स्वच्छता अभियान में भाग लेने के बाद यह बात कही। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था।

उन्होंने कहा कि मेरे मंत्रालय ने ऐसे स्टार्टअप के लिए एकमुश्त वित्तीय सहायता के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। प्रकृति के उत्पादों का उपयोग कर उन्हें रिसाइकल करना भूल जाते हैं। समुद्र तटों व सड़कों पर कचरा फैला देते हैं। हमारा ध्यान ऊर्जा, जल संरक्षण, एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और इलेक्ट्रानिक कचरे का निपटान पर होगा।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 22 सितंबर, 2024 से शनिवार 28 सितंबर, 2024 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)
धैर्यशीलता में कमी हो सकती है, व्यर्थ के वाद विवाद व झगड़ों से बचें, परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं, खर्चों में वृद्धि होगी, रहन-सहन कष्टमय रहेगा। शुभ अंक 3

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो)
मन प्रसन्न रहेगा, आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा, कार्य में सफलता, शत्रु से सावधान, खानपान का ध्यान रखें, धर्म में रुचि, अध्ययन में एकाग्रता, घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं, सेहत का ध्यान रखें। शुभ अंक 4

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)
मन अशांत हो सकता है, कारोबार में वृद्धि होगी, लाभ के अवसर मिलेंगे, किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है, कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी, जीवनसाथी का मिलन, यात्रा से सावधानी, व्यय अधिक। शुभ अंक 1

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
मन में उतार-चढ़ाव रहेगा, नौकरी में स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। आय में वृद्धि होगी परंतु खर्च बढ़ेंगे, माता-पिता के सेहत का ध्यान रखें। शुभ अंक 5

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
आत्मविश्वास भरपूर रहेगा परंतु मन में उतार-चढ़ाव हो सकता है। कारोबार में सुधार के लिए निवेश कर सकते हैं। माता-पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। शुभ अंक 4

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आत्मविश्वास में कमी रहेगी, बातचीत में संयत रहे, सेहत का ध्यान रखें, कारोबार में वृद्धि होगी, तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शुभ अंक 7

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। भवन सुख में वृद्धि हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, घर-परिवार में धार्मिक कार्य, खर्चों में वृद्धि, मित्रों का सहयोग। शुभ अंक 2

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)
आत्मसंयत रहें, क्रोध के अतिरेक से बचें, कार्य में सहयोग से सफलता, व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार, कारोबार से आय में वृद्धि, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा, संतान की सेहत का ध्यान रखें, व्यय अधिक। शुभ अंक 6

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
मन परेशान रहेगा, संयत रहे, व्यर्थ के क्रोध व वाद विवाद से बचें, परिवार में शांति बनाये रखने के प्रयास करें, तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। शुभ अंक 4

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
मन अशांत रहेगा, मन में नकारात्मक विचारों से बचें, किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में वृद्धि हो सकती है, तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। शुभ अंक 1

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा)
आत्मविश्वास में कमी रहेगी, दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, आय में वृद्धि होगी, कार्य में प्रयास से सफलता, पद स्थान परिवर्तन। शुभ अंक 2

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची)
मन में निराशा व असंतोष रहेगा, संयत रहे, सेहत का ध्यान रखें, किसी नये कारोबार की शुरुआत हो सकती है, पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है, संतान की सफलता, मित्रों से सहयोग, व्यय अधिक। शुभ अंक 8

****

2.95 लाख पाकिस्तानी रुपये हर पाकिस्तानी नागरिक पर इस समय है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में कुल कर्ज 8.36 खरब रुपये बढ़ चुका है। 2024 में कुल ऋण 71.24 खरब रुपये हो जाएगा।

पीएम मोदी की यात्रा से पहले खालिस्तान समर्थक नेताओं से मिले अमेरिकी अधिकारी

अप्रत्याशित ▶ व्हाइट हाउस के कदम ने सबको चौंकाया, पहली बार हुई इस तरह की बैठक

अधिकारियों ने कहा, अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध

जेएनएन, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने खालिस्तान की मांग का समर्थन करने वाले सिख नेताओं से मिलकर सबको चौंका दिया है। अधिकारियों ने सिख नेताओं को आश्वासन दिया कि अमेरिका सरकार अपनी धरती पर किसी भी विदेशी हमले से सभी अमेरिकियों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहला अवसर है, जब व्हाइट हाउस ने ऐसे संगठनों से आधिकारिक तौर पर बातचीत की है। हैरान करने वाली बात यह भी है कि इस बैठक के लिए पहल राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से की गई थी।

व्हाइट हाउस परिसर में गुरुवार को हुई इस बैठक में अमेरिकन सिख काकस कमेटी के संस्थापक प्रीतपाल सिंह, सिख गठबंधन और सिख अमेरिकन लीगल डिफेंस एंड एजुकेशन फंड के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रीतपाल सिंह ने बताया कि सिख अमेरिकियों की जान बचाने और हमारे समुदाय की सुरक्षा में सतर्कता बरतने के लिए हमें सैद्धीय सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों का आभार व्यक्त करने का मौका मिला। हमने उनसे और अधिक काम करने को कहा है। हम उनके इस आश्वासन पर कायम रहेंगे कि वे ऐसा करेंगे।

प्रीतपाल सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में अमेरिकी सिखों की सुरक्षा में सतर्कता बरतने के लिए अमेरिकी अधिकारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हम उनसे हमारे समुदाय की सुरक्षा के लिए और अधिक कार्य करने का आश्वासन देने के लिए कहेंगे। स्वतंत्रता और न्याय की जीत होनी चाहिए।

अमेरिका में शनिवार को फिलाडेल्फिया हवाई अड्डे के बाहर एकत्र भारतीय समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अत्यंत उल्लास के साथ स्वागत किया। पेट्र

ऐसा पहली बार हुआ है जब राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने इन सिख कार्यकर्ताओं और सिख अलगाववादियों के साथ बैठक की है। बैठक के बारे में कोई अन्य विवरण उपलब्ध नहीं है। व्हाइट हाउस की पहल पर यह बैठक हुई थी।

इस सप्ताह की शुरुआत में खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत सरकार और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के खिलाफ एक मुकदमा दायर किया था। इसके बाद न्यूयार्क के जिला न्यायालय ने मामले में समन जारी किया।

हालांकि, भारत सरकार ने अमेरिकी अदालत के समन को निराधार और अनुचित करार दिया था। यह मुकदमा भारत सरकार और डोभाल तथा निखिल गुप्ता के खिलाफ दायर किया गया है। निखिल गुप्ता पर पिछले साल नवंबर में अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया था कि उन्होंने भारत के एक सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर पन्नू की हत्या की साजिश रची थी। पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है।

1993 की पहली अमेरिकी यात्रा से पड़ी थी मोदी के वैश्विक विजन की नींव

जेएनएन, नई दिल्ली

- मोदी आकांक्ष ने पोस्ट किया 30 वर्ष पहले की अमेरिकी यात्रा का ब्योरा
- युवा नेता के तौर विशेष कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किए गए थे मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के बीच अमेरिका से उनके पुराने रिश्ते एक बार फिर चर्चा में हैं। मोदी आर्काइव ने पीएम मोदी की करीब 30 वर्ष पहले की यात्रा का ब्योरा इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया है। उस समय नरेन्द्र मोदी एक युवा नेता के तौर पर अमेरिका गए थे। इस यात्रा ने पीएम मोदी ग्लोबल विजन को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। पीएम मोदी की अगुआई में आज भारत वैश्विक कूटनीति की दुनिया का न सिर्फ अहम खिलाड़ी है बल्कि नरेन्द्र मोदी को ऐसे वैश्विक नेता के तौर पर स्वीकार किया जाता है, जो रूस- यूक्रेन संघर्ष को खत्म कराने में अहम भूमिका निभा सकता है।

1993 में यूएस स्टेट डिपार्टमेंट एंड द अमेरिकन कार्डीसल आफ यंग पालिटिकल लीडर्स ने नरेन्द्र मोदी को गुजरात के युवा भाजपा के नेता के तौर पर विशेष कार्यक्रम के लिए अमेरिका आने का न्यौता दिया था। 10- 23 जुलाई तक चले इस कार्यक्रम ने नरेन्द्र मोदी को अमेरिका के नेताओं, वरिष्ठ अधिकारियों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से बातचीत करने का मौका दिया था। पोस्ट में कहा गया है '' कम उम्र से ही नरेन्द्र मोदी भारत और दुनिया को बेहतर तरीके से जानना समझना चाहते थे। वे विदेश में जहां भी गए, उनका ध्यान इस बात पर रहता था कि वे वहां के कामकाज के बेहतर तौर तरीकों को आत्मसात करें और इनका इस्तेमाल भारत के विकास के लिए करें।' अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान उन्होंने कांग्रेस और सीनेट के सदस्यों, गवर्नरों और मेयरों से मुलाकात कर अमेरिका की राजनीति, विदेश नीति और शासन के बारे में अहम जानकारियां हासिल की। उनके यात्रा कार्यक्रम में पेंटागन सिटी, एंड्रयूज एयर फोर्स बेस, माउंट रशमोर, बैडलैंड्स नेशनल पार्क और क्रेजी हार्स मेमोरियल माउंटेन जैसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थल भी शामिल थे। ह्यूस्टन में, नरेंद्र मोदी ने विश्व सबसे बड़े मेडिकल सेंटर में से एक ह्यूस्टन मेडिकल सेंटर नासा के अंतरिक्ष केंद्र ह्यूस्टन का दौरा किया किया। इससे तकनीकी प्रगति और नवाचार के बारे में उनकी समझ और व्यापक हुई।

मोदी ने ओबामा से कहा था-आपकी कार मेरी मां के घर जितनी बड़ी है

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के पूर्व विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2014 की अमेरिका यात्रा को याद किया है। क्वात्रा इस समय अमेरिका में भारतीय राजदूत हैं। क्वात्रा ने इंटरनेट मीडिया हैंडल 'मोदी स्टोरी' को बताया कि दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत तब हुई जब वे औपचारिक वार्ता के बाद मार्टिन लूथर किंग जूनियर मेमोरियल के लिए साथ-साथ जा रहे थे। ओबामा की लिमोजिन कार में 10-12 मिनट की ड्राइव के दौरान जब वे साथ बैठे, तो उनकी बातचीत परिवार के बारे में होने लगी। ओबामा ने मोदी की मां के बारे में पूछा। मुस्कुराते हुए प्रधानमंत्री ने अप्रत्याशित जवाब दिया-राष्ट्रपति ओबामा, शायद आपको इस पर यकीन न हो। लेकिन आपकी कार का आकार लगभग उस घर के बराबर है, जिसमें मेरी मां रहती हैं। मोदी के बयान ने अमेरिकी राष्ट्रपति को चौंका दिया था।

विनय मोहन क्वात्रा।

अमेरिकी कंपनियों के सीईओ के साथ भी बैठक करेंगे मोदी

प्रथम पृष्ठ से आगे

प्रधानमंत्री के अन्य कार्यक्रमों में लांग आइलैंड में भारतीय प्रवासी समुदाय के एक कार्यक्रम में शामिल होना तथा आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर काम कर रही अमेरिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लेना शामिल है। अमेरिका यात्रा पर रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा मैं क्वाड शिखर सम्मेलन में अपने सहयोगियों राष्ट्रपति बाइडन, प्रधानमंत्री एंथनी अलबनिजी और फुमियो किशिदा के साथ बैठक करने के लिए उत्सुक हूं। मोदी ने यह भी कहा कि मैं भारतीय प्रवासी समुदाय और प्रमुख अमेरिकी कारोबारियों के साथ बातचीत करने के लिए भी उत्सुक हूं, जो प्रमुख साझेदार हैं तथा दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने लोकतंत्रों के बीच विशिष्ट साझेदारी को जीवंतता प्रदान करते हैं।

इजरायली हमले से बेरूत में 37 मरे, 23 लापता

- हमले में सीनियर कमांडर वाहबी भी मारा गया, मलबे से निकाले जा रहे लोग
- इजरायल-हिजबुल्ला में लड़ाई रोकी जाए : संयुक्त राष्ट्र

बेरूत, एपी : लेबनान की राजधानी बेरूत के उपनगर में शुक्रवार को हुए इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हो गई है। मारे गए लोगों में सात महिलाएं और तीन बच्चे भी हैं। इस हमले में 68 लोग घायल हुए हैं। मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि गाइडेड बमों से हुए हमले से ध्वस्त दोनों भवनों के मलबे में दबे लोगों की तलाश का काम अभी जारी है। इस हमले में हिजबुल्ला की सैन्य शाखा का प्रमुख इब्राहीम अकील और दस कमांडर मारे गए हैं। मरने वालों में हिजबुल्ला का सीनियर कमांडर अहमद वाहबी भी शामिल है।

शुक्रवार को दोपहर बाद हुए इस हमले के बारे में हिजबुल्ला ने कुछ नहीं कहा है लेकिन देर रात कहा कि इजरायली हमलों में उसके 15 लोग मारे गए हैं। लेकिन इन लोगों के नाम और पदनाम नहीं बताए हैं। 2006 के इजरायल-हिजबुल्ला युद्ध के बाद बेरूत पर इजरायली सेना का यह सबसे भीषण हमला था। इस हमले में ध्वस्त हुए भवनों को लेबनानी सेना ने घेर रखा है और वहां पर मशीनों से मलबा हटाने का कार्य जारी है। लेबनान के लोक निर्माण एवं परिवहन मंत्री अली हामी ने बताया है कि दोनों भवनों में मौजूद 23 लोग अभी लापता हैं। ध्वस्त हुए भवनों में एक आठ मंजिलों वाला था और उसमें 16 अपार्टमेंट थे जबकि दूसरे भवन में दुकानें और आवासीय फ्लैट थे। इसी दूसरे भवन के भूमिगत हिस्से में हिजबुल्ला के कमांडरों की बैठक चल रही थी जिसे इजरायली विमानों ने निशाना बनाया। इजरायल और हिजबुल्ला की लड़ाई इसी सप्ताह लेबनान में हुए पेजर और वाकी-टाकी में विस्फोटों के बाद तेज हुई है।

लेबनान पर इजरायली हमलों को ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने बच्चों के खिलाफ बेशर्मी भरे अपराध करार दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने कहा है कि लेबनान इस समय बर्बादी के कगार पर है। संयुक्त राष्ट्र ने इस लड़ाई को रुकवाने के लिए सभी देशों में मिलकर प्रयास करने का अनुरोध किया है।

स्कूल भवन पर हमले में 22 मरे

गाजा सिटी में एक स्कूल भवन में बने शरणार्थी शिविर पर इजरायल ने एक बार फिर से हमला किया है। इस हमले में 13 बच्चों और छह महिलाओं समेत 22 लोग मारे गए हैं। लेकिन इजरायली सेना ने कहा है कि उसने हमास के कमांड सेंटर पर हमला किया है, वहां से युद्ध की गतिविधियों को संचालित किया जा रहा था। इन्हें मिलाकर गाजा युद्ध में मरने वाले फलस्तीनियों की कुल संख्या बढ़कर 41,391 हो गई है।

लेबनान में बेरूत के उपनगरीय क्षेत्र में इजरायली हमले के बाद शनिवार को भी मलबे में दबे लोगों की तलाशी का कार्य जारी रहा। एएफपी

लेबनान में पेजर ब्लास्टों में भारतीय मूल के नागरिक का नाम आया सामने

जेएनएन, नई दिल्ली

- केरल के वायनाड में रहता है रिनसन जोस का परिवार
- चार दिन से परिवार का नहीं हुआ संपर्क बेटे से संपर्क
- रिनसन की कंपनी नार्टा ग्लोबल के जरिए खरीदे गए थे ये पेजर

लेबनान में पिछले दिनों हुए पेजर ब्लास्टों में भारतीय मूल के उद्यमी 37 वर्षीय रिनसन जोस का नाम भी सामने आया है। इन पेजर धमाकों में कम से कम 12 लोग मारे गए थे जबकि हजारों लोग घायल हुए थे। हिजबुल्लाह का आरोप है कि इन पेजर्स में इजरायल ने विस्फोटक लगाए थे। ऐसा कर वह एक साथ चार हजार लोगों को मारना चाहता था। जोस बुल्गारिया स्थित कंपनी नार्टा ग्लोबल लिमिटेड के एकमात्र मालिक हैं। मेल आनलाइन के अनुसार, हालांकि पेजर का निर्माण हंगरी की कंपनी ब्रीएसी केसल्टिंग ने ताइवान की फर्म गोल्ड अपोलो के ट्रेडमार्क के तहत किया था लेकिन इन्हें नार्टा ग्लोबल के माध्यम से खरीदा गया था यानी हिजबुल्लाह को पेजर्स की सप्लाई नार्टा ग्लोबल ने की थी। उधर, केरल के वायनाड में रिनसन जोस के परिवार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उनका जोस से कोई संपर्क नहीं हुआ है। वैसे इस तरह की खबर सामने आने के बाद केरल के वायनाड में पुलिस ने रिनसन के माता-पिता के घर के आसपास निगरानी बढ़ा दी है।

जोस का परिवार केरल के वायनाड जिले के मनंतवडी में रहता है। दर्जी मुथेदाथ जोस और ग्रेसी के जुड़वां बेटे रिनसन और जिन्सन 10 साल पहले नार्वे चले गए थे।

रिनसन ने कुछ साल पहले नार्वे की नागरिकता हासिल कर ली थी। दोनों भाई कई सालों से विदेश में काम कर रहे हैं, हालांकि केरल में उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले दस सालों में इन भाइयों ने यहां केवल जमीन का एक छोटा सा टुकड़ा जरूर खरीदा है।

श्रीलंका राष्ट्रपति चुनाव में 75 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले, मतगणना शुरू

- वर्ष 2022 के आर्थिक संकट के बाद देश में कराया गया पहला चुनाव

कोलंबो, प्रेट्र : श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए शनिवार को हुए मतदान में लगभग 75 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इससे पहले नवंबर 2019 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में 83 प्रतिशत मतदान हुआ था। स्थानीय समयानुसार सुबह सात से शाम चार बजे तक 22 निर्वाचन क्षेत्रों में 13,400 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं ने मतदान किया। निर्वाचन महानिदेशक समन श्रीरत्ननायके ने कहा कि मतदान शांतिपूर्ण रहा और कहीं से भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है।

शाम चार बजे मतदान संपन्न होने के साथ ही डाक मतों की गणना शुरू हो गई। डाक मतों की गिनती के बाद शाम छह बजे से सामान्य मतों की गणना शुरू की गई। मतदान समाप्त होने के बाद अप्रिय घटना रोकने के लिए श्रीलंका में रात 10 बजे से रविवार सुबह छह बजे तक कर्फ्यू लागू किया गया है।

वर्ष 2022 के आर्थिक संकट के बाद द्वीप देश में कराए गए पहले चुनाव पर नजर रखने के लिए 8000 स्थानीय और विदेशी पर्यवेक्षक तैनात थे। विदेशी पर्यवेक्षकों में यूरोपीय संघ, राष्ट्रमंडल, एशियन चुनाव नेटवर्क के 116 अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों के अलावा सात दक्षिण एशियाई देशों के पर्यवेक्षक शामिल हैं।

इस चुनाव को निवर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के लिए अग्निपरीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है, जिन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का दावा किया है। त्रिकोणीय मुकाबले में 75 वर्षीय विक्रमसिंघे को नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के 56 वर्षीय अनुरा कुमारा दिसानायके और सामगी जन बालावेगया (एसजेबी) के 57 वर्षीय साजिथ प्रेमदासा से कड़ी टक्कर मिल रही है। श्रीलंका ने अप्रैल 2022 में खाद्यान्न, ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी के बीच दिवालिया होने की घोषणा की थी। देश में महीनों से जारी विरोध-प्रदर्शन के हिंसक रूप अख्तियार करने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को श्रीलंका छोड़कर भागने और इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। कुछ हफ्तों बाद संसद ने विक्रमसिंघे को नया राष्ट्रपति नियुक्त किया था।

कोलंबो में मतदान करने के बाद अंगुली में लगी स्याही दिखाते निर्दलीय प्रत्याशी तथा निवर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे। रायटर

पत्नी संग दुष्कर्म कराने वाले को हो सकती है 20 वर्ष की कैद

पेरिस, एपी : फ्रांस में पति और उसके सहयोग से पत्नी के साथ दुष्कर्म करने वाले दर्जनों लोगों के खिलाफ न्यायालय में मुकदमे शुरू हो गए हैं। महिला को उसका पति नशीली दवाएं देता था और उसके बाद अर्धचेतन अवस्था में अन्य पुरुषों से पत्नी के साथ दुष्कर्म करवाता था। यह सिलसिला करीब दस वर्षों तक चला। इस मामले में 71 वर्षीय डोमिनिक पेलिकोट और 50 लोगों पर मुकदमा शुरू हो गया है। न्यायालय उन्हें 20 वर्ष के कारावास की सजा सुना सकती है। इस मामले ने फ्रांस ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया है। शनिवार को पेलिकोट ने न्यायालय में अपने किए पर पछताते हुए खुद पर लगे आरोपों को स्वीकार किया। कहा कि उसके अपराध में साथ देने वाले लोगों को भी पता था कि वे क्या कर रहे हैं। वह उन्हें प्रोवेंस स्थित अपने घर में बुलाता था और वहां पर अपनी अर्धचेतन पत्नी के साथ दुष्कर्म करने के लिए प्रेरित करता था। यह सिलसिला 2011 से 2020 तक चला।

भारत आएगी तीन हजार टन हिल्सा मछली

- बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने दुर्गा पूजा के मद्देनजर निर्यात का फैसला बदला
- बंगाली हिंदुओं को बहुत पसंद है यह बांग्लादेशी मछली
- 2023 में चार हजार टन हिल्सा मछली के निर्यात की अनुमति दी गई थी

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपने पूर्व फैसले को पलटते हुए अब भारत को तीन हजार टन हिल्सा मछली के निर्यात की अनुमति दे दी है। बांग्लादेश सरकार ने अपने निर्णय में यह बदलाव दुर्गा पूजा के मद्देनजर किया है। भारत में दुर्गा पूजा का आयोजन नौ अक्टूबर से तेरह अक्टूबर तक होगा।

इसी महीने की शुरुआत में बांग्लादेश की मुहम्मद यूनुस सरकार ने घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत की हिल्सा मछली के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अंतरिम सरकार ने ऐसा कर भारत को हिल्सा मछली के निर्यात की सद्भावनापूर्ण नीति को बदल दिया था। इससे नई सरकार के भारत के प्रति दोस्ताना रवैये में अंतर आने का कयास पुख्ता हुआ, साथ ही दशकों से जारी इस व्यवस्था के खत्म होने से बांग्लादेश के निर्यातकों, कारोबारियों और मछुआरों में खलबली मच गई। इसी के बाद बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने अपने निर्णय को बदलने की जरूरत महसूस की। मंत्रालय ने निर्यातकों को निर्धारित प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है।

इससे पहले शेख हसीना की सरकार ने हर वर्ष सितंबर और अक्टूबर में भारत को हिल्सा मछली का निर्यात करने की अनुमति दे रखी थी। 2023 में 79 कंपनियों को चार हजार टन हिल्सा मछली के निर्यात की अनुमति दी गई थी। बांग्लादेश के नजदीक के समुद्र में बड़ी मात्रा में मिलने वाली इस मछली को भारत में रहने वाले बंगाली हिंदू बहुत पसंद करते हैं। इस मछली की बांग्लादेश में भी बहुत ज्यादा मांग है लेकिन यह बहुत महंगी होने की वजह से केवल संपन्न वर्ग को ही सुलभ है जबकि सरकार और व्यापारी इसका निर्यात कर भारी लाभ कमाते हैं।

प्रतीकात्मक।

न्यूयार्क में मोदी-यूनुस की नहीं होगी मुलाकात

न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस की मुलाकात का कार्यक्रम नहीं है। वहां पर बांग्लादेश के प्रभारी विदेश मंत्री तौहीद हुसैन की भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात होगी। यह जानकारी बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने दी है। पहले न्यूयार्क में मोदी और यूनुस की मुलाकात की कोशिश हो रही थी।

राष्ट्रीय फलक

कानपुर की फोम फैक्ट्री में लगी आग, छह की मौत

जागरण संवाददाता, कानपुर

- तीन श्रमिक जिंदा जले, तीन घायलों ने अस्पताल में दम तोड़ा
- अग्निशमन विभाग के अनापत्ति प्रमाणपत्र के चल रही थी फैक्ट्री

अग्निशमन विभाग के अनापत्ति प्रमाणपत्र के बिना ही चल रही एक फोम फैक्ट्री में शनिवार सुबह आग लगने से छह श्रमिकों की मौत हो गई। इनमें से तीन जिंदा जल गए। इनकी पहचान तक नहीं हो सकी। डीएनए जांच से ही उनकी पहचान हो सकेगी। झुलसे सात श्रमिकों में तीन ने अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिनमें दो नाबालिग हैं। प्रश्न उठ रहा कि बिना अनापत्ति प्रमाणपत्र तथा आग से सुरक्षा उपायों के बिना फैक्ट्री कैसे चल रही थी?

घटना रनियां के खानचंद्रपुर में हुई, जहां कानपुर निवासी अजय अग्रवाल की आरपी पालीपैक नाम से फोम फैक्ट्री है। सुबह करीब सात बजे काम चल रहा था, तभी फोम में आग लग गई। फोम के बंडल होने से आग तेजी से फैली तथा सभी श्रमिक उसकी चपेट में आ गए। झुलसे हुए सात श्रमिक बाहर निकल कर भागे, तो कुछ अंदर टिनशेड व दीवार गिरने से दब गए। दो श्रमिकों को उसंला अस्पताल में भेजा गया, जहां एक की मौत हो गई। दो अन्य श्रमिकों को लखनऊ भेजा गया, जहां उन दोनों की भी मौत हो गई। चार घंटे बाद 11 बजे आग पर काबू पाया जा सका। इसके बाद मलबे को क्रेन व बुलडोजर से हटाने के साथ ही गैस कटर से काटा गया। शाम करीब पांच बजे तीन जले हुए शव मिले, जिनमें केवल हड्डी ही बची थी। इनमें दो मेरे भाई बताए जा रहे हैं। एक कुत्ते का भी जला हुआ शव मिला।

दुर्घटना का शिकार हुए अभिनेता प्रवीण डबास, अस्पताल में भर्ती

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई: मानसून वेडिंग और खोसला का घोसला फिल्मों के अभिनेता प्रवीण डबास शनिवार को मुंबई में कार दुर्घटना का शिकार हो गए। जिसके बाद उन्हें बांद्रा क्षेत्र के एक अस्पताल में भर्ती किया गया है। 50 वर्षीय प्रवीण अभिनेता होने के साथ-साथ पंजा लड़ाने की प्रतियोगिता प्रो पंजा लीग के सह संस्थापक भी हैं। प्रवीण की पत्नी व अभिनेत्री प्रीति झंगियानी ने दुर्घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया, 'हमें आपको यह बताते हुए खेद है कि बालीवुड अभिनेता और प्रो पंजा लीग के सह संस्थापक प्रवीण डबास को शनिवार की सुबह एक दुर्भाग्यपूर्ण कार दुर्घटना के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रवीण डबास। फाइल

मथुरा में मतांतरण का प्रयास, 12 गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, मथुरा

- एक घर में एकत्र थे 50 से अधिक लोग, चल रही थी चन्नाई सभा
- 250 बाइबिल, बैंक पासबुक, ईसाई धर्म से जुड़ी सामग्री बरामद

शहर में मतांतरण का प्रयास कर रहे ईसाई मिशनरी से जुड़े 12 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें एक ताइवान का नागरिक है। मौके से 250 बाइबिल व ईसाई धर्म से संबंधित साहित्य भी मिला है। धर्म जागरण समन्वय के सह संयोजक ने हाईवे थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने को प्रार्थना पत्र दिया है। पुलिस पकड़े गए लोगों से अभी पूछताछ कर रही है।

शहर में काफी दिनों से ईसाई मिशनरी के लोग सक्रिय हैं। शनिवार सुबह अमरदेव के घर में 50 से अधिक महिला-पुरुषों को एकत्र किया गया था। आरोप है कि इनका धर्मांतरण कराने का प्रयास किया जा रहा था। इनके लिए खाने की व्यवस्था भी की जा रही थी। दोपहर एक बजे धर्म जागरण समन्वय के सह संयोजक विजय सिंह व अखिल भारत हिंदू महासभा की जिलाध्यक्ष छाया गौतम के साथ हाईवे थाने पहुंचे और मामले की जानकारी दी। पुलिस घर पहुंची तो अंदर चंगाई सभा (यीशू की प्रार्थना) चल रही थी। पुलिस ने वहां से ताइवानी नागरिक सिंगफू व सैनसान सैमुअल, विकास कुमार भोई, राकेश, अजय सेल्वाराज सहित 12 लोगों को पकड़ा। ये लोग महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और केरल से आए थे। आरोप है कि ये मतांतरण का प्रयास कर रहे थे।

एक वर्ष से सक्रिय हैं मिशनरी के लोग : आरोपितों ने बताया कि वह ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार करते हैं। इससे पहले भी वह कालोनी में दो बार आ चुके थे। उनकी कई टीमें जगह-जगह जाकर लोगों को ईसाई धर्म के बारे में बताती हैं। थाने में एक महिला ने बताया कि उनके बच्चे की तबीयत खराब रहती थी। ठीक होने पर प्रार्थना कर रहे थे। कुछ का कहना था कि पूर्व में ईसाई मिशनरियों द्वारा बताने पर पूजा-पाठ की तो घरेलू कलह कम हो गई। इसके बाद वह सभा में शामिल हुए। एक दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अभी ताइवानी नागरिक की भूमिका सामने नहीं आई है।

मथुरा मतांतरण के प्रयास के आरोप में पकड़े गए ताइवानी नागरिक सिंगफू व अन्य। वीडियो ग्रैब।

अयोध्या दुष्कर्म पीड़िता के मामले में हाई कोर्ट ने तलब की डीएनए रिपोर्ट

विधि संवाददाता, जागरण ● लखनऊ : इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अयोध्या में किशोरी से दुष्कर्म मामले में भ्रूण की डीएनए रिपोर्ट तलब की है। न्यायालय ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला के निदेशक को एक सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने अभियुक्त सपा नेता मोईद खान की जमानत याचिका पर पारित किया। अभियुक्त की ओर से दलील दी गई कि वह 71 वर्ष का वृद्ध व्यक्ति है और वर्तमान मामले में उसे राजनीतिक कारणों से फंसाया गया है। उसे कोई दस्तावेज नहीं दिए जा रहे हैं। याचिका का विरोध करते हुए अपर महाधिवक्ता वीके शाही ने दलील दी कि मामला बहुत ही गंभीर प्रकृति का है। पीड़िता नाबालिग है जिसके साथ दुष्कर्म का आरोप अभियुक्त व उसके नौकर पर है।

****

एक नजर में

कलिकेश सिंह देव बने एनआरएआइ के अध्यक्ष

नई दिल्ली : कलिकेश नारायण सिंह देव भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआइ) के नये अध्यक्ष बन गए हैं जिन्होंने वी के धाल को शनिवार को हुए चुनाव में 36-21 से हराया। ओडिशा के पूर्व सांसद कलिकेश पिछले वर्ष रनिंदर सिंह के इस्तीफे के बाद से एनआरएआइ का दैनंदिनी कामकाज देख रहे थे। पिछले वर्ष खेल मंत्रालय ने निर्देश जारी किया था कि राष्ट्रीय खेल महासंघों का कोई पदाधिकारी राष्ट्रीय खेल कोड के तहत 12 वर्ष से अधिक समय तक पद पर नहीं रह सकता। इसके बाद रनिंदर ने इस्तीफा दिया था क्योंकि 12 वर्ष का उनका कार्यकाल 29 दिसंबर 2022 को पूरा हो गया था। (प्रेट्र)

तीन भारतीयों ने ला सेला ओपन के कट में प्रवेश किया

डेनिया : भारत की रिधिमा दिलावारी, प्रणवी उर्स और लेखा मलिक ने ला सेला ओपन गोल्फ के दूसरे दौर के बाद कट में प्रवेश कर लिया जबकि सहर अटवाल एक शाट से चूक गईं। कुल 62 खिलाड़ियों ने कट में प्रवेश किया है। रिधिमा संयुक्त 15वें, प्रणवी संयुक्त 34वें और लेखा संयुक्त 52वें स्थान पर हैं। क्रिस्टीन आर, सारा कुस्कोवा और वर्जिनिया एलेना कार्टा संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। (प्रेट्र)

टियाफो ने लेवर कप में मेदवेदेव को हराया

बर्लिन : फ्रांसिस टियाफो ने शनिवार को डेनियल मेदवेदेव पर जीत के साथ लेवर कप में 'टीम यूरोप' पर 'टीम वर्ल्ड' को शुरुआती बढ़त दिलाई। यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले टियाफो ने तीसरे सेट में 3-6, 6-4 और 10-5 से जीत हासिल की। लेवर कप में तीन दिनों में 12 मैच खेले जाते हैं। इसमें पहले दिन प्रत्येक मैच की जीत एक अंक, दूसरे दिन दो अंक और तीसरे दिन तीन अंक के बराबर होती है। इसमें पहले 13 अंक हासिल करने वाली टीम विजेता बनती है। टियाफो की जीत से टीम वर्ल्ड ने 4-2 की बढ़त बना ली। (एपी)

पावर स्पोर्ट्ज ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के लिए लगाई बोली

नई दिल्ली : कुश्ती की अंतरराष्ट्रीय संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने

सिंग मीडिया को 2025-2032 चक्र में अपने सभी आयोजनों के लिए वैश्विक मीडिया अधिकार का भागीदार नियुक्त किया है। इसमें ग्रीको रोमन, फ्री स्टाइल, महिला कुश्ती समेत सीनियर विश्व चैंपियनशिप रैंकिंग सीरीज समेत सभी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट शामिल हैं। भारत में इसके विशेष प्रसारण अधिकार के लिए पावर स्पोर्ट्ज ने बोली लगाई है। डिजिटल लाइव स्पोर्ट्स न्यूज चैनल पावर स्पोर्ट्ज टीवी अपने प्रसारण को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। क्रिकेट के अलावा अन्य खेल जैसे कबड्डी और कुश्ती की भारत में लोकप्रियता बढ़ी है। (आइएएनएस)

पंत, गिल के शतक पर अश्विन ने जड़े तीन सितारे

रविचंद्रन ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में लिए तीन विकेट पहले टेस्ट को जीतने के लिए भारत को छह विकेट तो बांग्लादेश को 357 रनों की जरूरत

नई दिल्ली, जेएनएन: 600 से अधिक दिनों के बाद टेस्ट में वापसी कर रहे भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत ने शनिवार को चेन्नई के चेपक स्टेडियम में बांग्लादेश के विरुद्ध चल रहे पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन करियर का छठा टेस्ट शतक जड़ दिया। इस दौरान उन्हें साथी युवा खिलाड़ी शुभमन गिल का भी पूरा साथ मिला, जिन्होंने अविजित 119 रन बनाकर करियर का पांचवां शतक जड़ा। इसके बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरी पारी घोषित करते हुए बांग्लादेश को 515 रनों का लक्ष्य दिया। बांग्लादेश ने दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी की, परंतु अश्विन के ट्रिपल प्रहार के कारण दिन का खेल समाप्त होने तक बांग्लादेश के 158 रन पर चार विकेट हो गए। बांग्लादेश को जीत के लिए दो दिनों में 357 रनों की आवश्यकता है। भारत को जीत के लिए केवल छह विकेट चाहिए।

खराब रोशनी के कारण पहले ही रुका खेल: बांग्लादेश ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 158 रन बना लिए थे लेकिन खराब रोशनी के कारण शाम 4.25 पर ही खेल रोकना पड़ा। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो (51) और शाकिब अल हसन (पांच) क्रीज पर हैं। बांग्लादेशी बल्लेबाज अगर आफ स्पिनर अश्विन को संभलकर खेलते तो उनकी स्थिति बेहतर हो सकती थी। अश्विन ने 63 रन देकर तीन विकेट लिए।

गिल और पंत के नाम रहा दिन का खेल: तीसरे दिन का खेल गिल और पंत के नाम रहा। व्यक्तिगत स्तर पर चुनौती झेलने वाले पंत कसौटी पर खरे उतरे। दिसंबर 2022 में कार हादसे के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले पंत ने छठा टेस्ट शतक केवल 124 गेंद में पूरा किया। उन्होंने किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा सर्वाधिक टेस्ट शतक के महेंद्र सिंह धौनी के रिकार्ड की भी बराबरी की। पंत ने 109 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और चार छक्के शामिल थे। वहीं गिल ने पांचवां टेस्ट शतक जड़ते हुए 176 गेंद की अपनी पारी में 10 चौके और चार छक्के जड़े। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 217 गेंदों में 167 रन जोड़े। पंत ने छठा टेस्ट शतक पूरा होने के बाद आंखें बंद करके ऊपर देखते हुए हवा में बल्ला लहराया। शायद वह ईश्वर को क्रिकेट के मैदान पर वापसी या उस हादसे के बाद एक तरह से पुनर्जन्म के लिए धन्यवाद दे रहे थे। गिल दूर से उन्हें देखते रहे और उसके बाद दोनों ने एक दूसरे को गले लगाया। गिल ने पंत की तरफ भले ही शारीरिक समस्याएं नहीं झेली हों, लेकिन मानसिक रूप से वह भी आत्मविश्वास के लिए जूझ रहे थे। इस वर्ष की शुरुआत में इंग्लैंड के विरुद्ध विशाखापत्तनम टेस्ट में शतक लगाकर उन्होंने अपने आलोचकों को जवाब दिया। अब इस शतक के बाद उन्होंने भी अपनी वापसी पर मुहर लगा दी है। पंत को 72 रन के स्कोर पर शाकिब की गेंद पर शांतो ने जीवनदान भी दिया। इसके बाद उन्होंने तिहरे अंक को छुआ, लेकिन मेहदी हसन मिराज को रिटर्न कैच देकर वह पवेलियन लौट गए। गिल ने इसके बाद केएल राहुल के साथ पांचवें विकेट के लिए 51 गेंद में 53 रन जोड़े।

दूसरी पारी में बांग्लादेश ने दिखाया संयम: बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में बेहतर शुरुआत की। जाकिर हसन (33) और शादमान इस्लाम (35) ने हालांकि क्रीज पर जमने के बाद गैर जिम्मेदाराना शाट खेलकर विकेट गंवा दिए। शांतो ने हालांकि अश्विन को तीन छक्के लगाए और 56 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

शतक लगाने के बाद खुशी रिषभ पंत (बाएं) और शुभमन गिल ● सुरजीत यादव

50 से अधिक का स्कोर शुभमन गिल ने पिछले चार टेस्ट मैचों की दूसरी पारी में लगाई हैं, इनमें दो शतक और इतने ही अर्धशतक शामिल हैं

638 दिन बाद टेस्ट में रिषभ पंत ने बनाया 50+ स्कोर, दुर्घटना के बाद वापसी करते हुए खेल रहे थे अपना पहला टेस्ट

52 पारियों में कोहली ने 2020 से अब तक टेस्ट में केवल दो शतक और आठ अर्धशतक लगाए हैं

मोमीनुल व मुश्फिकुर के विरुद्ध अश्विन

खिलाड़ी	पारियां	गेंद	रन	आउट
मोमीनुल	6	149	64	4
मुश्फिकुर	11	207	143	5

भारत के लिए टेस्ट में सर्वाधिक शतक (विकेटकीपर)

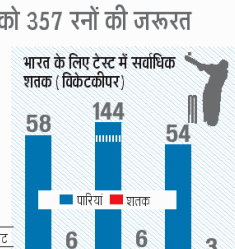

"इससे पहले जब मैं अभ्यास करता था तो विशेषकर स्पिनरों के विरुद्ध कदमों का इस्तेमाल करके आगे बढ़कर खेलता था। यही रणनीति मैंने यहां भी अपनाई क्योंकि इस तरह के विकेट पर स्पिनर के लिए लय हासिल करना आसान नहीं था क्योंकि गेंद काफी कभार ही टर्न ले रही थी। इंग्लैंड के विरुद्ध सीरीज से मेरा आत्मविश्वास बहुत बढ़ा था। पहली पारी में जल्द आउट होना निराशाजनक था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं दूसरी पारी में क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने में सफल रहा।

– **शुभमन गिल**, भारतीय बल्लेबाज

पहली से तुलना करें तो दूसरी पारी में हमारे बल्लेबाजों ने जज्बा दिखाया। उन्होंने जज्बे से गेंदों का सामना किया। पारी की शुरुआत में बल्लेबाजों के सामने आफ स्टंप के करीबी से निकलने वाली गेंदों की चुनौती थी। घरेलू मैदानी पर भारतीय गेंदबाजों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ होता है। इसलिए उनका सामना करना कठिन कार्य है।

– **देविड हेम**, बांग्लादेशी बल्लेबाजी कोच

पंत का अलग अंदाज

चेन्नई : रिषभ पंत मैदान पर हो और मनोरंजन न हो ऐसा हो ही नहीं सकता। पंत और गिल की साझेदारी के दौरान पंत ने बांग्लादेश टीम के कप्तान शांतो को अपनी बल्लेबाजी के दौरान फील्डिंग सेट करने में मदद की। ओवरों के बीच पंत स्टंप माइक पर मिड-विकेट की ओर इशारा करते हुए कहते दिखे कि अरे इधर आएगा एक... इधर कम फील्डर है। यह बात रिषभ पंत ने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो से कही। इसके बाद शांतो ने रिषभ पंत की बात मानते हुए उस जगह पर फील्डर लगा दिया।

21* **19** — वीं पारी में 400+ लक्ष्य का पीछा करते बांग्लादेश

कुल मैच	हार	जीत	ड्रा
0	1	0	1

बांग्लादेश के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन

रन	खिलाड़ी
15201	मुश्फिकुर रहीम
15192	तमीम इकबाल
14696	शाकिब अल हसन
10694	महमदुल्लाह

स्कोर बोर्ड

भारत (पहली पारी) : 376 (91.2 ओवर) | बांग्लादेश (पहली पारी) : 149 (47.1 ओवर)

भारत (दूसरी पारी) : 287/4 (64 ओवर) [81/3 से आगे] पारी घोषित

	रन	गेंद	4/6
शुभमन अविजित	119	176	10/4
पंत एलबीडब्लू बो. मिराज	109	128	13/4
केएल राहुल अविजित	22	19	4/0
अतिरिक्त : 5 (लेबा-4, बा-0 वा-1 नोबा-0)			

कुल : 64 ओवर में चार विकेट पर 287 रन (पारी घोषित), विकेटपात: 4-234 (पंत, 55.3)

गेंदबाजी: तस्कीन 7-1-22-1, मेहदी 11-1-43-0, नाहिद 6-0-21-1, शाकिब 13-0-79-0, मिराज 25-3-103-2, मोमीनुल 2-0-15-0

बांग्लादेश (दूसरी पारी) : 158/4 (37.2 ओवर)			
जाकिर का. जायसवाल बो. कुलदीप	33	47	5/1
शादमान का. गिल बो. अश्विन	35	68	3/0
शांतो अविजित	51	60	4/3
मोमीनुल बो. अश्विन	13	24	3/0
रहीम का. राहुल बो. अश्विन	13	11	1/1

शेष बल्लेबाज: 05 14 0/0

अतिरिक्त : 8 (लेबा-4, बा-4), कुल : 37.2 ओवर में चार विकेट पर 158 रन, विकेटपात : 1-62 (जाकिर, 15.2), 2-95 (शादमान, 21.3), 3-124 (मोमीनुल, 29.6), 4-146 (रहीम, 33.4), गेंदबाजी: कुलदीप 7-2-18-1, रिशभ 3.2-1-20-0, अक्शरपटेल 6-0-20-0, अश्विन 15-0-63-3, जडेजा 6-0-29-0

पहले वनडे मैच में आस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम को सात विकेट से रौंदा

कार्तिकेय, अम्मान बने भारत के नायक

क्रिकेट डायरी

पुडुचेरी, प्रेट्र : भारत अंडर-19 ने पुडुचेरी में खेली जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में आस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम पर सात विकेट से जीत हासिल की। भारत अंडर-19 ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय किया था, जो कि किफायती साबित हुआ। उत्तर प्रदेश से आने वाले कप्तान मोहम्मद अम्मान और कार्तिकेय के बीच हुई 153 रनों की साझेदारी ने टीम को जीत दिलाई।

केपी कार्तिकेय को मुकाबले में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया। कार्तिकेय ने 99 गेंदों पर नौ चौके और दो छक्के की मदद से 85 रनों की पारी खेली। इसके अलावा उन्होंने दो विकेट भी चटकाए। मोहम्मद अम्मान (58) ने भी बढ़िया खेल का प्रदर्शन करते हुए शानदार अर्धशतकीय पारी खेली।

आस्ट्रेलिया अंडर-19 ने भारत अंडर-19 के सामने 185 रनों का स्कोर रखा। जवाब में भारत अंडर-19 ने 36वें ओवर में ही जीत प्राप्त की। मैच में सर्वाधिक चार विकेट मोहम्मद इनान ने लिए। इस दौरे के लिए भारतीय टीम के पूर्व कोच और खिलाड़ी राहुल द्रविड़ के बेटे समित पटेल को पहली बार भारत अंडर-19 में चुना गया है। हालांकि, उन्हें पहले वनडे मैच में खेलने का अवसर नहीं मिल सका।

16 साल बाद टेस्ट के बीच में रेस्ट डे

नई दिल्ली, जेएनएन: श्रीलंका और न्यूजीलैंड के विरुद्ध गाल में खेले जा रहे मुकाबले का चौथे दिन रेस्ट डे घोषित किया गया। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि 21 सितंबर को श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव को लेकर यह निर्णय लिया गया है। दरअसल, श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान करने और चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए यह निर्णय लिया गया है। यह मुकाबला 23 सितंबर तक चलेगा।

2008 में भी हुआ था ऐसा: 2008 के बाद यह पहली बार है जब टेस्ट क्रिकेट में ऐसी घटना हुई है। पिछली बार ऐसा तब हुआ था जब 2008 में श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच मुकाबला हुआ था। बांग्लादेश के संसदीय चुनाव 29 दिसंबर को होने थे, जो बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच 26 से 31 दिसंबर तक ढाका के मीरपुर में खेले गए पहले टेस्ट मैच के साथ मेल खाता था। चुनाव के कारण तीसरे दिन के बाद मैच को रोक दिया गया था, जब स्टंप्स तक स्कोर चार विकेट पर 291 रन था। चुनाव के कारण 29 दिसंबर को रेस्ट के बाद 30 दिसंबर को खेल फिर से शुरू हुआ, जिसे चौथा दिन माना गया।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की दौड़ में हरमनप्रीत

नई दिल्ली, प्रेट्र : पेरिस ओलिंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय हाकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को को एफआइएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया। 28 वर्ष के ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत ने पेरिस ओलिंपिक में आठ मैचों में दस गोल किए थे। वह 2020 और 2022 में लगातार दो बार पुरस्कार जीत चुके हैं।

हाकी इंडिया की ओर से जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा, 'एफआइएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में एक बार फिर शामिल होना गर्व की बात है।' उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ मुझे नामांकन मिला है। लेकिन यह मेरी टीम के सहयोग के बिना संभव नहीं था। मैं एफआइएच प्रो लीग और पेरिस ओलिंपिक में भी इतने गोल इसलिए कर सका क्योंकि टीम ने गोल करने के अवसर बनाए।' हरमनप्रीत के अलावा नीदरलैंड्स के थियरी ब्रिंकमैन और योएप डि मोल, जर्मनी के हानेस म्यूलेर और इंग्लैंड के जाक वालास भी दौड़ में हैं।

सौरभ ने 25वीं बार लिए पांच विकेट

दलीप ट्राफी

अनंतपुर, प्रेट्र : भारत-डी के बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार ने पांच विकेट लेकर पहले भारत-बी को 282 रनों पर रोका और उसके बाद घुई-श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारी की मदद से उनकी टीम ने दलीप ट्राफी मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में पांच विकेट पर 244 रन बना लिए। अब डी टीम की कुल बढ़त 311 रन हो गई। सौरभ ने प्रथम श्रेणी में 25वीं बार पांच विकेट लिए।

90 रनों की अविजित पारी में 10 चौके और तीन छक्के लगाने वाले घुई को दूसरे छोर से कप्तान श्रेयस अय्यर (50) और अनुभवी संजू सैमसन (45) का साथ मिला। इससे पहले भारत-बी ने दिन की शुरुआत छह विकेट पर 210 रन से आगे से करते हुए बाशिंगटन सुंदर की 87 रन की पारी के बूते पहली पारी में 282 रन बनाए। सुंदर ने सात चौके और एक छक्का जड़ा। भारत-डी के लिए बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार ने 73 रन देकर पांच विकेट लिए। उनके 72 प्रथम श्रेणी मैचों में कुल 312 विकेट हो गए हैं।

दलीप ट्राफी में विकेट लेने के बाद सौरभ कुमार (बाएं) और श्रेयस अय्यर ● बीसीसीआइ

पराग-शाश्वत ने भारत ए की जीत की रखी नींव

रियान पराग और शाश्वत रावत के अर्धशतकों की मदद से भारत-ए ने भारत-सी के विरुद्ध अंतिम दौर के मैच के तीसरे दिन शनिवार को अपनी स्थिति मजबूत कर ली। पराग ने 101 गेंद पर से 73 रन बनाए जबकि रावत ने 67 गेंद पर 53 रन की पारी खेली। पराग और रावत ने पांचवें विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी की। भारत-ए ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 270 रन बना लिए। विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र 40 जबकि तनुष कोटियान 13 रन बनाकर अविजित हैं। कप्तान मयंक अग्रवाल ने 34 रन का योगदान दिया। इससे भारत-ए की कुल बढ़त 333 रन की हो गई है। इससे पहले भारत-सी ने भारत ए के 297 के जवाब में पहली पारी को सात विकेट पर 216 रन से आगे बढ़ाई लेकिन इस दौरान पूरी टीम 234 रन पर आउट हो गई। भारत-ए की ओर से पहली पारी में बल्लेबाजी में कमाल दिखाने वाले गेंदबाज आवेश खान ने 64 रन देकर तीन विकेट लिए। उत्तर प्रदेश के 20 वर्षीय तेज गेंदबाज अकिब खान ने 43 रन देकर तीन विकेट प्राप्त किए। भारत-सी की ओर से अंशुल कंबोज, गौरव यादव और मानव सुतार ने दो-दो विकेट लिए।

पंत को रिटेन कर सकती है दिल्ली

नई दिल्ली, जेएनएन : दिल्ली कैपिटल्स अपने वर्तमान कप्तान रिषभ पंत को रिटेन कर सकती है। चेन्नई में बांग्लादेश के विरुद्ध चल रहे टेस्ट मैच में रिषभ के शानदार शतक के बाद यह खबर आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, रिषभ दिल्ली कैपिटल्स प्रबंधन की रिटेंशन में पहली पसंद हैं। पंत और कैपिटल्स के मैनेजमेंट के बीच उनके रिटेंशन फीस को लेकर कोई मतभेद नहीं है। इससे पहले यह खबर आई थी कि रिषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स को छोड़ सकते हैं। हालांकि, बीसीसीआइ ने अभी तक रिटेंशन नियमों की घोषणा नहीं की है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार पंत दिल्ली कैपिटल्स के लिए शीर्ष रिटेंशन विकल्प होंगे।

पंत और सह-मालिक पार्थ जिंदल के बीच मुंबई में हाल ही में बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद ही यह निर्णय लिया गया है। पंत का वर्तमान आइपीएल वेतन 16 करोड़ रुपए है, लेकिन इस आंकड़े में वृद्धि होने की पूरी उम्मीद है। पंत दुर्घटना के कारण 2023 सत्र से बाहर रहे थे। वहीं, इस वर्ष आइपीएल में उन्होंने दमदार वापसी की। पंत ने इस सत्र में खेले कुल 13 मैचों में 155 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 446 रन बनाए। इसके साथ ही पंत दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइज के लिए सर्वकालिक टाप रन-स्कोरर भी हैं। टीम के लिए उन्होंने कुल 3284 रन बनाए हैं।

16 करोड़ से अधिक राशि के साथ पंत हो सकते हैं रिटेन

रिपोर्ट के अनुसार, पंत के अलावा भी फ्रेंचाइजी ने रिटेंशन के लिए सूची तैयार कर ली है। अगर बीसीसीआइ पांच खिलाड़ियों से अधिक रिटेन करने की अनुमति देता है तो, अक्षर पटेल और कुलदीप टीम की पहली पसंद होंगे। वहीं, विदेशी खिलाड़ियों में जेक फ्रेजर मैकार्क और ट्रिस्टन स्टब्स को टीम प्राथमिकता देगी। वहीं, अगर अनकैप्ड खिलाड़ियों के रिटेंशन का प्रावधान होगा तो वे 21 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को रिटेन कर सकते हैं। वहीं, रिपोर्ट के अनुसार पांच बार का चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, महेंद्र सिंह धौनी और मतीशा पथिराना को रिटेन कर सकता है। आपसी समझौते के बाद एमएस धौनी को सबसे कम मूल्य पर रिटेन किया जा सकता है।

भारत में ट्राफी दौरे पर आए मैनचेस्टर सिटी के पूर्व स्ट्राइकर ने आर्सेनल से होने वाले मैच पर दी राय

हालैंड-फोडेन कभी भी बदल सकते हैं परिणाम : शान

युक्ति सेरन ● जागरण

नई दिल्ली: मैनचेस्टर सिटी और आर्सेनल के बीच पिछले दो सत्रों से प्रीमियर लीग खिताब के लिए कड़ा मुकाबला चल रहा है। हालांकि, दोनों बार कोच पेप गार्डियोला की टीम ने बाजी मार ली, पर रविवार को सिटी के घरेलू मैदान एतिहाद स्टेडियम में होने वाले मैच में कोच माइकल आर्टेटा की टीम जीत के साथ अपनी मजबूत दावेदारी पेश करने के इरादे से उतरेगी। इस मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। मैनचेस्टर सिटी के पूर्व स्ट्राइकर शान राइट फिलिप्स ट्राफी दौरे को लेकर इन दिनों भारत में हैं। रविवार को होने वाले मुकाबले को लेकर उनका मानना है कि इस बार आर्सेनल को कप्तान ओडिगार्ड की कमी खलेगी। मैनचेस्टर सिटी के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड और फिल फोडेन किसी भी समय अपने अद्भुत खेल से मैच का परिणाम बदलने की क्षमता रखते हैं।

आर्सेनल ने पिछले सत्र में मैनचेस्टर सिटी को अपने घर में हराया था, जबकि एतिहाद स्टेडियम में गोल रहित ड्रा खेला था। हालांकि, इसके बावजूद वह खिताब नहीं जीत सके थे। इस बार पहले दोनों टीमों को एतिहाद में ही भिड़ना है। मैच के परिणाम को लेकर बात करते हुए शान ने कहा, 'अगर आप देखें कि मैनचेस्टर सिटी कैसे खेलती है, तो आप देखेंगे कि वे हमेशा टैक्टिकल गेम खेलती हैं। टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपने दम पर मैच का परिणाम बदल सकते हैं। इनमें फिल फोडेन, एर्लिंग हालैंड समेत कई खिलाड़ी हैं। टीम को चोटिल डिब्रुन की कमी खलेगी।

वहीं, पहले और वर्तमान प्रीमियर लीग टीमों में आए खेलों में टैक्टिकल परिवर्तन को लेकर फिलिप्स राइट ने कहा, 'पहले और अब के खेल की शैली में बहुत परिवर्तन आ गया है। इसका प्रमुख कारण है अब विंगरों की भूमिका बहुत अहम हो गई है। पांच वर्ष पूर्व विशेष रूप से कोई विंगर नहीं होता था जो पूरा खेल चलाए, लेकिन अब यह बदल गया है। पेप समेत कई कोच अब ऐसे ही खेल चलाना पसंद करते हैं। पहले मिडफील्डर अधिकतर दौड़ लगाते थे, जबकि फुटबाल पोजेशन (गेंद रखना) उनके पास अधिक नहीं होता था। अब पूरा खेल तकनीकी क्षमता पर निर्भर होता है, जो पहले नहीं होता था। साथ ही अब अधिकतर टीमें हाई प्रेस (आक्रामक) खेल में भरोसा रखती हैं।'

भारत में ट्राफी टूर के लिए आए मैनचेस्टर सिटी के पूर्व फुटबालर शान फिलिप ● स्टार स्पोर्ट्स

प्रशांत-जीवन हांगझू, युकी चेंगदू ओपन के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत के विजय सुंदर प्रशांत और जीवन नेदुनचेझियान ने हांगझू ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के कड़े मुकाबले में शनिवार को दूसरी वरीयता प्राप्त जूलियन कैश और लायड ग्लासपूल को हराया, जबकि युकी भांबरी ने फ्रांस के अपने साथी के साथ चेंगदू ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हांगझू में खेले जा रहे टूर्नामेंट में प्रशांत और नेदुनचेझियान ने शुरुआती सेट गंवा दिया, लेकिन इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए दो घंटे तक चले मैच में 6-7 (4), 7-6 (6), 10-8 से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस भारतीय जोड़ी का अगला मुकाबला एरियल बेहार और राबर्ट गैलोवे की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से होगा।

उधर चेंगदू में भांबरी और फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने भी पहला सेट हारने के बाद गोंजालो एस्कोबार और डिएगो हिडालग्गो को 5-7, 6-3, 12-10 से पराजित किया। अब उनका मुकाबला इवान डोडिज (क्रोएशिया) और राफेल माटोस (ब्राजील) की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से होगा।

हद्दाद माइया अंतिम-चार में, राडुकानू हटीं

स्यिोल, एपी : बीट्रिज हद्दाद माइया कोरिया ओपन में वर्षा के कारण देर से शनिवार को खेले गए मुकाबले में पोलिना कुदेरमेटोवा पर 6-2, 6-1 से जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गईं। वर्षा के कारण शुक्रवार के पूरे दिन का खेल रद्द हो गया, जिसके कारण क्वार्टर फाइनल शनिवार को खेले गए। वेरोनिका कुदेरमेटोवा अंतिम आठ की बाधा को पार करने में सफल रहीं। इस 27 वर्ष की खिलाड़ी ने विक्टोरिया टोमोवा को 7-5, 6-3 से हराया। यूएस ओपन 2021 की चैंपियन एम्मा राडुकानू के प्रतियोगिता से हटने से ग्रारिया कसाटकिना भी सेमीफाइनल में पहुंच गईं।

500 रुपये में महिलाओं को गैस सिलिंडर दिया जाएगा। एक बात बताओ, यदि भाजपा को लगता है कि कांग्रेस इन वादों को पूरा नहीं कर सकेगी तो फिर उसने अपने चुनाव घोषणापत्र में कांग्रेस के वादों को क्यों काॅपी किया है।

नान स्टाप नहीं...भाजपा ने 'फुल स्टाप' हरियाणा बना दिया

सप्ताह का साक्षात्कार

● 10 साल सत्ता से दूर रहने के बाद कांग्रेस फिर से चुनावी रण में है। भाजपा सत्ता में वापसी का प्रयास कर रही और कांग्रेस को फिर सत्ता में लौटने की उम्मीद है...

– प्रदेश की जनता ने कांग्रेस और भाजपा दोनों के 10-10 साल का कार्यकाल देखा है। उसके पास आकलन करने का सबसे उपयुक्त समय यही है। कांग्रेस ने अपने 10 साल के कार्यकाल में जिस हरियाणा को प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, शिक्षा, ढांचागत विकास, बिजली उत्पादन, औद्योगिक निवेश, विकास और रोजगार में नंबर-वन बनाया था, भाजपा ने उसे आखिरी पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया है। फर्क पूरे प्रदेश की जनता के सामने है। भाजपा अपने कार्यकाल में कोई भी ऐसा प्रोजेक्ट हरियाणा में लेकर नहीं आई, जिसकी चर्चा की जा सके। एक इंच रेल और मेट्रो लाइन नहीं बिछाई गई। कांग्रेस के कार्यकाल की परियोजनाओं को बंद कर दिया गया। कांग्रेस के पास गिनाने के लिए उपलब्धियों के अपार भंडार हैं। यही हमारी ताकत है।

● कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणापत्र में सात गारंटियां लांच कीं। एमएसपी की गारंटी, छह हजार रुपये मासिक पेंशन और दो लाख सरकारी नौकरियां, कैसे इनको पूरा करेंगे?

– हमने पहले भी करके दिखाया है। भाजपा का चुनाव घोषणापत्र भी आ चुका है, जो कि कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र की काॅपी-पेस्ट है। भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में कांग्रेस के वादों पर सहमति की मुहर लगाई है। कांग्रेस की तरह उसने भी दो लाख सरकारी नौकरियां देने की बात कही है, लेकिन पिछले 10 साल से भाजपा कहां थी। जब उसके पास मौका था, तब क्यों नहीं ये नौकरियां दीं। अब कांग्रेस सरकार योग्यता व मेरिट के आधार पर ये सभी नौकरियां देगी। भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में पेंशन की राशि नहीं बताई। हमने छह हजार रुपये मासिक पेंशन देने की बात कही है। एमएसपी की गारंटी का कानून हम बनाएंगे। काम करने की दृढ़ इच्छाशक्ति होनी चाहिए। व्यवस्था और संसाधन अपने आप तैयार हो जाते हैं।

● पीएम मोदी से लेकर अमित शाह और मुख्यमंत्री नायब सैनी तक, सभी कांग्रेस शासित राज्यों की आर्थिक स्थिति और गुनाह पूर्व किए वादों का पोस्टमार्टम कर रहे हैं?

– यह सब लोगों को भ्रमित करने का प्रोपेगेंडा है। कांग्रेस शासित राज्यों में सरकारें बहुत बढ़िया काम कर रही हैं। कहीं कोई आर्थिक परेशानी नहीं है। चरणबद्ध तरीके से सारे वादे और घोषणाएं पूरे किए जा रहे हैं। भाजपा इस तरह के आरोप लगाते हुए हरियाणा को क्यों भूल जाती है। जिस हरियाणा को कांग्रेस ने विकास में नंबर-वन बनाया था, उसी हरियाणा को भाजपा ने कर्ज में नंबर-वन बना दिया। राज्य पर करीब चार लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। पूरे प्रदेश में जब विकास की कोई नई परियोजना नहीं आई तो फिर कर्ज की यह राशि कहां चली गई। भाजपा इसे बताने को तैयार नहीं है, लेकिन जनता को पता है कि सारा पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा है।

● भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने जितनी चुनाव गारंटियां लांच की हैं, उन पर कई हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे और कांग्रेस उनको पूरा नहीं कर पाएगी?

– क्यों नहीं कर पाएगी। कांग्रेस ने पिछली बार सत्ता में आने से पहले किसानों का सारा कर्ज माफ करने का वादा किया था। तब भी यही बात आई थी कि कैसे होगा, लेकिन हमने कर्जा माफ किया। इसके बावजूद राज्य की अर्थव्यवस्था को बहुत बढ़िया तरीके से चलाया। कांग्रेस अपनी समस्त गारंटियों को जनता के हित में लागू करेगी। दो लाख सरकारी नौकरियां प्रदान की जाएंगी। एमएसपी की गारंटी देंगे। छह हजार रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। महिलाओं को दो हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। 300 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे। 500 रुपये में महिलाओं को गैस सिलिंडर दिया जाएगा। आप एक बात बताओ, यदि भाजपा को लगता है कि कांग्रेस इन वादों को पूरा नहीं कर सकेगी तो फिर उसने अपने चुनाव घोषणापत्र में कांग्रेस के वादों को क्यों काॅपी किया है। आप उनका चुनाव घोषणापत्र उठाकर देख लो। कांग्रेस की तर्ज पर ही भाजपा ने 500 रुपये में गैस सिलिंडर, दो लाख सरकारी नौकरियां, 2100 रुपये महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की बातें कही हैं।

● पूरे प्रदेश में जातीय राजनीति हावी है। खासतौर से आंधीसी, दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों के प्रति राजनीतिक दलों का खास प्रेम नजर आ रहा है?

– जातीय राजनीति हम नहीं बल्कि भाजपा कर रही है। कांग्रेस हमेशा से 36 बिरादरियों की राजनीति करती आई है। समाज में जाति का जहर अगर किसी ने घोला है तो वह भाजपा है। कांग्रेस ने अपने राज में ओबीसी के लिए क्रीमीलेयर की आय सीमा आठ लाख रुपये निर्धारित की थी, लेकिन भाजपा ने उसे अपने राज में घटाकर छह लाख रुपये कर दिया था। इस वजह से हजारों-लाखों लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पाया। उन्हें उनके हक की नौकरियां और दाखिले नहीं मिले। कांग्रेस ने जब इसका विरोध किया तो चुनाव से कुछ समय पहले फिर क्रीमीलेयर की आय सीमा को भाजपा ने आठ लाख रुपये करने की औपचारिकता निभाई, लेकिन तब तक समय बीत चुका था। कांग्रेस ने ओबीसी क्रीमीलेयर की आय सीमा 10 लाख रुपये करने का वादा प्रदेश की जनता से किया है।

● हरियाणा में सरकारी नौकरियां बड़ा मुद्दा है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस राज में नौकरियां बिकती थीं...

– शीशे के घरों में रहने वाले दूसरों पर पत्थर नहीं फेंका करते। हरियाणा लोक सेवा आयोग के कार्यालय में नोटों से भरे बैग किसके कार्यकाल में पकड़े गए, पेपर लीक सबसे ज्यादा किसके कार्यकाल में हुए, भर्ती माफिया और पेपर लीक माफिया को किसने जन्म दिया, यह सब भाजपा के राज में हुआ। हरियाणा से बाहर के लोगों को योजनाबद्ध तरीके से यहां लाकर नौकरियां दी गईं। क्या हरियाणा में प्रतिभा नहीं है। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से चोर रास्ते से भर्तियों का रास्ता किसने खोला? भाजपा ने ही खोला। राज्य में दो लाख सरकारी पद खाली हैं, जिन पर योग्यता के आधार पर भर्ती करेंगे। हर पढ़े-लिखे को उसका हक मिलेगा।

● लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पांच सीटों पर जीत हासिल की और पांच पर ही भाजपा चुनाव जीती। इन चुनाव नतीजों को कैसे देखते हैं?

– प्रदेश की जनता ने लोकसभा चुनाव के दौरान ही मन बना लिया था कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार लानी है। आइएनडीआइए के तहत कांग्रेस नौ और आम आदमी पार्टी एक सीट पर चुनाव लड़ी थी। कांग्रेस ने नौ में से पांच सीटों पर जीत हासिल की, जबकि भाजपा ने 10 में से पांच सीटें जीतीं। पूरे उत्तर भारत में हरियाणा में कांग्रेस को सबसे अधिक मत प्रतिशत हासिल हुआ, जिसका मतलब साफ है कि प्रदेश की जनता यहां कांग्रेस को चाहती है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से प्रदेश के एक-एक आदमी की जुबान पर आ गया कि हरियाणा में भाजपा जा रही है और कांग्रेस आ रही है।

● आइएनडीआइए की सहयोगी आम आदमी पार्टी के साथ गठजोड़ को लेकर काफी दिनों तक असमंजस की स्थिति बनी रही। अगर कांग्रेस और आप मिलकर चुनाव लड़ते तो क्या असर रहता?

– लोकसभा चुनाव के लिए आइएनडीआइए का गठन हुआ था। हरियाणा में कांग्रेस और आप मिलकर लोकसभा चुनाव लड़े। हमने कांग्रेस नेतृत्व को कह दिया था कि विधानसभा चुनाव में गठबंधन की जरूरत नहीं है। कांग्रेस हरियाणा में स्वयं के बूते विधानसभा चुनाव लड़ने में सक्षम है। कांग्रेस नेतृत्व ने हमारी इस बात को स्वीकार किया। वैसे भी आम आदमी पार्टी के नेताओं को कुछ ज्यादा ही जल्दी थी। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व के फैसले को इंतजार किए बिना ही अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। आदमपुर उपचुनाव के नतीजे आपने देखे होंगे। वहां उपचुनाव में आप के उम्मीदवार को सिर्फ तीन हजार वोट मिले थे।

● कांग्रेस में गुटबाजी किसी से छिपी नहीं है। हुड्डा गुट बनाम पहले एसआरके गुट और अब एसआरवी, यानी सैलजा-सुरजेवाला-वीरेंद्र गुट। कांग्रेस की इस गुटबाजी का चुनाव पर क्या असर पड़ेगा?

– कांग्रेस में किसी तरह की गुटबाजी नहीं है। कांग्रेस में स्वस्थ लोकतंत्र है। हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है। टिकटों के आवंटन तक सभी ने अपनी-अपनी बात कांग्रेस हाईकमान के समक्ष रखी। कांग्रेस हाईकमान ने भी सभी की राय ली। अब टिकटों की घोषणा हो चुकी है तो पूरी कांग्रेस एकजुट होकर राज्य में सत्ता की वापसी के लिए प्रयासरत है।

● आपके विरोधी आरोप लगाते हैं कि कांग्रेस पार्टी में सिर्फ हुड्डा का दबदबा है। किरण चौधरी और उनसे पहले कई बड़े नेता कांग्रेस छोड़कर जा चुके हैं...

– मैं और मेरा परिवार पूरी तरह से कांग्रेस को समर्पित है। जिस व्यक्ति को जहां सुविधा होती है, वह वहां चला जाता है। इसमें मेरी क्या भूमिका हो सकती है?

● हरियाणा के चुनावी रण में क्षेत्रीय दल भी सक्रिय हैं। इनेलो और बसपा का गठबंधन है तो जजपा और आजाद समाज पार्टी ने गठजोड़ कर चुनावी रण में ताल ठोंकी है...

– गठबंधन की राजनीति का हश्र सबके सामने है। भाजपा ने साढ़े चार साल तक जजपा के साथ गठबंधन कर सरकार चलाई। इन साढ़े चार साल में पूरे प्रदेश को दोनों हाथों से लूटा गया। जजपा के भ्रष्टाचार पर भाजपा ने आंखें बंद करके रखी। इनेलो-हलोपा-बसपा गठबंधन भी भाजपा के लिए चुनाव लड़ रहा है। मेरा मानना है कि क्षेत्रीय दल सिर्फ वोट काटू दल की भूमिका में हैं। राज्य में चुनावी मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच है। बाकी किसी दल की कोई भूमिका नहीं है।

● पिछले चुनाव में भाजपा ने 75 पार का नारा दिया था, उसकी 40 सीटें आईं। इस बार कांग्रेस ने 65 पार का नारा दिया है तो आपको क्या लगता है, 90 सदस्यीय विधानसभा में क्या गणित रहने वाला है?

– मैं सीटों की संख्या के बारे में किसी तरह की टिप्पणी नहीं करना चाहता। मेरा सिर्फ इतना कहना है कि हरियाणा में कांग्रेस पूर्ण, स्पष्ट और भारी बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। लोग इंतजार कर रहे हैं कि कब भाजपा जाए और कांग्रेस सत्ता में लौटे, ताकि राज्य के संपूर्ण विकास को पंख लग सकें।

● भाजपा ने प्रदेश के विकास की गति को आगे बढ़ाने के लिए नान स्टाप हरियाणा का नारा दिया है। इसे कैसे देखते हैं?

– यह नान स्टाप हरियाणा नहीं, बल्कि भाजपा ने इसे फुल स्टाप हरियाणा बना दिया। उड़ता हरियाणा बना दिया। अपराधियों व बदमाशों की शरणस्थली बना दिया। हमारे समय में बदमाशों ने हरियाणा छोड़ दिया था। दलितों को 100-100 गज के प्लाट देने की जो योजना कांग्रेस ने शुरू की थी, उसे भी भाजपा ने बंद कर दिया। रुकी हुई विकास परियोजनाओं को गति देंगे। राज्य को नंबर-वन बनाने का काम करेंगे।

● एक आखिरी सवाल, राजनीतिक गतियारों में चर्चा है कि आप अपने सांसद बेटे दीपेंद्र सिंह हुड्डा को मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास कर सकते हैं...

– अगर और मगर का कोई जवाब नहीं होता। मैं पहले ही कह चुका हूं कि हरियाणा के चुने हुए कांग्रेस विधायक जिसे चाहेंगे और जिसके नाम पर हाईकमान अपनी सहमति की मुहर लगाएगा, वही राज्य का मुख्यमंत्री होगा।

हरियाणा में साल 2005 से 2014 तक मुख्यमंत्री रहे विपक्ष के नेता **भूपेंद्र सिंह हुड्डा** राज्य में फिर कांग्रेस की सरकार बनने को लेकर आशान्वित हैं। अपनी उम्मीद और दावे की वजह वह भाजपा सरकार की 10 साल की 'विफलताओं' को बताते हैं और कहते हैं कि 2014 से 2024 तक प्रदेश की जनता ने भाजपा को काम करने का मौका दिया, लेकिन भाजपा ने जनता की उम्मीदों के विपरीत हरियाणा को विकास, प्रति व्यक्ति आय, रोजगार, स्वास्थ्य शिक्षा सेवाओं और औद्योगिक निवेश में काफी पीछे धकेल दिया। कांग्रेस सरकार ने जिस हरियाणा को हंसता-खेलता, आगे बढ़ता खुशहाल प्रदेश बनाया था, भाजपा ने अपने कार्यकाल में उसे नशे में उड़ता हरियाणा बना दिया है। चुनाव प्रचार के दौरान वह 'नान स्टाप हरियाणा' के नारे को 'फुल स्टाप' हरियाणा बताते हुए भाजपा को घेरते नजर आते हैं। साथ ही यह दावा करते हैं कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर हरियाणा को विकास, प्रतिव्यक्ति आय, औद्योगिक निवेश और रोजगार में नंबर-वन बनाया जाएगा। कांग्रेस के पिछले कार्यकाल, भाजपा के 10 साल और यदि कांग्रेस फिर से सत्ता में आई तो उस समय पार्टी आगे की कार्ययोजना पर दैनिक जागरण के राज्य ब्यूरो प्रमुख **अनुराग अग्रवाल** ने उनसे विस्तृत बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश:

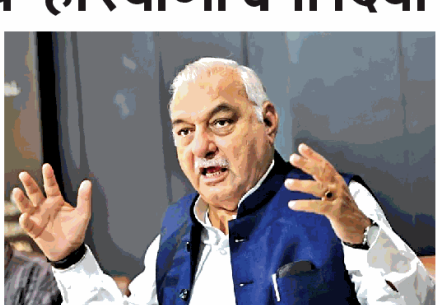

● कांग्रेस अभी सत्ता में भी नहीं आई, लेकिन अंदरूनी तौर पर मुख्यमंत्री की लड़ाई तेज हो गई। आपके समर्थक आपको और सैलजा के समर्थक दलित मुख्यमंत्री की मांग उठा रहे हैं...

– कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के लिए कोई लड़ाई नहीं है। कांग्रेस की चुनाव गारंटियां लांच करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे स्पष्ट रूप से कह चुके हैं कि कांग्रेस किसी भी राज्य में चुनाव से पहले अपना मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करती। हरियाणा में यह कोई नई बात नहीं है। विधानसभा चुनाव में जीत के बाद जब मुख्यमंत्री बनाने की बारी आएगी, तब विधायक जिसे चाहेंगे, उसे विधायक दल का नेता चुनेंगे और कांग्रेस हाईकमान उस पर मुख्यमंत्री के रूप में अपनी सहमति की मुहर लगाएगा। हमेशा से ऐसा होता आया है। हरियाणा में भी इसी फार्मूले पर चला जाएगा।

चिंगारी को 'ज्वाला' में बदलने वाली सूत्रधार

शक्ति

कोलकाता की रिमझिम सिन्हा ने ही आरजी कर पीड़िता के लिए न्याय को सबसे पहले 'रिक्लेम द नाइट' का किया था आह्वान। उस आह्वान से आधी रात को सड़कों पर उतर आई थी लाखों आम जनता और सबने एक साथ आवाज बुलंद की कि महिलाओं पर अत्याचार अब और सहन नहीं। उन्होंने जो मशाल जलाई और आगे चलकर हजारों हाथों ने उसे थाम लिया। 41 दिन तक चले धरना-प्रदर्शन के आगे सरकार को झुकना पड़ा। चिंगारी कैसे ज्वाला बन सकती है, वह इसकी सूत्रधार बनीं:

रिक्लेम द नाइट के दौरान मशाल जुलूस में शामिल रिमझिम सिन्हा। (बाएं से प्रथम)। सौ. स्वयं

रजीब कुमार झा ● जागरण

कोलकाता: 'मेयेरा रात दखल करो, दिन बदल करो' मतलब 'लड़कियों रात पर कब्जा करो, दिन बदलो'। सरकारी आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में न्याय की मांग पर इसी नारे से कोलकाता की रिमझिम सिन्हा ने एक छोटी चिंगारी जलाई थी, जो 14- 15 अगस्त की दरमियानी रात में आंदोलन की आग बन कर सड़कों पर फैली थी। जिसे रिक्लेम द नाइट (रात दखल) अभियान नाम दिया गया था। यह आग इस मानसिकता को जला कर भस्म करने की थी, जो पीड़िताओं को ही कटघरे में खड़ा करती है।

कोलकाता के प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा 29 वर्षीय समाज विज्ञान की शोधार्थी रिमझिम ने ही सबसे पहले 10 अगस्त को फेसबुक पर एक पोस्ट करके 'रिक्लेम द नाइट' अभियान का आह्वान किया था, जिसका जबर्दस्त समर्थन मिला था। 14 की आधी रात को पूरे बंगाल सहित देश के विभिन्न शहरों में हजारों की संख्या में महिलाएं और आम जनता विरोध प्रदर्शन करने के लिए सड़कों पर उतर आई थीं। रिमझिम के आह्वान पर एक महीने में तीन बार यह अभियान हो चुका है। पहला 14 अगस्त को, दूसरा 4 सितंबर और तीसरा 8 सितंबर की रात को। तीनों बार लाखों की तादाद में लोग शामिल हुए।

रिमझिम कहती हैं, हमेशा रात को एक कैरेक्टर सर्टिफिकेट के हिसाब से देखा जाता है। यह बार-बार देखा गया है, कभी समाज, कभी पुलिस तो कभी सत्ता में बैठे लोग पीड़िता में भी गुड़बड़ी ढूंढने की कोशिश करते हैं। उसने क्या कपड़े पहने हुए थे? किस टाइम पर घर से बाहर थी? आदि। अगर वह रात को निकली हुई रहती है या दो महिलाएं रात को 12 बजे के बाद दिख जाएं तो अक्सर उनके चरित्र को लेकर बातें होने लगती हैं। घर से हमको सिखाया जाता है रात को लड़कियों को बाहर नहीं निकलना चाहिए। इसी बात को ध्यान में रखते हुए उनका कैरेक्टर सर्टिफिकेट तैयार किया जाता है। ऐसे में हम यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि रात सिर्फ एक जेंडर (पुरुष) के लिए रिजर्व नहीं है। ऐसी मानसिकता के विरुद्ध ही यह रात दखल अभियान (रिक्लेम द नाइट) है। रिक्लेम द नाइट के जरिए महिलाएं अपने अधिकार को समाज से रिक्लेम (फिर से मांग) कर रही हैं।

सोचा नहीं था इतना ज्यादा रिस्पांस आएगा : 2012 में निर्भया कांड के बाद पूरे देश में काफी लोग सड़कों पर उतरे थे। उसके काफी सालों बाद 2024 में ऐसा हुआ। बंगाल में 14 अगस्त को यह कार्यक्रम हुआ था, उसके बाद पूरे देश में ही कई जगहों पर यह कैंपेन चला। विदेश में भी कई जगहों पर महिलाएं बाहर आईं। सोचा नहीं था इतना ज्यादा रिस्पांस आएगा। रिमझिम की दो सहेलियों ने मी-टू में शिकायत दर्ज कराई थी। रिमझिम ने उनके लिए भी लड़ाई लड़ी थी। 2018 में जब हैदराबाद में एक डाक्टर प्रियंका रेड्डी की हत्या और जलाए जाने की घटना सामने आई थी, उस वक्त भी रिमझिम ने रात में यहां जादवपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया था। उसमें मात्र 60-70 लोग ही आए थे। रिमझिम ने बताया कि जब इस अभियान का आह्वान किया था तो उन्हें उम्मीद थी कि 100-150 लोग ही आएंगे, लेकिन जिस तरह भीड़ उमड़ी। यह भी उम्मीद नहीं की थी।

सिर्फ बंगाल नहीं, देश के साथ विदेश में जो रिस्पांस आया उससे हमें प्रतीत होता है कि कहीं न कहीं मन में जमा क्रोध है कि एक के बाद एक ऐसे मामले आ रहे हैं, जहां महिलाएं जुल्म सहन करती आ रही हैं। इस तरह के आह्वान के बाद लोगों को लग की बहुत हो गया अब हमें जाकर रास्ते पर मांगे मांगनी होंगी, क्योंकि जो राजनीतिक पार्टियां हैं उन पर से सबका भरोसा उठ चुका है। रिमझिम ने कहा- यह प्रतिक्रिया बहुत उत्साहित करने वाली है।

आंदोलन का मकसद क्या है?

रिमझिम के अनुसार हम दो तरह के न्याय की मांग कर रहे हैं। कितने भी बड़े, शक्तिशाली लोग हों, जो दोषी हों, उनको सामने लाना चाहिए। उन्हें सजा मिले। लंबी अवधि के लिए परिवर्तन के लिए हमारा अभियान है। जस्टिस सिर्फ आरजी कर घटना का नहीं है। हम चाहते हैं कि इसके बाद और किसी महिला के लिए रास्ते पर हमें उतरने को मजबूर न होना पड़े।

कैसे आएगा परिवर्तन

जेंडर को लेकर पढ़ाया जाए। जेंडर डिस्क्रिमिनेशन क्या होता है? जेंडर इक्वलिटी क्या होता है? जिस तरह क्लास-5 में साइंस एक तरह से पढ़ते हैं और क्लास 10 में 12 में साइंस दूसरी तरह से, उसी तरह से जेंडर को भी ध्यान में रखते हुए कोई कोर्स तैयार किया जाए। बचपन से ही यह सीख सकें कि क्या करना चाहिए या नहीं।

पापा हमेशा कहते थे...जब भी आप कुछ गलत होते देखो, चुप मत रहो

रिमझिम की मां गृहिणी और पिताजी सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी हैं। रिमझिम ने समाज विज्ञान में मास्टर्स की डिग्री हासिल की है। फिलहाल स्वतंत्र रिसर्चर के तौर काम करती हैं। पढ़ने, सीखने और समाज में परिवर्तन लाने की ललक है। वह कहती हैं, मैं विश्वास नहीं करती कि सिर्फ एक ही आइडल हो सकता है, हर जगह से किसी न किसी से मुझे प्रेरणा मिलती रही है, पर मेरे पापा मुझे कहते आए हैं, जब भी आप कुछ गलत होते देखो, चुप मत रहो। जिंदगी में इसी उसूल की वजह से मैं भी इस आंदोलन का हिस्सा हूं।

मोहिनी के साहस को प्रणाम...

शौर्य

आगरा के बटेश्वर में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान अचानक चार युवक डूबने लगे। उनकी आवाज सुनकर घाट पर पूजन सामग्री बेचने वाली हाई स्कूल की छात्रा मोहिनी गोस्वामी यमुना में कूद गई और उन चारों को बचाकर किनारे तक ले आई। साहस के बलबूते पर न सिर्फ उन्होंने चार परिवारों के चिराग को बचाया बल्कि अपनी गुमनामी भरी जिंदगी को भी रोशन किया। जिला प्रशासन उनका नाम वीरता पुरस्कार के लिए प्रस्तावित करने जा रहा है:

घाट पर पूजन सामग्री बेचती मोहिनी गोस्वामी। जागरण

यशवंत चौहान ● जागरण

आगरा: यमुना किनारे बसे बटेश्वर तीर्थ क्षेत्र के घाट पर पूजा सामग्री बेचने वाली मोहिनी 17 सितंबर मंगलवार से पहले गुमनाम थी। विधवा मां की बेटी और हाईस्कूल की छात्रा मोहिनी। मंगलवार की शाम चार बजे उफनती यमुना में घाट पर मोहिनी ने जो हिम्मत दिखाई उससे पहचान बदल गई। अब वो वीर बेटी मोहिनी है, जिसने चार घरों के लाड़लों की जान ही नहीं बचाई बल्कि परिवारों को टूटा के अंधेरे में जाने से बचा लिया। गणपति प्रतिमा विसर्जन के दौरान यमुना में नहाने उतरने के कुछ देर बाद डूबते चार युवकों को जिस तरीके से बचाया, वो उसकी हिम्मत की बयानी करता है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के आगरा जिले के पैतृक गांव बटेश्वर में रहने वाली 18 वर्षीय मोहिनी गोस्वामी ब्रह्मलाल जी महाराज मंदिर के पास यमुना किनारे पूजा सामग्री बेचती है।

10 वर्ष की उम्र में सीखी तैराकी

मोहिनी हाईस्कूल में पढ़ रही है। पूजा सामग्री बेचकर 400-500 रुपये कमा लेती हैं। मोहिनी गोस्वामी की मां अनीता बताती हैं कि पति की मौत के बाद जब मायके लौटी तो मोहिनी आठ साल की थी। बच्चों के साथ अक्सर यमुना किनारे खेलने चली जाती थी। खड़े-खड़े दूसरे लोगों को यमुना में तैरते देखती रहती थी। दूसरों को पानी में हाथ पैर मारते देखकर वह दस वर्ष की उम्र में ही तैराकी सीख गई। वह कहती हैं बेटी मोहिनी ने जिस तरह से चार युवकों की जान बचाई, उससे सिर ऊंचा हो गया। मैं पहले उसे रोकती थी, लेकिन अब तैरने से नहीं रोकूंगी।

मथुरा के गांधी नगर में रहने वाले उसके पिता मोहन की 10 वर्ष पूर्व देहांत हो चुका है। अब वह नाना प्रेमपाल गोस्वामी के घर में मां अनीता के साथ रहती है। घर में उसके अलावा कोई और नहीं है। इसलिए वह मां की मदद को पूजा सामग्री बेचती है। मंगलवार शाम चार बजे मोहिनी श्रद्धालुओं की पूजा सामग्री बेच रही थी। अचानक घाट पर लोगों का शोर सुनकर वह घाट पर पहुंची। देखा तो नदी में चार युवक गोते लगा रहे थे। कुछ देर बचाओ-बचाओं की आवाज सुनाई दी और फिर डूबने लगी। एक पल गवाए बिना मोहिनी ने घाट पर पड़ी रस्सी उठाई और छलांग लगा दी। करीब पांच मिनट बाद 19 वर्षीय आकाश खींचकर बाहर निकाला। इसके बाद 17 वर्षीय हिमालय व अन्य दो को पानी से बाहर निकाला। चारों युवक फिरोजाबाद के हैं। लोग उसके साहस की प्रशंसा करते नहीं थक रहे। एसडीएम बाह श्रष्टि ने बताया कि मोहिनी ने साहसिक कार्य किया है। वीरता पुरस्कार के लिए उनके नाम का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

गोता ने बना दिया गोताखोर

मोहिनी बताती है कि वह हम उम्र बच्चों के साथ वह नदी में नहाती और वहीं हाथ-पैर मारती रहती थी। एक बार नदी में गोता लगाया और डूबने लगी। साथ वालों ने हाथ पकड़कर बाहर निकाला। उस गोते ने ही उसे गोताखोर बना दिया। उस दिन जब चारों डूबने लगे तो चीख सुनकर रुका नहीं गया और वह कूद गई।

मोहिनी की बहादुरी की चर्चा हर जगह हो रही है। हम उसके घर जाकर मिलेंगे। वीर मोहिनी को वीरता पुरस्कार के लिए प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। प्रस्ताव जल्द ही शासन तक पहुंच जाएगा।

– श्रृष्टि सिंह, उपजिलाधिकारी बाह

नाइटिंगेल तबस्सुम के लिए हर धर्म से बड़ा है मरीजों की 'सेवा'

समर्पण

मरीजों की सेवा को अपना सबसे बड़ा धर्म बनाकर लगातार सीखने और अपने साथ-साथ दूसरों को भी लगातार प्रेरित करने वाली नर्स डा. तबस्सुम इरशाद हांडू को विगत दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रतिष्ठित फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया। बीएड और स्नातक की पढ़ाई करने के बाद सात साल के लिए सऊदी चली गईं, लेकिन मन में कहीं अधूरापन से था। देश लौटीं और नर्सिंग का कोर्स कर मरीजों की सेवा में जुट गईं। आज के दौर में जब सिजेरियन डिलीवरी का चलन बढ़ा है, उन्होंने वर्ष 2023 में प्राकृतिक प्रसव को प्रोत्साहित करने पर अपनी पीएचडी पूरी की। आइए जानते हैं एक नर्स की जीवनगाथा के बारे में...

नवीन नवाज ● जागरण

श्रीनगर: श्रीनगर के बुचपोरा में रहने वाली शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसकेआइएमएस) में नर्स डा. तबस्सुम इरशाद हांडू ने साबित कर दिया कि यदि मन में कुछ करने की इच्छा हो तो बाधाएं रास्ता नहीं रोक सकती है। उन्होंने श्रीनगर के राजबाग में झेलम किनारे स्थित प्रेजेंटेशन कान्वेंट स्कूल में शुरुआती पढ़ाई की और उसके बाद मैट्रिक डीएवी स्कूल, जवाहर नगर से की। इसके बाद गवर्नमेंट कालेज फार विमेन, श्रीनगर से स्नातक किया। वह कहती हैं आज जिस संस्थान में काम कर रही हूं, उसी एसकेआइएमएस से नर्सिंग में डिप्लोमा हासिल किया है। यहीं कुछ समय काम किया। उसके बाद सऊदी अरब चली गईं, जहां सात वर्षों तक काम किया। वापस लौटने पर शिक्षा विभाग में काम किया। साथ ही बीएड व अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर किया। इसके बावजूद कुछ अधूरापन महसूस होता था। वर्ष 1999 में फिर एसकेआइएमएस में दोबारा दाखिला लिया। घर परिवार की भी जिम्मेदारी थी, तीन बच्चों की मां बन चुकी थी, पर हिम्मत नहीं हारी और नर्सिंग में पोस्ट बेसिक बीएससी की पढ़ाई की। उसके बाद 2012 में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से नर्सिंग (प्रसूति/स्त्री रोग) में एमएससी किया।

कोविड काल का जिक्र करते हुए कहती हैं कि वह काफी चुनौतीपूर्ण समय था। बतौर नर्स वह मेरी जिंदगी का एक अहम दौर था। मई 2001 में मैंने एनडीआरएफ के 140 कर्मियों को फर्स्ट एड नर्सिंग केयर में प्रशिक्षित कर उन्हें कोविड-19 के ट्रेल्टा वैरिएंट के संक्रमितों की देखभाल के लिए तैयार किया था। उल्लेखनीय है कि डा. तबुस्सम के तीन बच्चों में बड़ा बेटा और बेटी डाक्टर हैं जबकि छोटा बेटा एमबीबीएस का छात्र है। उनके पति जम्मू-कश्मीर पुलिस के दूरसंचार विंग में एसएसपी हैं।

2023 में प्राकृतिक प्रसव को प्रोत्साहित करने पर की पीएचडी

डा. तबस्सुम स्टोमा नर्स (विशेषज्ञ पेशेवर, जो सर्जरी से पहले और बाद में रोगी को सहायता प्रदान करती है। आपरेशन से पूर्व मूल्यांकन करती हैं और अस्पताल में रहने के दौरान देखभाल प्रदान करती है) अस्पताल संक्रमण नियंत्रण नर्स के तौर पर भी कार्य किया है। नर्सिंग कालेज में विजिटिंग और नियमित ट्यूटर दोनों के रूप में भी कार्य किया है। वर्ष 2023 में प्राकृतिक प्रसव को प्रोत्साहित करने पर पीएचडी पूरी की। यह शोध सिजेरियन दर को कम करने और महिलाओं में प्राकृतिक प्रसव को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है। यह शोध कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुआ है।

राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कार लेतीं डा. तबस्सुम। सौ. स्वयं

****

लंदन में ईस्ट इंडिया कंपनी के गठन पर पहली बार हुई थी चर्चा

1599 में आज ही लंदन में 21 कारोबारियों की एक बैठक में भारत के साथ व्यापार के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी के गठन पर विचार किया गया था। 1600 में ईस्ट इंडिया कंपनी की नींव पड़ी थी। 1608 में कंपनी ने सूरत में एक कारखाना खोलने की अनुमति लेने के लिए प्रतिनिधि को भारत भेजा।

यूएन की पहल पर भारत-पाक के बनी युद्ध विराम पर सहमति

संयुक्त राष्ट्र की पहल पर 1965 में आज ही भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम पर सहमति बनी थी। 20 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र ने प्रस्ताव पारित कर कश्मीर समस्या बातचीत के जरिये सुलझाने और युद्ध को खत्म करने का आह्वान किया था। यह युद्ध अप्रैल में शुरू हुआ था।

पहले राजनयिक माने जाते हैं वीएस श्रीनिवास शास्त्री

वीएस श्रीनिवास शास्त्री का जन्म 1869 में आज ही तमिलनाडु में हुआ था। गोपाल कृष्ण गोखले से प्रभावित होकर सर्वेंट्स आफ इंडिया सोसाइटी में शामिल हो गए। 1908 में कांग्रेस से जुड़े। 1916 में इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल आफ इंडिया के सदस्य बने। 1927 में दक्षिण अफ्रीका में भारत के पहले एजेंट जनरल नियुक्त हुए एवं वहां भारतीयों के साथ नस्लीय भेदभाव के खिलाफ अभियान चलाया। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा में बसे भारतीयों की स्थिति सुधारने की दिशा में भी कई प्रयास किए।

डायबिटीज कंट्रोल से कम होगा डिमेंशिया का खतरा

विश्व अल्जाइमर दिवस ▶ देश में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के करीब 7.4 प्रतिशत लोग हैं डिमेंशिया से पीड़ित

डिमेंशिया का प्रभाव पुरुषों (5.8%) की तुलना में महिलाओं (9%) में अधिक

नई दिल्ली, आइएएनएस : विश्व अल्जाइमर दिवस पर विशेषज्ञों ने कहा कि ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापा पर रोकथाम करके डिमेंशिया की संभावना को 60 प्रतिशत तक कम करने या उलटने की संभावना होती है। डिमेंशिया और अल्जाइमर रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इन विकारों के बारे में लोगों को समझ बढ़ाने के लिए हर साल 21 सितंबर को विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है।

इस साल की थीम है ''टाइम टू एक्ट आन डिमेंशिया एंड अल्जाइमर''। अल्जाइमर रोग, एक दुर्बल करने वाला, संज्ञानात्मक और तंत्रिका संबंधी विकार है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति की याददाश्त, भाषा कौशल, सोचने के कौशल और सबसे सरल कार्य करने की क्षमता को भी खत्म कर देता है। यह मुख्य रूप से 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को प्रभावित करता है और वृद्ध वयस्कों में डिमेंशिया का प्रमुख कारण है।

यह डिमेंशिया या स्मृति हानि के सबसे आम कारणों में से एक है। भारत में अल्जाइमर रोग की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, यह चिंताजनक नहीं है। यह बीमारी बुजुर्गों को अधिक प्रभावित कर रही है, लेकिन युवा आबादी में भी इसके बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। एम्स में न्यूरोलाजी विभाग की प्रमुख डा. मंजरी त्रिपाठी ने बताया कि डिमेंशिया पर रोकथाम के लिए इसके खतरे बढ़ाने वाले कारकों की पहचान करनी होगी। अगर हम डिमेंशिया के रोकथाम योग्य जोखिम कारकों पर काम करते हैं, तो हम डिमेंशिया को 60 प्रतिशत तक कम या उलट सकते हैं। ऐसे में रोकथाम योग्य खतरे के कारक क्या हैं? त्रिपाठी ने कहा कि ब्लड प्रेशर, डायबिटीज को नियंत्रित करना, धूम्रपान या शराब नहीं पीना और शरीर के वजन या मोटापे के स्तर को कम करना। अनिद्रा भी नहीं होनी चाहिए। अनिद्रा और नींद में गड़बड़ी एप्निया का इलाज करवाएं, क्योंकि अगर नींद खराब हो जाती है, तो इसका याददाश्त पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, अस्वस्थ जीवनशैली जीना, जिसमें गतिहीन रहना, व्यायाम न करना या बुढ़ापे में कोई नया कौशल न सीखना, निष्क्रिय रहना, बस कुर्सी पर बैठे रहना या सोफे पर अधिक समय बिताना भी संज्ञानात्मक कार्यों को नुकसान पहुंचा सकता है।

2036 तक डिमेंशिया से पीड़ितों की संख्या बढ़कर हो सकती है एक करोड़ 69 लाख

प्रतीकात्मक

अल्जाइमर व डिमेंशिया पर प्रकाशित शोध से पता चला है कि भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के 7.4 प्रतिशत लोग डिमेंशिया से पीड़ित हैं, जो लगभग 88 लाख लोगों के बराबर है। यह अध्ययन 2017 से 2020 तक देश में एकत्र किए गए प्रतिनिधि डाटा का उपयोग करके किया गया था। आइचवंजनक रूप से डिमेंशिया का प्रचलन पुरुषों (5.8 प्रतिशत) की तुलना में महिलाओं (9 प्रतिशत) में अधिक पाया गया, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। 2036 तक डिमेंशिया से पीड़ित भारतीयों की संख्या बढ़कर एक करोड़ 69 लाख हो सकती है।

महिलाओं में डिमेंशिया का ज्यादा खतरा : कोलकाता के निजी अस्पताल के कंसल्टेंट न्यूरोलाजिस्ट डा. अरिंदम घोष ने बताया कि महिलाओं में पुरुषों की तुलना में अल्जाइमर विकसित होने का जोखिम बहुत अधिक होता है। यह जैविक, आनुवंशिक और जीवनशैली कारकों के मिश्रण के कारण हो सकता है। विशेषज्ञों ने इस स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे शुरुआती जांच में मदद मिल सकती है। त्रिपाठी ने बताया कि अल्जाइमर के तीन चरण होते हैं - प्रारंभिक, मध्य और देर से। बीमारी को तेजी से बढ़ने से रोकने के लिए शुरुआती चरण में ही उपचार शुरू कर दिया जाता है। न्यूरोलाजिस्ट ने कहा कि शुरुआती लक्षण दिखने पर लोगों को जल्द अस्पताल लाया जाए, जिसकी जांच के लिए परीक्षण किए जा सके। शुरुआती लक्षणों में याददाश्त का खो जाना शामिल है, जिससे दैनिक जीवन में व्यवधान आता है, खराब निर्णय, बार-बार सवाल पूछना या हाल में सीखी गई जानकारी को भूल जाना शामिल है।

स्थानीय आंकड़ों का कैंसर के इलाज में प्रयोग

- भारतीय कैंसर जीनोम एटलस ने लांच किया पहला कैंसर मल्टी-ओमिक्स डाटा पोर्टल
- स्थानीय आंकड़ों की मदद से शोधकर्ता खोज सकेंगे इलाज के बेहतर तरीके

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारत में कैंसर का उपचार पश्चिमी देशों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर होता रहा है लेकिन अब भारतीय मरीजों का इलाज स्थानीय आंकड़ों की मदद से होगा। भारतीय कैंसर जीनोम एटलस (आइसीजीए) ने दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली घातक बीमारी के खिलाफ शोध और उपचार को बढ़ावा देने के लिए भारत का पहला व्यापक कैंसर मल्टी-ओमिक्स डाटा पोर्टल पोर्टल लांच किया है। यह प्लेटफार्म भारतीय कैंसर रोगियों को उपचार से जुड़े डाटा तक पहुंच सुनिश्चित करता है।

इसका मकसद भारतीयों के लिए कैंसर अनुसंधान और उपचार को बदलना है। भारत में कैंसर का उपचार हमेशा पश्चिमी डाटा सेट पर आधारित रहा है। हालांकि, भारत के मरीजों में सूक्ष्म स्तर पर कैंसर अलग हो सकता है। यह नया ओपन एक्सेस पोर्टल कैंसर अनुसंधान में क्रांति लाने में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे भारतीय मरीजों में कैंसर की जटिलता के आधार पर इलाज मुहैया कराया जा सकेगा। गैर-लाभकारी संस्था के नाका, 'मल्टी-ओमिक्स पोर्टल भारत का पहला ऐसा पोर्टल है, जो स्तन कैंसर पर केंद्रित अलग हो सकता है। यह नया प्लेटफार्म पर 50 स्तन कैंसर रोगियों का आंकड़ा उपलब्ध है और आने वाले वर्ष में इससे 500 से अधिक मरीजों को जोड़ा जाएगा।

आइसीजीए के गैर-कार्यकारी निदेशक डा. आनंद देशपांडे ने कहा कि कैंसर को लेकर भारत में विशिष्ट आनुवंशिक और पर्यावरण से जुड़े कारकों की वजह से अधिक प्रभावी और व्यक्तिगत उपचार की आवश्यकता है। पोर्टल शोधकर्ताओं को महत्वपूर्ण आंकड़े उपलब्ध कराएगा, जिससे वे इलाज के बेहतर नतीजों पर काम कर सकें। अपोलो हास्पिटल्स की एक रिपोर्ट में भारत को दुनिया की कैंसर राजधानी कहा गया है। 2019 में भारत में लगभग 12 लाख नए कैंसर के मामले और 9.3 लाख मौतें दर्ज की गईं।

लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार 2020 में यह संख्या बढ़कर 13.9 लाख हो गई और 2021 और 2022 में भारत के कैंसर के नए मामले बढ़ कर क्रमशः 14.2 लाख और 14.6 लाख हो गए।

दक्षिण अफ्रीका में भारी बर्फबारी

दक्षिण अफ्रीका के प्रांत के वार्डन के पास खेतों में बर्फबारी के क्राल में शनिवार को लिया गया यह हवाई दृश्य, जिसमें एक टूक को सड़क पर चलते हुए दिखाया गया है। भारी बर्फबारी के कारण दक्षिण अफ्रीका की सड़कों पर बड़ा व्यवधान हुआ, जिससे लोग गाड़ियों में रात भर फंसे रहने के बाद दोपहर तक फंसे रहे। अधिकारियों ने कहा कि जोहान्सबर्ग व पूर्वी तट के पूहर डरबन को जोड़ने वाला प्रमुख एनउ राजमार्ग सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ और कई हिस्से बंद हो गए। यहां तक कि चपकर लगाना भी असंभव हो गया। एएफपी

ट्रांसफार्मर्स वन

फिल्म रिव्यू

मुख्य पात्रों की आवाज देने वाले कलाकार : क्रिस हेम्सवर्थ, ब्रायन टायरी हेनरी, स्कारलेट जानसन, जोन हैम

निर्देशक : जाश कूर्ले, **अवधि :** एक घंटा 44 मिनट

मशीन की रोमांचक दुनिया में रुकती-चलती कहानी

मनोरंजक फिल्म को स्क्रीन प्ले संभाल नहीं पाता। चित्र सौ. : फिल्म टीम

सीक्वल और प्रीक्वल हालीवुड में भी खूब बनते हैं। माइकल बे निर्देशित 'ट्रांसफार्मर्स: एज आफ इक्सटिंक्शन' की प्रीक्वल फिल्म 'ट्रांसफार्मर्स वन' एनिमेटेड साइंस फिक्शन एक्शन फिल्म है।

कहानी शुरू होती है ट्रांसफार्मर्स के ग्रह साइबर्ट्रान से, जहां एनजीन के खदान में काम करने वाला मजदूर ओरियन पैक्स (क्रिस हेम्सवर्थ की आवाज) पता लगाना चाहता है कि शक्तिशाली ट्रांसफार्मर्स द्वारा बनाया गया उपकरण मैट्रिक्स आफ लीडरशिप कहां खो गया। उससे बहने वाले एनर्जीन की ऊर्जा के कारण साइबर्ट्रान की प्राकृतिक सुंदरता बनी हुई थी। मैट्रिक्स आफ लीडरशिप खोने के बाद ग्रह पर एनर्जीन नहीं है। पैक्स का दोस्त डी-16 (ब्रायन टी हेनरी) हर मुश्किल में उसका साथ देता है। साइबर्ट्रान का लीडर सेंटिनल प्राइम (जोन हैम) मजदूरों से ज्यादा से ज्यादा एनर्जीन खदान से निकालने को कहता है। वह स्वयं मैट्रिक्स आफ लीडरशिप की खोज में है। हालांकि वह उन क्वींटसीन्स से मिला हुआ है, जिसने साइबर्ट्रान पर हमला कर मैट्रिक्स आफ लीडरशिप हासिल करने का प्रयास किया था। क्या साइबर्ट्रान पर दोबारा एनर्जीन बह सकेगा, क्या मैट्रिक्स आफ लीडरशिप मिलेगा, कहानी इस पर आगे बढ़ती है।

कहानी लिखी है लेखक एंड्रू बरेर और ग्रैब्रियल फेरारी ने। उनके साथ एरिक पियरसन ने स्क्रीनप्ले लिखा है। कहानी मनोरंजक है, पर स्क्रीनप्ले उसे कई जगहों पर संभाल नहीं पाया। बिना कारण के जोक्स, बैकस्टोरी के बिना कई पात्रों का जुड़ जाना, लड़ाई वाले दृश्यों में कौन-किससे लड़ रहा है, ऐसे कई भ्रम मजा किरकिरा करते हैं। डी-16 का अचानक खलनायक बन जाना पचता नहीं है। मैट्रिक्स आफ लीडरशिप का हकदार कौन है, यह जानते हुए भी क्लाइमेक्स शानदार है। खास बात है इसका एनिमेशन, जो इतना बेहतरीन है कि लगता ही नहीं कि हम एनिमेटेड फिल्म देख रहे हैं। निर्देशक माइकल बे ने कुशलतापूर्वक और कलात्मक रूप से मानव कलाकारों के एक नए सेट के साथ दर्शकों को आकर्षित करने में कामयाबी हासिल की है, अपना जीवन खुलकर जीने की उत्सुक पैक्स की आवाज बने। क्रिस हेम्सवर्थ उसकी भावनाओं को व्यक्त कर पाते हैं। कभी दोस्त तो कभी विलेन बने डी-16 के बदलते स्वभाव को ब्रायन टायरी हेनरी का अच्छा साथ मिला है। मजदूरों की सुपरवाइजर बनी एलीटा पर स्कारलेट जानसन की आवाज जंचती है।

-प्रियव्रत सिंह

उत्कृष्ट | बहुत अच्छी | अच्छी | औसत | औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

इधर-उधर की

खाना खाते हुए दांतों की बीच आया मोती

सीप के अंदर से निकला दुर्लभ प्राकृतिक मोती। इंटरनेट मीडिया

लंदन, एजेंसी : खाना खाते हुए हममें से ज्यादातर के दांतों के नीचे कंकड़ या पत्थर आ जाते हैं। हालांकि इंग्लैंड के जिमी लौ की किस्मत इस मामले में काफी अच्छी निकली। दरअसल ली अपनी मंगेतर की जन्मतिथि पर परिवार और दोस्तों के साथ इंग्लैंड के क्वींसाइड नामक रेस्तरां में खाना खाने गए थे। ली ने खाने में मसल्स (सीप) का आर्डर दिया। उनकी मंगेतर ने बताया कि जब ली मसल्स खाना खा रहे थे, तब उन्हें दांतों के बीच कोई सख्त चीज महसूस हुई। ली ने पहले इसे पत्थर समझा लेकिन जब उन्होंने इसे मुंह से निकाला तो इसे देखकर हर कोई आश्चर्यचकित रह गया। यह एक दुर्लभ प्राकृतिक मोती था। रेस्तरां ने बताया कि वह कई वर्षों से मसल्स बेच रहे हैं, पहली बार उनमें से मोती निकला है। ली ने मोती उपहार के रूप में अपनी मंगेतर को दे दिया।

बच्चों में डायबिटीज के खतरे की पहचान कर सकेगा नया ब्लड टेस्ट

अनुसंधान

डायबिटीज की नई जांच। फाइल

शोधकर्ताओं ने एक नई रक्त जांच विकसित की है। इसकी मदद से बच्चों में डायबिटीज के खतरे की पहचान की जा सकती है। यह नई जांच लिपिड का उपयोग करके उन बच्चों की पहचान कर सकती है, जो मोटापे से संबंधित समस्याओं जैसे टाइप-2 डायबिटीज, लिवर रोग और हृदय रोग के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो सकते हैं।

ब्रिटेन के किंग्स कालेज लंदन के शोधकर्ताओं ने लिपिड और बच्चों में मेटाबोलिज्म को प्रभावित करने वाले विकारों के बीच एक नए जुड़ाव की खोज की है। इस नतीजे की मदद से लिवर रोग समेत विभिन्न बीमारियों के लिए अर्ली वार्निंग सिस्टम विकसित करने की राह खुल सकती है। इस अध्ययन को नेचर मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, मानव शरीर में हजारों लिपिड की पहचान की गई है। इनमें से प्रत्येक की एक अनूठी भूमिका होती है।

इनकी गहराई से अध्ययन करके डायबिटीज समेत मोटापे से संबंधित बीमारियों के प्रारंभिक लक्षणों का पता लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यह चिकित्सा पेशेवरों के लिए बच्चों में रोग के प्रारंभिक लक्षणों की अधिक शीघ्रता से पहचान करने में सहायक हो सकता है। शोधकर्ताओं ने मोटापे से पीड़ित 1300 बच्चों में ब्लड लिपिड के विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है।

इसके बाद 200 बच्चों को एक वर्ष के लिए डेनमार्क में लाइफस्टाइल इंटरवेंशन माडल 'होलबैक' पर रखा गया। परिणामों में देखा गया कि इस इंटरवेंशन के बाद उन बच्चों में डायबिटीज, इंसुलिन रजिस्टेंस और हाई ब्लड प्रेशर से जुड़े लिपिड्स की मात्रा कम हो गई, हालांकि कुछ बच्चों के बाडी मास इंडेक्स में सुधार सीमित रहा। यह नई रक्त जांच बच्चों में प्रारंभिक अवस्था में ही इन बीमारियों के जोखिम की रोकथाम में मददगार साबित हो सकती है। -एएनआइ

जीवाश्म ईंधन का उपयोग बंद करें

दुनिया भर से हजारों युवा जलवायु कार्यकर्ता न्यूयार्क शहर में एकत्रित हुए और मांग की कि विश्व के नेता जीवाश्म ईंधन का उपयोग बंद करें और जलवायु कार्रवाई के वैश्विक सप्ताह के हिस्से के रूप में प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करें। यह मांग नेताओं के शुक्रवार को न्यूयार्क शहर में संयुक्त राष्ट्र की आम सभा की बैठक में भाग लेने से कुछ दिन पहले की गई। एपी

स्क्रीन शाट

कुछ यूं शुरू हुआ था शिबानी व फरहान के प्यार का सिलसिला

कभी नजरों की एक तकरार से, तो कभी एक छोटी मुलाकात से प्यार का सिलसिला कहां से शुरू हो जाए, इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है। अब अभिनेता और फिल्मकार फरहान अख्तर तथा उनकी पत्नी तथा अभिनेत्री शिबानी दांडेकर के रिश्ते को ही देख लें। कुछ वर्षों पहले दोनों एकदूसरे से बिल्कुल अनजान थे, लेकिन अब पति-पत्नी होने के साथ-साथ एक दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त भी हैं। फरहान और शिबानी ने हाल ही में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के साथ एक इंटरव्यू में अपने प्यार के पनपने का किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत एक शो से हुई थी। जिसमें फरहान जज और शिबानी प्रतिभागी थी। वहीं शिबानी का व्यक्तित्व देख फरहान प्रभावित थे। फिर शिबानी के जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए उन्होंने पहली बार मैसेज किया। हालांकि, फिर भी बात नहीं बनी। फिर फरहान के जन्मदिन पर शिबानी ने मैसेज भेजकर शुभकामनाएं भेजी, तो उसके बाद फरहान ने शिबानी से काफी पर चलने के लिए पूछा। शिबानी तैयार हुई तो दोनों की तीन-चार बार सिर्फ ऐसे ही काफी के बहाने मुलाकातें हुईं और दोनों ने एकदूसरे को जाना। इस दौरान भी फरहान ने दिल की बातें शिबानी से नहीं कही थी। फिर एक टूर के दौरान फरहान ने शिबानी को मैसेज किया और वहीं से दोनों के बीच करीबियां बढ़ीं और एक दिन मैसेज पर फरहान ने शिबानी से दिल की बातें कह दी।? शिबानी ने थोड़ा सोचा समझा और फिर फरहान को हां बोल दिया। इस तरह दोनों के प्यार की गाड़ी आगे बढ़ गई। फरहान आगामी दिनों में फिल्म 120 बहादुर तथा शिबानी फिल्म फिरकी में नजर आएंगी।

साल 2022 में शिबानी और फरहान ने की थी शादी। फाइल

करण उतरे डिजिटल के मैदान में

करण ने बढ़ाई सक्रियता। @karanjohar

हाल ही में एक समारोह के दौरान अभिनेता शाह रुख खान ने अपने मित्र और फिल्मकार करण जौहर की चुटकी लेते हुए कहा था कि इतने शो और इवेंट होस्ट करते हो, फिल्म भी बना लिया करो। जिसके बाद करण ने कहा था कि अब मुझे ज्यादा फिल्में बनानी पड़ेगी। अब लगता है कि शाह रुख की बात करण पर असर कर गई है और वह सिर्फ फिल्म ही नहीं, बल्कि डिजिटल प्लेटफार्म पर वेब सीरीज बनाने के लिए भी कमर कस चुके हैं। विशाल भारद्वाज, संजय लीला भंसाली और विवेक रंजन अग्निहोत्री के बाद करण भी वेब सीरीज का निर्देशन करने जा रहे हैं। वैसे तो करण बतौर निर्माता द फैबुलस लाइव्स आफ बालीवुड वाइव्स, द फेम गेम, शोटाइम, ग्यारह ग्यारह और काल मी बे जैसी वेब सीरीज बना चुके हैं। अब निर्देशक के तौर पर भी वह इस प्रारूप में अपना रंग बिखेरने के लिए तैयार हैं। करण के करीबी सूत्रों के अनुसर, यह प्रोजेक्ट करण के दिल के काफी करीब है। शो के कलाकारों को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी तो सामने नहीं आई है, लेकिन करण इसे हिंदी सिनेमा में की कुछ शीर्ष अभिनेत्रियों के साथ बनाने जा रहे हैं। यह वेब सीरीज डिजिटल प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स के लिए बनेगी। इस शो की पटकथा तय हो चुकी है और अगर सब कुछ सही रहा तो अगले साल जनवरी से करण इसकी शूटिंग भी शुरू कर देंगे। शूटिंग करीब एक वर्ष की अवधि में अलग-अलग शेड्यूल में होगी। फिलहाल इस शो की कास्टिंग चल रही है। इसे साल 2026 में प्रदर्शित करने की योजना है। इसके अलावा करण एक एक्शन फिल्म भी निर्देशित करने की तैयारी में हैं।

एक्शन फिल्म के बाद फिर रोमांस की दिशा में बढ़ी आलिया भट्ट

बिना रोमांस के जीवन में आनंद कहां, शायद अभिनेत्री आलिया भट्ट के मन में भी इन दिनों कुछ ऐसा ही चल रहा है। तभी तो अब उनके मन में रोमांटिक कहानियों का हिस्सा बनने की बात चल रही है। पिछले 12 वर्षों के सिनेमाई सफर में आलिया ने हाइवे, उड़ता पंजाब, राजी और गंगूबाई काठियावाड़ी फिल्मों में अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाईं। उनके हिस्से में पूर्ण एक्शन फिल्म बची थी, जिसकी कमी यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) के अंतर्गत बन रही अल्फा ने पूरी कर दी। अल्फा में वह खुफिया विभाग के जासूस की भूमिका में नजर आएंगी। आलिया इस फिल्म की शूटिंग में लगी हैं। इसके बाद वह दिसंबर से संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही फिल्म लव एंड बार फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, लव एंड वार के बाद आलिया की नजरें किसी रोमांटिक फिल्म पर है। उन्होंने कई कहानियां सुनी और उनमें से एक कहानी उन्होंने पसंद भी कर ली है। यह विशुद्ध रोमांटिक कहानी है। इस कहानी पर आलिया का दिल कुछ यूं आया है कि वह इसमें न सिर्फ अभिनय करेंगी, बल्कि उसे प्रोड्यूस भी करेंगी। आलिया के अलावा फिल्म की बाकी की कास्टिंग अगले साल जनवरी से शुरू होगी। निर्माताओं की नजर आलिया संग फिल्म में किसी ए लिस्टर अभिनेता को लेने की है। अगर सब कुछ सही रहा तो अगले साल के अंत तक शूटिंग शुरू करने की योजना है।

फिल्म अल्फा में दिखेंगा आलिया का जबरदस्त एक्शन। फाइल

युद्धा को अच्छी ओपनिंग, संतोषजनक रहा ध्वनि का आगाज

रत्री 2, देवा, खेल खेल में फिल्मों के प्रदर्शित होने के करीब एक महीने के अंतराल के बाद इस सप्ताह टिकट खिड़की पर दो हिंदी फिल्में युद्धा और कहां शुरू कहां खत्म प्रदर्शित हुईं। इस अंतराल में करीना कपूर अभिनीत दी बकिंघम मर्डर्स के साथ कई पुरानी लोकप्रिय फिल्में दोबारा सिनेमाघरों में प्रदर्शित की गईं, जिन पर लोगों ने भी खूब प्यार लुटाया। इस सप्ताह टिकट खिड़की पर प्रदर्शित युद्धा और कहां शुरू कहां खत्म के बीच ओपनिंग में युद्धा ने बाजी मारी। सिद्धांत चतुर्वेदी और राघव जुयाल अभिनीत युद्धा की फिल्म समीक्षकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली। फिल्म को शुक्रवार को 4.52 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। इससे पहले फिल्म किल में अपने एक्शन के लिए खूब सराहना बटोर चुके राघव के एक्शन की इसमें भी काफी सराहना हुई। वहीं सिद्धांत ने इस फिल्म में पहली बार विशुद्ध एक्शन किया है, जो प्रभावशाली रहा। फिल्म कहां शुरू कहां खत्म से गायिका ध्वनि भानुशाली ने अभिनय में कदम रखा है। इस फिल्म को लेकर समीक्षकों की मिलाजुली प्रतिक्रिया रही। ध्वनि भानुशाली और आसिम गुलाटी जैसे नवोदित कलाकारों को देखते हुए फिल्म ने शुक्रवार को 1.08 करोड़ रुपये की संतोषजनक ओपनिंग की। सप्ताहांत को देखते हुए दोनों ही फिल्मों की कमाई में बढ़त होने की संभावना है।

युद्धा में दिखा सिद्धांत का शानदार एक्शन अवतार

****